सुविचार
नेकदिल लोग शांत और स्थिर रहते हैं। छोटे लोग हमेशा झगड़ते और परेशान रहते हैं।
-कन्फ्यूशियस

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Tuesday, 18 February 2025 ● Year : 03 ● Issue : 36 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Shweta Basu Prasad Was Bullied On...

SHARE

सेंसेक्स	:	75,996.86
निफ्टी	:	22,959.50

SARAFA

सोना	:	8,120
चांदी	:	108.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

आज होगी हेमंत सोरेन कैबिनेट की मीटिंग

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में मंगलवार को स्टेट कैबिनेट की मीटिंग शाम 4 बजे से शुरू होगी। मंत्रिपरिषद की बैठक धुर्वा स्थित झारखंड मंत्रालय (प्रोजेक्ट भवन) के मंत्रिपरिषद कक्ष में होगी। यह जानकारी मंत्रिमंडल सचिवालय और निगरानी विभाग (समन्वय) की ओर से दी गई है। बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए जाएंगे।

ईडी के डिप्टी डायरेक्टर देवव्रत झा का तबादला

RANCHI : झारखंड में कई चर्चित मामले का जांच कर रहे ईडी के डिप्टी डायरेक्टर देवव्रत झा का तबादला कर दिया गया है। देवव्रत झा ईडी के रांची जोनल ऑफिस में पदस्थापित थे। उनका तबादला कोलकाता कर दिया गया, साथ ही उनके जगह राकेश कुमार को ईडी के रांची जोनल ऑफिस में पदस्थापित किया गया है। रांची में पोस्टेड रहे देवव्रत झा को प्रोन्नति के बाद रांची जोनल आफिस 1 का प्रभारी बनाया गया था। असिस्टेंट डायरेक्टर से डिप्टी डायरेक्टर रैंक में उनकी प्रोन्नति हुई थी। झा रांची जमीन घोटाले समेत कई महत्वपूर्ण कांडों के अनुसंधान से जुड़े रहे हैं।

37 डिग्री पार पहुंचा झारखंड का अधिकतम तापमान

RANCHI : झारखंड का अधिकतम तापमान 37 डिग्री के पार पहुंच गया है। न्यूनतम तापमान भी चढ़कर 10.9 डिग्री हो गया है। अगले 2 दिन तक इसमें और 2 से 3 डिग्री तक की बढ़ोतरी का अनुमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के रांची स्थित मौसम केंद्र ने यह जानकारी दी है। साथ ही कहा है कि झारखंड में बारिश का दौर भी शुरू होने वाला है। रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट के पास स्थित मौसम केंद्र के प्रमुख अभिषेक आनंद ने सोमवार को कहा कि कम से कम झारखंड के 3 जिलों में 19 फरवरी 2025 को बारिश होगी। उन्होंने कहा कि झारखंड में 19 फरवरी से बारिश का दौर शुरू हो सकता है।

पनडुब्बी मत्स्य-6000 ने पास किया वेट टेस्ट

NEW DELHI : भारत की चौथी पीढ़ी की गहरे समुद्र में चलने वाली मानव वैज्ञानिक पनडुब्बी मत्स्य-6000 ने कट्टुपल्ली पोर्ट पर वेट टेस्टिंग सफलतापूर्वक पूरी कर ली है, जो डीप ओशन मिशन के तहत देश की समुद्रयान परियोजना में एक महत्वपूर्ण कदम है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत गहरे समुद्र मिशन पहलों के तहत राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा विकसित इस अत्याधुनिक पनडुब्बी को इसके कॉम्पैक्ट 2.1 मीटर व्यास वाले गोलाकार पतवार के भीतर तीन मनुष्यों को ले जाने के लिए डिजाइन किया गया है और 2025 के अंत तक 500 मीटर की गहराई पर इसका परीक्षण किया जाएगा। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अनुसार डिजाइन चरण के पूरा होने के बाद मत्स्य-6000 की कार्यक्षमता के लिए महत्वपूर्ण विभिन्न उप-प्रणालियों की पहचान की गई और उन्हें विकसित किया गया।

फैसला : हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण परिषद की हुई मीटिंग

आजीवन कारावास की सजा काट रहे 37 कैदियों को किया जाएगा रिहा : मुख्यमंत्री

103 मामलों की समीक्षा के बाद डिसिजन, पिछली बैठकों में अस्वीकृत मामलों पर भी विचार

कैदियों का ट्रैक रिकॉर्ड रखने और गतिविधियों की मॉनिटरिंग करने का भी दिया गया निर्देश

- रिहा हुए कैदियों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से भी जोड़ने का निर्देश
- सामाजिक, आर्थिक और पारिवारिक पृष्ठभूमि का सत्यापन किया जाएगा सुनिश्चित
- सकारात्मक दिशा में मार्गदर्शन देना प्राथमिकता, आय सृजन की भी की जाएगी व्यवस्था

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण परिषद की 33वीं बैठक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में हुई। इसमें राज्य के विभिन्न जेलों में आजीवन कारावास की सजा काट रहे 37 कैदियों को रिहा करने पर सहमति बनी। बैठक में कुल 103 मामलों की समीक्षा की गई। इस दौरान 37 मामलों को रिहा किए जाने के लिए मंजूरी दी गई। इसके अलावा पिछली बैठकों में अस्वीकृत किए गए मामलों पर भी पुनः विचार किया गया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बैठक में राज्य सजा पुनरीक्षण परिषद द्वारा रिहाई के लिए अनुशंसा किए गए मामलों पर गहन विचार विमर्श किया। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि रिहा हुए कैदियों का ट्रैक रिकॉर्ड रखें और उनकी गतिविधियों की निरंतर मॉनिटरिंग की जाए, ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि वे समाज के लिए एक अच्छे नागरिक के रूप में काम कर सकें।

हर कैदी की फाइल पर हो विचार

मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान प्रत्येक मामले पर बिंदुवार चर्चा की। रिहाई के लिए प्रस्तावित कैदियों के अपराध की प्रकृति, न्यायालय के फैसले और संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षकों, जेल अधीक्षकों तथा प्रोबेशन अधिकारियों द्वारा दी गई राय पर गंभीरता से विचार किया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक कैदी की फाइल पर गंभीरता से विचार करने के बाद ही यह निर्णय लिया जाएगा कि उन्हें रिहा किया जाए या नहीं।

राज्य सजा पुनरीक्षण परिषद की 33वीं बैठक के दौरान सीएम हेमंत सोरेन, डीजीपी अनुराग गुप्ता व अन्य अधिकारी।

कैदियों की सभी गतिविधियों पर रखी जाएगी नजर

बैठक में कुल 37 कैदियों को रिहा किए जाने का निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री ने रिहाई के इस निर्णय के बाद अधिकारियों को निर्देश दिया कि रिहा किए गए कैदियों का सामाजिक, आर्थिक और पारिवारिक पृष्ठभूमि का सत्यापन सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने कारा महानिरीक्षक झारखंड को यह निर्देश भी दिया कि रिहा हुए कैदियों का ट्रैक रिकॉर्ड रखना आवश्यक है। उनके द्वारा किए गए अपराधों तथा उनकी गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जाए। मुख्यमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि रिहा हुए कैदियों को सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि रिहा होने के बाद कैदियों का जीवनयापन सुचारू रूप से चले। मुख्यमंत्री ने कहा, रिहा हुए कैदियों के लिए आय सृजन की व्यवस्था करना अत्यंत आवश्यक है। उनका पुनर्वास करने और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने की जिम्मेदारी हम सभी की है। उन्हें सकारात्मक दिशा में मार्गदर्शन देना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। मुख्यमंत्री के साथ अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग वंदना दादेल, डीजीपी अनुराग गुप्ता, कारा महानिरीक्षक सुदर्शन प्रसाद मंडल, अपर विधि परामर्शी विधि विभाग नीरज कुमार, प्रोबेशन पदाधिकारी चंद्रमौली, एआईजी तुषार रंजन गुप्ता और जेलर मो नसीम सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

आज 289 चयनित अभ्यर्थियों को हेमंत सोरेन देंगे नियुक्ति पत्र

RANCHI : झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) द्वारा आयोजित नगर सेवा संवर्ग संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2023 के तहत चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र मिलेगा। चयनित विभाग के उगार्डेन अधीक्षक, वेटनरी ऑफिसर, सेनेटरी एंड फूड इंस्पेक्टर, सेनेटरी सुपरवाइजर, राजस्व निरीक्षक और विधि सहायक के 289 अभ्यर्थियों मंगलवार 18 फरवरी को नियुक्ति पत्र मिलेगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन प्रोजेक्ट भवन में जेएसएससी द्वारा अनुशंसित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। प्रोजेक्ट भवन के दूसरे तल्ले पर दिन में 11 बजे से होने वाले नगर विकास विभाग के नगरीय प्रशासन निदेशालय ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। नगरीय प्रशासन निदेशालय की सहायक निदेशक अंशु कुमारी ने चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में समय पर उपस्थित होने का निर्देश दिया है। हेमंत सरकार ने राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में रिक्त पदों को भरने की दिशा में कदम उठाना शुरू कर दिया है। इसके तहत गार्डेन अधीक्षक के 09 पद, पशु चिकित्सा पदाधिकारी के 08 पद, सेनेटरी एंड फूड इंस्पेक्टर के 12 पद, राजस्व निरीक्षक के 174 पद और विधि सहायक के 44 पदों पर नियुक्ति होगी। यह विवादित परीक्षा वर्ष 2023 में 29 और 30 अक्टूबर को आयोजित की गई थी और लगभग एक साल बाद अक्टूबर 2024 में प्रमाण पत्र सत्यापन के बाद आयोग द्वारा परिणाम जारी किया गया था। परिणाम को लेकर छात्र लगातार विरोध प्रदर्शन करते रहे। छात्रों का विरोध प्रदर्शन आयोग कार्यालय से लेकर राजभवन तक जारी रहा। छात्रों के आंदोलन को देखते हुए आयोग ने इसे अंतिम रूप दिया और अब वह समय आ गया है, जब राजस्व निरीक्षक समेत कई पदों पर भर्तियां होंगी।

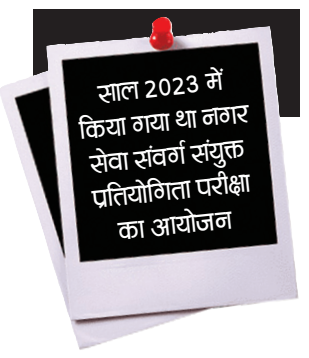

अग्निशमन विभाग को केंद्र की मंजूरी

राज्य में बनाए जाएंगे 11 नए फायर स्टेशन

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य का अग्निशमन विभाग अत्याधुनिक संसाधनों से युक्त होगा। इसके लिए केंद्र से अग्निशमन विभाग को 147 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं। बहुत जल्द होमगार्ड जवानों की बहाली भी की जाएगी। डीजी होमगार्ड अनिल पाल्टा ने इसके संकेत दिए हैं। कहा कि जवानों की बहाली के लिए फॉर्म भी लिए जा रहे हैं। डीजी होमगार्ड अनिल पाल्टा ने धनबाद सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि बहुत जल्द होमगार्ड जवानों की बहाली को लेकर तैयारियां जोरों पर है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार से यह 15वें वित्त आयोग के राशि मिल चुकी है। इसे 31 मार्च 2026 के पहले खर्च किया जाना है। अनिल पाल्टा ने कहा कि मिली राशि से 11 नए फायर स्टेशन, एक राज्य स्तरीय ट्रेनिंग सेंटर और एक राज्य स्तरीय फायर फाइटिंग कंट्रोल रूम बनेगा। इसके अलावा फायर ब्रिगेड, छोटे फायर टेंडर और मोटरसाइकिल फायर टेंडर भी खरीदे जाएंगे।

- विभाग को 147 करोड़ रुपये स्वीकृत, होमगार्ड जवानों की भी होगी बहाली
- एक राज्य स्तरीय ट्रेनिंग सेंटर और एक राज्य स्तरीय फायर फाइटिंग कंट्रोल रूम भी बनेगा

बिहार के जमुई में तनाव के बाद दो दिनों के लिए इंटरनेट सेवा बंद, 8 अरेस्ट

JAMUI : बिहार के जमुई में दो पक्षों के बीच तनाव का मामला गहराता जा रहा है। झाझा प्रखंड क्षेत्र के बलियाडीह गांव स्थित शिव मंदिर परिसर के हनुमान मंदिर में पूजा-पाठ कर-के प्रसाद वितरण कर लौट रहे श्रद्धालुओं पर रविवार की देर शाम को असमाजिक तत्वों ने पथराव कर दिया था। इसमें आधा दर्जन से अधिक लोग जख्मी हुए थे। कई वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। इस घटना के बाद गांव में तनाव है। इसे लेकर सोमवार को पुलिस ने फ्लैग मार्च किया और 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। एहतियातन इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए उक्त क्षेत्र में पुलिसबलों की तैनाती बड़ी संख्या में है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 41 नामजद अभियुक्तों पर प्राथमिकी दर्ज की है। 50 से 60 अज्ञात लोगों पर भी केस दर्ज किया गया है।

- 40 नामजद अभियुक्तों के खिलाफ पुलिस ने दर्ज की है एफआईआर

सड़क के कुछ हिस्सों की चौड़ाई कम होने के कारण आवागमन में बढ़ी परेशानी

महाकुंभ की भीड़ से झारखंड-बिहार सीमा पर जीटी रोड जाम, वाहनों की लंबी कतार

PHOTON NEWS RANCHI : महाकुंभ के अवसर पर हजारीबाग के चौपारण में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण जीटी रोड पर लंबा जाम लग गया है। पांडेबारा से लेकर बरही मुख्य चौक तक करीब 20 किलोमीटर तक वाहनों की कतारें खड़ी हो गईं हैं। हजारों यात्री अपने वाहनों में फंसे रहे। यात्रियों से भरी बसों और निजी वाहनों की अधिक संख्या के कारण हालात बिगड़ गए। जीटी रोड के कुछ हिस्सों की चौड़ाई कम होने के कारण स्थिति और भी गंभीर हो गई है। प्रशासन ने जाम हटाने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया है। यातायात को वैकल्पिक मार्गों की ओर मोड़ने की योजना बनाई जा रही है। स्थानीय लोग भी यात्रियों की सहायता के लिए आगे आए हैं। कुछ ग्रामीण और दुकानदार राहगीरों को पानी और अन्य जरूरी सामान मुहैया करा रहे हैं। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से संयम रखने और नियमों का पालन करने की अपील की है।

वाहनों में घंटों फंसे हजारों यात्री, वैकल्पिक मार्गों की ओर मोड़ने का किया जा रहा प्रयास

- रांची जंक्शन पर भारी संख्या में पुलिस बलों के साथ-साथ अधिकारियों को भी किया गया तैनात
- सिटी एसपी और एसडीएम ने रेलवे प्रशासन के साथ रांची रेलवे स्टेशन का किया निरीक्षण

यात्रियों की भीड़ के आगे रेल प्रशासन बेबस

महाकुंभ में डुबकी लगाने जाने वालों की भारी भीड़ ट्रेनों में देखी जा रही है। रांची जंक्शन से खुलकर प्रयागराज के रास्ते दिल्ली के आनंद विहार तक जाने वाली ट्रेन में सर्वाधिक भीड़ देखी जा रही है। इस ट्रेन में अतिरिक्त कोच लगाने के बावजूद यात्रियों की भीड़ के आगे यह कम पड़ जा रहा है। हालत यह है कि रविवार को भारी भीड़ के कारण रांची जंक्शन पर कई यात्री बेहोश हो गए थे। इससे सबक लेते हुए रेल प्रशासन ने सोमवार को रांची जंक्शन पर भारी संख्या में पुलिस बलों के साथ-साथ अधिकारियों को भी तैनात किया।

सतर्कता जरूरी भविष्य में भी बरकरार रहेगा खतरा, निपटने की तैयारी पुरजोर

अपने लक्ष्य के अनुरूप कामयाब नहीं हुए आईएसआईएल आतंकी

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : आतंकवाद की समस्या से दुनिया के तमाम देश त्रस्त हैं। आतंकवादियों की खतरनाक गतिविधियों से लड़ने के लिए सभी देश आपसी समन्वय के साथ काम करने के लिए तैयार हैं। आज के समय में जितने आतंकवादी संगठन दुनिया के भिन्न-भिन्न देश में सक्रिय हैं, उनमें इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड द लेवेंट (आईएसआईएल) प्रमुख है। इस आतंकवादी संगठन का लक्ष्य पश्चिम एशिया में खलीफा का शासन स्थापित करना है। इस आतंकवादी संगठन की गतिविधियों को लेकर हाल में संयुक्त राष्ट्र की ओर से जारी एक रिपोर्ट से पता चलता है कि आतंकी समूह आईएसआईएल भारत में बड़े हमले को अंजाम देने में असमर्थ रहा, लेकिन उसके हैंडलर एकल हमलावर के जरिए छोटे-मोटे हमलों को अंजाम देने का प्रयास करते रहे। इन हमलों में उन्हें भारत में मौजूद समर्थकों से मदद मिली। आईएसआईएल (दाएश), अल-कायदा, संबंधित व्यक्तियों तथा संस्थाओं के संबंध में विश्लेषणात्मक सहायता एवं प्रतिबंध निगरानी टीम की 35वीं रिपोर्ट के अनुसार, आतंकी समूह व उनके सहयोगी संगठन बाहरी आतंकरोधी दबाव के प्रति लचीले और अनुकूलनशील बने रहे।

संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों ने इन्हें अफगानिस्तान के साथ अन्य देशों के लिए भी बताया खतरनाक

यूएन की विश्लेषणात्मक सहायता एवं प्रतिबंध निगरानी टीम की 35वीं रिपोर्ट में हुआ खुलासा

- किसी बड़े अटैक का कोई भी प्लान जमीन पर उतारने में रहे असमर्थ
- अफगानिस्तान में एक्टिव हैं दो दर्जन से अधिक आतंकी समूह
- इस आतंकवादी ग्रुप के लोगों को जगह-जगह मिलता रहा है समर्थन

यूनाइटेड नेशंस की रिपोर्ट के अनुसार, छोटे-मोटे हमलों के जारी रहे प्रयास

सेरात उल-हक के माध्यम से भारत विरोधी प्रचार

रिपोर्ट में बताया गया है कि दाएश के हैंडलरों ने भारत स्थित समर्थकों के जरिये एकल हमले भड़काने की कोशिश की। दाएश समर्थक अल-जोहर मीडिया अपने प्रकाशन सेरात उल-हक के माध्यम से भारत विरोधी प्रचार कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अफगानिस्तान में दो दर्जन से अधिक आतंकी समूह सक्रिय हैं।

मध्य एशियाई देशों के लिए गंभीर चुनौती

रिपोर्ट के अनुसार, सत्ता तथा वरिष्ठ व मध्यम स्तर के नेतृत्व को गंवाने के बावजूद अफगानिस्तान में आतंकी संगठनों की उपस्थिति उसके साथ-साथ मध्य एशियाई देशों की स्थिरता के लिए बड़ा खतरा और गंभीर चुनौती है। अफगानिस्तान की स्थिति सर्वाधिक चिंताजनक दाएश से अंतरराष्ट्रीय शांति व सुरक्षा को खतरे से संबंधित महासचिव एंटोनियो गुटेरस की 20वीं रिपोर्ट के अनुसार, दाएश से पैदा होने वाले खतरों की गंभीरता चिंताजनक बनी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, दाएश नेतृत्व तथा उसकी वित्तीय गतिविधियों को लक्षित करने में सदस्य देशों व अंतरराष्ट्रीय साझेदारों की लगातार प्रगति के बावजूद आतंकी समूह खुद को परिस्थिति के अनुरूप ढाल रहा है। अफगानिस्तान में स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

दिल्ली-एनसीआर में अचानक आए भूकंप के झटके, कोई जनहानि नहीं

NEW DELHI : सोमवार की सुबह-सुबह देश की राजधानी दिल्ली एनसीआर में जब लोग गहरी नींद में सोए हुए थे, तभी अचानक धरती डोलने लगी। भूकंप के आने का अहसास होते ही लोग उठे और अपने को सुरक्षित करने में लग गए। अपने-अपने घरों से लोग तत्काल बाहर निकल गए। जिन लोगों को जानकारी नहीं हुई, उन्हें भी लोग जानकारी देने लगे। अपने दोस्तों और रिश्तेदारों से हाल-चाल लेने लगे। अब तक किसी जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। भूकंप सुबह 5:36 बजे आया। केंद्र सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत भूकंप के रिकॉर्ड करने वाली संस्था- नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के अनुसार, भूकंप की तीव्रता विक्टर स्केल पर 4.0 मापी गई। भूकंप का केंद्र दिल्ली में बताया जाता है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के की ओर से जानकारी दी गई है कि भूकंप नई दिल्ली में हुआ।

अब तक 53.88 करोड़ श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

तमिल संगमम में काशी आए मेहमानों ने किया पवित्र स्नान

PRAYAGRAJ @ PTI : काशी तमिल संगमम में काशी आए तमिलनाडु के मेहमान सोमवार को महाकुंभ पहुंचे। सभी ने एक साथ संगम में पवित्र स्नान किया। सोमवार महाकुंभ का 36वां दिन था। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, 13 जनवरी से अब तक 53.88 करोड़ श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके हैं। दूसरी ओर सोमवार को दोपहर में प्रयागराज महाकुंभ मेला परिसर में एक बार फिर आग लग गई है। तुरंत सेक्टर-8 में लगी आग पर दमकल कर्मियों ने काबू पा लिया। श्री कपि मानस मंडल और उपभोक्ता संरक्षण समिति के शिविर में आग लगी थी। दोनों शिविर में दो-दो तंबू जले हैं। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रमोद कुमार शर्मा ने बताया- छोटी आग थी। तत्काल उस पर काबू पा लिया गया। किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है।

- महाकुंभ मेला क्षेत्र में फिर लगी आग, तत्परता के साथ तुरंत पा लिया गया काबू

BRIEF NEWS

जमशेदपुर की कई विकास योजनाओं को मिली स्वीकृति

JAMSHEDPUR : उपायुक्त अनन्य मित्तल की अध्यक्षता में सोमवार को जिला योजना चयन समिति की बैठक हुई, जिसमें जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति में वित्तीय वर्ष 2025-26 में 15वें वित्त आयोग, पथ परिवहन एवं नागरिक सुविधा की प्रस्तावित योजनाओं को स्वीकृति दी गई। उपायुक्त के कार्यालय कक्ष में हुई बैठक में 15वें वित्त अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, जल संरक्षण, स्वच्छता से संबंधित 50 सीएनजी वाहन, 4000 डस्टबिन, 2 लाख ई बॉल वाटर ट्रीटमेंट, 4 हजार लीटर फॉगिंग मशीन के लिए प्रयुक्त केमिकल, 4 फॉगिंग मशीन बाइक, 25 ई-रिक्शा कचरा उठाव वाहन, 250 पुराने वाहनों की मरम्मत की योजनाओं सहित फुट ओवर ब्रिज, फ्लाई ओवर, सड़क, पार्क, मल्टी लेवल पार्किंग, वेंडर जोन, विवाह भवन आदि से संबंधित लगभग 16 योजनाओं पर सहमति दी गई। इसके अलावा सड़क व्यवस्था मद से पेवर्स ब्लॉक, सड़क निर्माण, गार्डवाल आदि से संबंधित लगभग 129 तथा नागरिक सुविधा मद से सेटलिंग पॉन्ड, कंपाउंड वाल, डीप बोरिंग, पानी टंकी, चपाकल, नाली निर्माण, सामुदायिक भवन, पार्क निर्माण, स्ट्रीट लाइट, सोलर लाइट आदि से संबंधित लगभग 444 योजनाओं की स्वीकृति दी गई। बैठक में जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय, उपविकास आयुक्त सह एडीएम अनिकेत सचान, अपर उपायुक्त भागीरथ प्रसाद, जेएनएसी उप नगर आयुक्त कृष्णा कुमार, टाटा स्टील तथा विधायक के प्रतिनिधि मौजूद थे।

विहिप, मानगो में नए दायित्व की घोषणा

JAMSHEDPUR : विश्व हिंदू परिषद, मानगो प्रखंड की सोमवार को बैठक हुई, जिसमें मानगो प्रखंड का अध्यक्ष दिलीप श्रीवास्तव और मंत्री राजू रजक को बनाया गया। इनके अलावा सह मंत्री अमरेंद्र प्रताप सिंह, सहसंयोजक गोलु चतुर्वेदी और प्रचार-प्रसार प्रमुख आर्यन तिवारी को बनाया गया। इस मौके पर प्रांत गौरक्षा उपाध्यक्ष अवतार सिंह परमार, विभाग सह मंत्री अरुण सिंह, जिला अध्यक्ष अजय गुप्ता, जिला मंत्री चंद्रिका भगत, जिला बजरंग दल संयोजक चंदन दास, दुर्गा वाहिनी से शोभा पाठक आदि भी उपस्थित थीं।

कांग्रेस कार्यकर्ता का निधन, सांसद ने जताई संवेदना

KHUNTI : सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल खूंटी जिला कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ कार्यकर्ता और फुदी गांव के निवासी अनुज जोजो की सोमवार को इलाज के दौरान रिम्स में मौत हो गई। अनुज जोजो के निधन की खबर मिलते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं में शोक की लहर दौड़ गई। शोक व्यक्त करते हुए सांसद कालीचरण मुंडा ने कहा कि जब भी अनुज जोजो मिलते थे, काफी गर्मजोशी से मिलते थे। उनके निधन से कांग्रेस को काफी क्षति हुई है। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा ने कहा कि अनुज जोजो जैसे कार्यकर्ता बहुत मुश्किल से मिलते हैं। वे काफी मृदुभाषी मिलनसार और शांत स्वभाव के थे और संगठन द्वारा दी गई जिम्मेदारी से कभी भागते नहीं थे।

अधिक से अधिक लोगों को झामुमो से जोड़ें: सुदीप

KHUNTI : तोरपा के विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि किसी भी संगठन को शक्ति उसके कार्यकर्ता से ही मिलती हैं। संगठन से जितने अधिक लोग जुड़ेंगे, वह संगठन उतना ही मजबूत होगा। आप का भी दायित्व है कि अधिक से अधिक लोगों को झामुमो से जोड़ें और इसे मजबूत बनायें। विधायक सोमवार को तोरपा प्रखंड की मरचा पंचायत के तुरीगाड़ा गांव में झामुमो के सदस्यता अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। सदस्यता अभियान के दौरान कई लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। मौके पर विधायक ने कहा कि आप लोगों के आशीर्वाद से मैं विधायक बना हूं और अपकी हर समस्या के समाधान का प्रयास करूंगा। उन्होंने कहा कि आपके भरोस पर खरा उतरने का मैं हर संभव प्रयास करूंगा।

प्रशासन ने अफीम की खेती को किया नष्ट

KHUNTI : उपायुक्त लोकेश मिश्रा के निदेर्शानुसार सोमवार को खूंटी के जमडी, अड़की के बगडी समेत अन्य प्रखंड में जिला प्रशासन द्वारा अभियान चलाकर अवैध अफीम की खेती को नष्ट किया गया। इस अभियान के दौरान ट्रैक्टर और अन्य संसाधनों की मदद से बड़ी मात्रा में अवैध फसल नष्ट की गई। इस कार्रवाई में प्रतिनियुक्त पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

चतरा में 28 एकड़ में लगी अफीम की फसल की गई नष्ट

CHATRA : चतरा जिला की पुलिस ने सोमवार को 28 एकड़ 20 डिसमिल में लगी अफीम की फसल को नष्ट किया। इसमें लावालौंग थाना अंतर्गत ग्राम दीपूटाड में करीब 25 एकड़, कुंदा थाना अंतर्गत ग्राम अनगड़ा में करीब 1.5 एकड़, वशिष्ठनगर थाना अंतर्गत ग्राम बंधुडीह मे करीब 20 डिसमिल, सदर थाना अंतर्गत ग्राम कदले में करीब 1.5 एक-ड़ में अफीम की फसल लगी थी। उधर, वन विभाग मनातू व मनातू थाना की पुलिस ने सोमवार को संयुक्त रूप से 18 एकड़ में लगी अफीम की फसल को नष्ट कर दिया। इसके तहत ग्राम आप्ति के जंगल में उगाई गई लगभग 12 एकड़ और पांकी थाना क्षेत्र अंतर्गत राणादाह व बगडेगवा में 6 एकड़ में लगी अवैध अफीम-पोस्ता की खेती को नष्ट किया गया। पुलिस प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि अवैध नशीली फसल की खेती करने से बचें, अन्यथा सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यदि इस प्रकार के अवैध कार्यों की कोई सूचना मिले, तो तुरंत स्थानीय प्रशासन को सूचित करें, ताकि समय रहते उचित कदम उठाए जा सकें।

दुष्कर्मी-हत्यारे की गिरफ्तारी के लिए सात घंटे तक हाईवे रहा जाम

पुलिस-प्रशासन के पदाधिकारियों पर भी हुआ पथराव, ससुराल से दबोचा गया आरोपी

PHOTON NEWS JAMTARA : नाला के डाबर गांव की दस वर्ष की मासूम शनिवार से ही लापता थी। रविवार शाम को बच्ची का शव गांव के पास पलाश के जंगल में बरामद हुआ था। घटना के बाद से ही ग्रामीण बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका जता रहे थे। पोस्टमार्टम के बाद शव हाईवे पर रखकर ग्रामीण न्याय की मांग को हाईवे पर इकट्ठे हो गए। इस दौरान तकरीबन सात घंटे तक हाईवे जाम रहा। ग्रामीण लगातार हत्यारे को स्पीडी ट्रायल के जरिए फांसी की सजा दिलवाने की मांग पर अड़े रहे।

घटनास्थल पर शव के साथ प्रदर्शन करते लोग ● फोटोन न्यूज

घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने पोस्टमार्टम के बाद शव नाला के बीच चौराहे पर रखकर हाईवे जाम कर दिया। इस दौरान पूरे बाजार की दुकानें की बंद रहीं और उपद्रव पर उतारू ग्रामीणों को शांत करवाने के लिए जिलेभर के साथ थानों की पुलिस उतारनी पड़ी। इस दौरान दुमका-आसनसोल हाईवे पर दोनों ओर गाड़ियों की लंबी कतारें लगी रहीं। दोपहर के वक्त जब आरोपी की गिरफ्तारी की सूचना जिले से पहुंचे एसडीओ अनंत कुमार व एसडीपीओ विकास आनंद लागुरी ने बच्ची के स्वजनों व ग्रामीणों को दी, तब जाकर हाईवे से जाम हटाया गया।

आरोपी माणिक बाउरी को नाला थाना की पुलिस ने उसकी ससुराल से सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी वारदात को अंजाम देने के बाद फतेहपुर स्थित अपनी ससुराल केंदुआ टांड़ गांव में जा छिपा था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए सुबह ही नाला एसडीपीओ मनोज कुमार महतो, पुलिस निरीक्षक राजीव कुमार सिंह, थाना प्रभारी प्रदीप राना समेत अन्य पुलिसकर्मी आक्रोशित लोगों को समझाने पहुंचे। लेकिन ग्रामीण व परिजन मानने को तैयार नहीं थे। कुछ देर के लिए ग्रामीण पुलिस प्रशासन के साथ भिड़ गए और पथराव शुरू कर दिया। इससे एसडीपीओ मनोज कुमार महतो एवं पुलिस कर्मियों को चोट भी आई।

बाद में अनुमंडल पदाधिकारी अनंत कुमार, एसडीपीओ जामताड़ा विकास आनंद लागुरी, सदर डीएसपी संजय कुमार सिंह, नाला एसडीपीओ मनोज कुमार महतो पुलिस बल के साथ पहुंचे।

काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों को समझने-बुझाने पर परिजनों एवं ग्रामीणों ने शव को सड़क से हटाया। एसडीपीओ मनोज कुमार महतो एवं एसडीओ अनंत कुमार ने बताया कि आरोपी को फतेहपुर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है। इस दौरान जामताड़ा थाना प्रभारी राजेश मंडल, पुलिस निरीक्षक राजीव कुमार सिंह, कुंडहित थाना प्रभारी विनय कुमार यादव, बिंदापाथर थाना प्रभारी बालाजी राजहंस, नाला थाना प्रभारी प्रदीप राना, सर्जेंट किशोर, सीओ कयूम अंसारी समेत काफी संख्या के जवान मौके पर मौजूद रहे।

आरोपी को दी जाएगी सख्त से सख्त सजा

मौके पर पहुंचे अनुमंडल पदाधिकारी अनंत कुमार ने बताया कि इस घटना की सूचना पाकर जिले के तमाम पुलिस पदाधिकारी के साथ नाला थाना पहुंचे हैं। यहां घटना से संबंधित आवश्यक कागजात का अवलोकन किया गया है। परिजनों एवं ग्रामीणों को बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। कानूनी तौर पर आरोपी को सख्त से सख्त सजा दिलाने के लिए प्रशासन की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। सीओ को पारिवारिक योजना के तहत लाभ देने का निर्देश दिए गया है।

युवक को हाथ व पेट में लगी गोली एमआरएमसीएच में चल रहा इलाज

सतबहिनी से लौटते समय रात 10 बजे रास्ते में मारी गोली

AGENCY PALAMU : पलामू जिले के मनातू थाना क्षेत्र के बंसीखुर्द निवासी शाहिद अहमद का पुत्र जावेद खान (उम्र45) को रविवार रात अज्ञात बदमाशों ने गोली मार दी। गोली पेट के दाहिने साइड में लगी। दाहिना हाथ भी जख्मी है। गंभीर स्थिति में उसे इलाज के लिए एमआरएमसीएच में भर्ती किया गया है। सूचना मिलने पर मनातू थाना पुलिस कार्रवाई में जुटी हुई है। घटना का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। इस संबंध में जावेद एवं उसके भाई तौहिद खान का सोमवार दोपहर 1 बजे एमआरएमसीएच में बयान लिया गया। बताया गया है कि जावेद खान अपने घर बंसीखुर्द से एक किलोमीटर दूर सतबहिनी में भंडार पर गया था। वहां से रात 10 बजे बाइक से घर के लिए निकला। भंडार से 200 मीटर आगे जाने पर आहर के पास अरहर की खेत की ओर से गोली चली और उसके हाथ और पेट के दाहिने हिस्से में लगी। जख्मी के अनुसार गोली किसने चलाई यह देख नहीं पाया। जख्मी ने किसी से दुश्मनी से इनकार किया है। कहा कि खेतीबारी कर जीविकोपार्जन करता है।

अस्पताल में इलाजरत घायल ● फोटोन न्यूज

गोली की आवाज सुनकर उसका भाई तौहीद मौके पर पहुंचा और जावेद को बोलोरो गाड़ी से रात में ही इलाज के लिए लेकर एमआरएमसीएच में पहुंच गया। यहां एक्स-रे रिपोर्ट के अनुसार गोली शरीर में नहीं पाया गया। गोली लगने के बाद निकल जाने की जानकारी दी गई है।

एमआरएमसीएच पुलिस चौकी में कार्यरत सुनीता तिव समेत जांच में शामिल पुलिसकर्मियों का कहना है कि जावेद और उसके भाई तौहीद का बयान अलग-अलग है। मामला संदेहास्पद लगता है। घटना के चार घंटे बाद जख्मी को इलाज के लिए लेकर लोग पहुंचे थे। बयान लेकर पूरी जानकारी मनातू पुलिस को दी गई है। जांच-पड़ताल के बाद मामले को स्पष्ट किया जाएगा।

डीएमएफटी की बैठक में लिए गए कई निर्णय

विश्वविद्यालय परिसर में बैठक का उद्घाटन करते मंत्री दीपक बिरूवा

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत चाईबासा में कोल्हान विश्वविद्यालय परिसर स्थित ऑडिटोरियम में डीएमएफटी न्यासी समिति की बैठक हुई। इसमें राज्य के मंत्री दीपक बिरुवा, सांसद जोबा मांझी, उपायुक्त सह अध्यक्ष, डीएमएफटी पश्चिमी सिंहभूम कुलदीप चौधरी, विधायक (मझगांव) निरल पूर्ति, (चक्रधरपुर) सुखराम उरांव व (मनोहरपुर) जगत माझी भी उपस्थित थे। बैठक में पर्यावरण संरक्षण, अवैध खनन पर पूर्णता लगाम लगाने के लिए ड्रोन बेस्ड सर्वे टेक्नोलॉजी का प्रयोग, प्रदूषण मापने के लिए सूचकांकों का प्रयोग, दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में वाइल्डलाइफ मॉनिटरिंग सिस्टम, घने जंगलों में जान-माल की सुरक्षा के लिए हाई मास्ट लाइट संबंधी प्रस्ताव भी रखे गए।

बायो-मेडिकल वेस्ट के निष्पादन पर ध्यान दें चिकित्सक : डीडीसी

बैठक को संबोधित करते डीडीसी श्याम नारायण राम ● फोटोन न्यूज

KHUNTI : उपायुक्त लोकेश मिश्रा के निर्देश पर उप विकास आयुक्त श्याम नारायण राम की अध्यक्षता में सोमवार को स्वास्थ्य विभाग के तहत संचालित कार्यों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित हुई। इस दौरान जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में मरीजों के लिए उपलब्ध चिकित्सकीय सुविधाएं, चिकित्सकों की अस्पतालों में उपस्थिति, अस्पतालों की साफ-सफाई, लाभुकों को आयुष्मान कार्ड का लाभ सहित अन्य विषयों की समीक्षा की गई। इसके साथ ही चिकित्सकों सहित संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। उप विकास आयुक्त द्वारा सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को चिकित्सकों का नया रोस्टर सूचना पट्ट पर दशार्ने का निर्देश दिया गया। जिला सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में बायो मेडिकल वेस्ट का यथोचित निष्पादन करने का निर्देश दिया गया।

आसनसोल की महिला ने एसएसपी से लगाई गुहार

JAMSHEDPUR : आसनसोल के हीरापुर निवासी राधा वैद्य ने सोमवार को एसएसपी से गुहार लगाई कि उसके पति को छोड़ दिया जाए। महिला ने बताया कि उसके पति राणा वैद्य को एक फरवरी को परसुडीह थाना की पुलिस टाटानगर स्टेशन के पास से पकड़ कर ले गई थी। वे यहां मजदूरी करते हैं। उन्होंने कभी कोई आपराधिक कृत्य नहीं किया। जब थाना में पूछती हूं कि पति पर क्या आरोप है, तो जवाब मिलता है कि पूछताछ चल रही है, छोड़ दिया जाएगा। महिला ने कहा कि मेरे दो छोटे बच्चे हैं, उनका भरण-पोषण कैसे होगा।

पांकी के विधायक ने अफीम की खेती में बेगुनाहों को फंसाने का लगाया आरोप

AGENCY PALAMU : पलामू जिले के मनातू और पांकी के सुदूरवर्ती जंगली क्षेत्रों में अफीम (पोस्ता) की खेती धड़ल्ले से की जा रही है। पांकी विधायक कुशवाहा डॉ. शशिभूषण मेहता ने आरोप लगाया है कि इस अवैध खेती को थाना, वन विभाग और स्थानीय जनप्रतिनिधियों का संरक्षण प्राप्त है। उन्होंने कहा कि कार्रवाई के नाम पर निर्दोष लोगों को फंसाया जा रहा है। विधायक ने सोमवार को सर्किट हाउस में पत्रकारों को संबोधित करते हुए बताया कि मनातू थाना क्षेत्र में दर्ज 18 मामलों में से 17 बेगुनाह हैं। इनमें कई मजदूरी करने वाले लोग हैं, जिन्हें पुलिस के बिचौलियों द्वारा झूठे मामलों में फंसा दिया गया। विधायक ने कहा कि पोस्ता की खेती के लिए वन विभाग के लोग वसूली करते हैं। फसल लगाने समय 10 हजार रुपए लिए जाते हैं। तैयार होने के बाद पुनः नाजायज राशि ली जाती है। थाना में प्रभारी के अलावा कनीय पुलिस पदाधिकारी, चौकीदार, बिचौलिए पोस्ता की खेती में संरक्षण देते हैं। कार्रवाई के नाम पर खानापूर्ति की जाती है। यूटयूबर एवं पत्रकार और उनके रिश्तेदार भी खेती में लगे हुए हैं। पारा शिक्षक हाजिरी बनाकर खेती में लग जाते हैं। जनवितरण प्रणाली के डीलर खेती करते हैं। पूर्व जिला पार्षद, मुखिया, वर्तमान प्रतिनिधि, इसको संरक्षण देते हैं। पांकी विधानसभा क्षेत्र को नशे की खेती में पूरी तरह से डुबो देने की साजिश रची जा रही है। विधायक ने कहा कि कई बार जिला प्रशासन से थाना और पिकेट में लंबे समय से कार्यरत पुलिसकर्मियों को बदलने का आग्रह किया गया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होने पर मामले को सार्वजनिक करना पड़ा। विधायक ने कहा कि पूरे विधानसभा क्षेत्र में 50 से 60 लोग इस खेती को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से करने में शामिल हैं।

परिसदन में पत्रकारों को संबोधित करते विधायक कुशवाहा डॉ. शशिभूषण मेहता

ग्रामीण इलाके में 30 और शहरी इलाके में 50 बेड से ज्यादा वाले अस्पताल को ही मान्यता

धनबाद के बंद हो जाएंगे 20 अस्पताल

PHOTON NEWS DHANBAD : आयुष्मान भारत में नए नियमों को शामिल किए जाने पर धनबाद में सूचीबद्ध लगभग 20 अस्पताल बंद हो जाएंगे। नये नियमों के तहत ग्रामीण इलाके में 30 बेड और शहरी इलाके में 50 बेड से ऊपर वाले अस्पताल को ही आयुष्मान भारत मान्यता मिलेगी। अब ऐसे अस्पतालों में खलबली मच गई है, जिन अस्पतालों के पास बेड की संख्या कम है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग की ओर से ऐसे अस्पतालों को 6 महीने की मोहलत दी जाएगी। इस 6 महीने में इन अस्पतालों के क्लीनिक एस्टेब्लिशमेंट एक्ट की जांच भी की जाएगी। इन अस्पतालों में यदि बेड की संख्या नहीं बढ़ाई गई, तो इसे बंद कर दिया जाएगा। मुख्यालय रांची के आदेश के बाद धनबाद में इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। आयुष्मान भारत के तहत धनबाद में 40 निजी और सरकारी अस्पताल सूचीबद्ध हैं।

दो कमरों का अस्पताल, फिर भी क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट का लाइसेंस

धनबाद में क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट का पालन नहीं हो रहा है। ग्रामीण इलाकों में कई जगहों पर दो कमरों में निजी अस्पताल चल रहे हैं। पिछले दिनों धनबाद में निरीक्षण करने आई राज्य स्तरीय टीम ने ऐसे कई अस्पताल को पकड़ा था। द क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट-2010 के तहत अभी 270 से ज्यादा निजी अस्पताल सूचीबद्ध हैं। इन्हीं निजी अस्पतालों में से स्वास्थ्य विभाग चयन करके आयुष्मान भारत के तहत अस्पताल को सूचीबद्ध करता है।

डॉक्टर और कर्मचारियों की ली जाएगी जानकारी

आयुष्मान भारत के तहत सूचीबद्ध अस्पतालों में डॉक्टर और कर्मचारियों की जानकारी ली जाएगी। यहां पर होने वाले इलाज से संबंधित सेवा की जानकारी ली जाएगी। डॉक्टरों की योग्यता कर्मचारियों की योग्यता से संबंधित कागजात लिए जाएंगे। इसकी रिपोर्ट मुख्यालय रांची को भेजी जाएगी। बताया जाता है कि कई अस्पतालों में एक ही डॉक्टर राउंड पर रहते हैं। इसकी जानकारी मरीज को नहीं हो पाती है।

> आयुष्मान भारत से सूचीबद्ध अस्पतालों का निरीक्षण किया जाएगा। जहां बेड की संख्या कम है, उसे बढ़ाने के लिए मोहलत दी जाएगी। नियम-कानून के विरुद्ध चलने वाले पर कार्रवाई की जाएगी।
>
> – डॉ. सर्वजीत सिंह
> नोडल पदाधिकारी
> आयुष्मान भारत, धनबाद

सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन का हुआ वितरण

समाहरणालय सभागार में उपस्थित कस्तूरबा की छात्राएं ● फोटोन न्यूज

HAZARIBAG : मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता के लिए उपायुक्त नैन्सी सहाय के निर्देशानुसार जिला समाज कल्याण विभाग ने सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन वितरण समारोह का आयोजन किया। समाहरणालय सभागार में सोमवार को बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की बालिकाओं के बीच सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन का वितरण उपविकास आयुक्त इश्तियाक अहमद, डीआरडीए निदेशक मां देव प्रिया, डीपीओ पंकज तिवारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी शिप्रा सिन्हा व सामाजिक सुरक्षा की सहायक निदेशक निवेदिता राय ने संयुक्त रूप से किया। डीडीसी ने बताया कि सभी मशीनों में पहले से ही 100 सैनिटरी नैपकिन डाले हुए हैं। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि उपायुक्त के निदेर्शानुसार 11 सैनिटरी नैपकिन वेडिंग मशीन का वितरण किया गया है। सभी मशीनों में 100 नैपकिन रखने की क्षमता है। कार्यक्रम में आवासीय विद्यालय की एक बच्ची ने उपस्थित सभी पदाधिकारियों, कर्मियों, बालिकाओं व सभी वार्डन को बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के संबंध में शपथ दिलाई।

BRIEF NEWS

विभाग नहीं देने की मांग वाली याचिका पर बहस पूरी

RANCHI : ईडी की ओर से रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉनड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में दाखिल उस याचिका पर अब 21 फरवरी को सुनवाई होगी। जिसमें एजेंसी ने कोर्ट से यह आग्रह किया है कि पूजा सिंघल को कोई विभाग ना दिया जाए। सोमवार को ईडी और पूजा सिंघल की ओर से बहस पूरी कर ली गई, जिसके बाद कोर्ट ने अग्रिम सुनवाई के लिए 21 फरवरी की तिथि निर्धारित की है। दरअसल ईडी ने कोर्ट में याचिका दाखिल कर यह कहा है कि अगर पूजा सिंघल को राज्य सरकार किसी विभाग की जिम्मेदारी देती है तो वह अपने पद का दुरुपयोग कर केस को प्रभावित कर सकती हैं। बता दें कि मनरेगा घोटाला की अभियुक्त आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल को केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने 11 मई को गिरफ्तार किया था। ईडी ने पांच मई 2022 को पूजा सिंघल के 25 ठिकानों पर छापेमारी की थी।

एचईसी की जमीन पर बढ़ता जा रहा अतिक्रमण

RANCHI : रांची के हैवी इंजीनियरिंग कॉपोरेशन लिमिटेड (एचईसी) की जमीन पर अतिक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है, लेकिन प्रबंधन बेबस नजर आ रहा है। धुर्वा इलाके में लोग खाली जमीन पर लोहे की गुमटी, प्लास्टिक के तिरपाल और बांस की बाड़ लगाकर कब्जा कर रहे हैं। अवैध निर्माण का यह खेल रात के अंधेरे में तेजी से हो रहा है। पिछले डेढ़ साल में जगन्नाथ मैदान, एचईसी अस्पताल के आसपास, सेक्टर-2 मार्केट, सेक्टर-3, पंचमुखी मंदिर, धुर्वा बस स्टैंड, जेपी मार्केट, डैम साइड और एचईसी के आवासीय परिसर की खाली जमीन पर अवैध निर्माण में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। हालांकि एचइसी आवासीय क्षेत्र में अवैध निर्माण की शिकायतें प्रबंधन के पास लगातार मिलती रहती हैं, लेकिन मैन पावर की कमी और निगम खराब आर्थिक स्थिति के चलते प्रबंधन कोई कार्रवाई नहीं कर पा रहा है।

छात्रों की मौत के मामले की सीबीआई जांच अधूरी

RANCHI : रांची के दो स्कूली के छात्रों के मौत मामले की सीबीआई जांच अबतक पूरी नहीं हो पाई हैं। उल्लेखनीय है कि सफायर इंटरनेशनल स्कूल के छात्र विनय महतो की हत्या और डीपीएस के छात्र अंतरिक्ष के मौत मामले की सीबीआई जांच अबतक पूरी नहीं हो पाई है। एक तरफ सीबीआई ने विनय महतो हत्याकांड में शामिल लोगों की जानकारी देने वाले लोगों को सीबीआई ने पांच लाख रुपया इनाम देने की घोषणा भी कर रखी है। तो वहीं दूसरी तरह डीपीएस के छात्र अंतरिक्ष की हत्या हुई थी या उसकी सड़क दुर्घटना में मौत हुई थी। अबतक इसका कोई पता नहीं चल पाया है। रांची के अरगोड़ा चौक के पास 25 जुलाई 2016 को डीपीएस के छात्र अंतरिक्ष शनिग्रही की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई थी।

एक साथ शुरू किए जाएंगे 44 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय : बाबूलाल

RANCHI : बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि झारखंड में जल्द ही 44 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय शुरू किए जाएंगे। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने झारखंड में आदिवासी बच्चों की शिक्षा और सशक्तिकरण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। झारखंड में एक साथ 44 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) शुरू किए जा रहे हैं, जिससे आदिवासी छात्रों को नि:शुल्क और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी। ये विद्यालय आधुनिक सुविधाओं और सुरक्षित वातावरण के साथ छात्रों के समग्र विकास में सहायक होंगे।

ट्रैफिक डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस ने अभियान चलाकर की कार्रवाई, ले गई बरियातू थाना

रिम्स प्रबंधन ने दिखाई सख्ती, कैंपस में मौजूद 40 प्राइवेट एंबुलेंस को किया गया व्हील लॉक

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य के सबसे बड़े हॉस्पिटल रिम्स में व्यवस्था सुधारने को लेकर प्रबंधन सख्त हो गया है। सोमवार को प्रबंधन एक्शन मोड में नजर आया। कैंपस में लगने वाले प्राइवेट एंबुलेंस वालों को बाहर का रास्ता दिखाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई। ट्रैफिक डीएसपी के नेतृत्व में 40 प्राइवेट एंबुलेंस को व्हील लॉक कर दिया गया है। उसमें से कई एंबुलेंस को जब्त कर बरियातू थाने ले जाया गया है। हालांकि एस एक्शन से एंबुलेंस संचालकों में आक्रोश है। उनका कहना है कि प्रबंधन ने उन्हें कोई सूचना नहीं दी। सोमवार को अचानक से कार्रवाई शुरू कर दी गई। बता दें कि 'द फोटोन न्यूज' ने 7 फरवरी के अपने अंक में 'रिम्स से प्राइवेट एंबुलेंस वालों को जल्द दिखाया जाएगा बाहर का रास्ता' शीर्षक से खबर को प्रकाशित किया था।

72 घंटे में मांगी थी डिटेल

सैंकड़ों प्राइवेट एंबुलेंस वालों पर कार्रवाई की तैयारी है। बता दें कि पिछले दिनों अस्पताल प्रबंधन ने प्राइवेट एंबुलेंस संचालकों को नोटिस जारी कर 72 घंटे में पूरी डिटेल जमा करने का आदेश दिया था। लेकिन, दो हफ्ते का समय बीत जाने के बाद भी किसी भी प्राइवेट एंबुलेंस वाले ने प्रबंधन को जानकारी उपलब्ध नहीं कराई है। नोटिस के तहत एंबुलेंस का पूर्ण विवरण निबंधन संख्या साक्ष्य सहित, एम्बुलेंस का मॉडल नाम, मालिक का नाम, चालक का नाम, लाइसेंस और मोबाइल नंबर अपर चिकित्सा अधीक्षक रिम्स रांची के कार्यालय में जमा करने का निर्देश दिया गया था। इसके बाद भी किसी संचालक ने प्रबंधन को सूचना देना भी उचित नहीं समझा।

प्राइवेट संचालकों से मांगी गई थी जानकारी, नहीं किया गया आदेश का पालन
रिम्स से प्राइवेट एंबुलेंस वालों को जल्द दिखाया जाएगा बाहर का रास्ता
अस्पताल प्रबंधन ने दिखाई सख्ती, कार्रवाई का निर्देश
हॉस्पिटल कर्मियों के भी चल रहे हैं कई प्राइवेट एंबुलेंस
खुद को बताते हैं सांसद या विधायक के प्रतिनिधि
विभिन्न 90 प्रतिनिधियों ने दी जानकारी

7 फरवरी के अंक में 'द फोटोन न्यूज' ने इस विषय को प्रमुखता से किया था प्रकाशित

प्राइवेट एंबुलेंस चालकों ने भेदभाव का लगाया आरोप

रिम्स स्टाफ भी चलवा रहे एंबुलेंस

हॉस्पिटल कैंपस में सैंकड़ों प्राइवेट एंबुलेंस का जमावड़ा हर दिन लगा रहता है। सुबह से लेकर रात तक यह एंबुलेंस वाले मरीजों को लाने ले जाने का काम करते हैं। इनकी मनमानी से मरीज भी परेशान है। वहीं हॉस्पिटल कैंपस को पार्किंग बना दिए जाने से ये लोग प्रबंधन के लिए सर दर्द बने हुए हैं। इन प्राइवेट एंबुलेंस में कई एंबुलेंस ऐसे हैं, जो रिम्स में काम करने वाले कर्मियों और उनके परिजनों के नाम पर हैं। हॉस्पिटल कैंपस में प्राइवेट एंबुलेंस पर कार्रवाई के बाद संचालकों ने कहा कि प्रबंधन उनके साथ भेदभाव कर रहा है। हमलोग डेली कमाने खाने वाले लोग हैं। लेकिन, प्रबंधन को हम लोगों से ही परेशानी है। हॉस्पिटल में कोई घटना हो जाए तो प्राइवेंट एंबुलेंस वालों से पूछताछ होती है। हॉस्पिटल के फोर्थ ग्रेड स्टाफ ही मरीजों के साथ ज्यादा पैसे में एंबुलेंस की डील करते है। हमें कम पैसे देते हैं और बदनामी भी हमारी होती है।

रिम्स की डिस्पेंसरी में मात्र 18 दवाएं, निराश होकर लौट रहे मरीज, ओपीडी में आने वाले रोगियों को फ्री में दी जाती है मेडिसिन

VIVEK SHARMA @ RANCHI : राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त करने के दावे मंत्री से लेकर अधिकारी कर रहे है। लेकिन, राज्य के सबसे बड़े सरकारी हॉस्पिटल रिम्स की व्यवस्था नहीं सुधार पा रहे है। सबसे ज्यादा मरीज इलाज के लिए इस हॉस्पिटल में आते हैं। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि रिम्स की डिस्पेंसरी में मात्र 18 दवाएं ही उपलब्ध है। जबकि सदर की डिस्पेंसरी में इससे चार गुना अधिक दवाइयां अवेलेवल है। बता दें कि डिस्पेंसरी से दवाएं ओपीडी के मरीजों फ्री में दी जाती है।

नहीं है डिस्प्ले बोर्ड

रिम्स में पुरानी इमरजेंसी के सामने ही डिस्पेंसरी दवा वितरण केंद्र के नाम से चल रही है। यहां पर पहले बोर्ड और लिस्ट भी लगी थी। लेकिन अब वहां पर न तो बोर्ड लगा है और न ही दवा की लिस्ट। जिससे मरीजों को पता नहीं चल पाता कि यहां पर दवाएं बिना किसी चार्ज के उपलब्ध कराई जाती है। वहीं इसके प्रचार प्रसार को लेकर प्रबंधन भी गंभीर नहीं है। शायद यहीं वजह है कि डिस्पेंसरी में 18 दवाएं ही दी जा रही है।

सदर की डिस्पेंसरी से 78 दवाओं का किया जा रहा वितरण

सिरप और टैबलेट्स उपलब्ध

सदर हॉस्पिटल में लगातार सुविधाएं बढ़ाई जा रही है। दवाओं का स्टॉक भी बढ़ रहा है। डिस्पेंसरी में फिलहाल 78 दवाओं का स्टॉक है। जिसमें एंटीबायोटिक से लेकर गैस की मामूली दवाएं भी है। इसके अलावा सिरप और टैबलेट्स की भरमार है। डॉक्टर भी वहीं दवाएं मरीजों को लिख रहे है जो डिस्पेंसरी में उपलब्ध है। इससे मरीजों की जेब पर बोझ नहीं पड़ रहा है। सदर में ओपीडी में हर दिन 1200 से अधिक मरीज आ रहे है। वहीं इमरजेंसी में भी सैंकड़ों मरीज इलाज को पहुंच रहे है। सदर हॉस्पिटल में भी सुविधाएं बढ़ रही हैं। वहां मरीजों की संख्या में भी बड़ा इजाफा हो रहा है। ओपीडी और इनडोर मिलाकर 1700 मरीज हर दिन पहुंच रहे हैं। सदर का सालाना बजट भी करोड़ों में नहीं है। इसके बावजूद वहां मरीजों को मुफ्त दवाएं डिस्पेंसरी में दी जा रही हैं।

हर दिन आते हैं 2500 मरीज

बता दें कि रिम्स के ओपीडी में हर दिन 2000 से अधिक मरीज आते है। इसके अलावा इमरजेंसी में भी 500 के करीब मरीज हर दिन इलाज के लिए पहुंचते है। ऐसे में डिस्पेंसरी में मात्र 18 दवाएं मरीजों के साथ नाइंसाफी है। जबकि हॉस्पिटल का सालाना बजट 800 करोड़ का है। इसके अलावा भी हॉस्पिटल को सरकार की ओर से मदद मिलती है।

भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता ने सीएम हेमंत सोरेन की नीतियों पर उठाए सवाल

बुनियादी जरूरतों पर ध्यान दे सरकार : राफिया

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में चल रहे स्काईडाइविंग फेस्टिवल-2025 पर भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज ने राज्य सरकार की नीतियों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने महंगे पर्यटन आयोजनों को आम जनता की पहुंच से बाहर बताते हुए राज्य सरकार से अपील की कि वह जनता की बुनियादी जरूरतों पर ध्यान केंद्रित करे। उन्होंने कहा कि स्काईडाइविंग जैसी महंगी गतिविधियां, जो प्रति व्यक्ति 28,000 की लागत में आयोजित होती हैं। यह आम आदमी के लिए सुलभ नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इन आयोजनों के जरिए केवल पर्यटन को बढ़ावा देने का दावा कर रही है, जबकि यह आयोजन सिर्फ समाज के एक विशेष वर्ग के लिए उपलब्ध हैं। इससे साफ है कि राज्य सरकार की प्राथमिकताएं पूरी तरह से उलट हैं और यह आयोजन गरीब और मंझले वर्ग के लिए दूर का सपना है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम पर करोड़ों रुपये खर्च

प्रवक्ता ने यह भी कहा कि राज्य सरकार महंगे पर्यटन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर करोड़ों रुपये खर्च करती है। इसके बाद दावा करती है कि बजट की कमी के कारण विकास कार्य और जनता की जरूरतें पूरी नहीं हो पा रही हैं। उन्होंने पिछले साल हुए महंगे आयोजनों की ओर इशारा करते हुए कहा कि ऑडिट में कई गड़बड़ियां सामने आई थीं, लेकिन सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। राफिया नाज ने राज्य सरकार को महंगे पर्यटन आयोजनों के बजाय स्कूलों में बच्चों के लिए बुनियादी सुविधाएं, विधवा महिलाओं के लिए पेंशन योजनाएं और सरकारी कर्मचारियों की लंबित तनख्वाह का शीघ्र भुगतान करने की सलाह दी।

जेईई मेंस में एस्कॉट इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

RANCHI : जेईई मेंस का परिणाम जारी हो चुका है। इसमें एस्कॉट इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए परचम लहराया है। स्कूल के बारहवीं के छात्र अभिग्य कुमार ने 99.66 परसेंटाइल अंक प्राप्त करते हुए विद्यालय में पहले स्थान पर रहे। वहीं बारहवीं के छात्र शौम्य गर्ग 99.60 परसेंटाइल अंक के साथ दूसरे स्थान और अनन्या झा 96.83 परसेंटाइल अंक लाकर तीसरे स्थान पर रही। साथ ही अनन्या झा को भौतिकी में 99.50 परसेंटाईल अंक प्राप्त हुआ है। छात्रों के शानदार प्रदर्शन पर स्कूल परिवार ने खुशी जताई है। वहीं भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी है।

जीवन में संकट आने पर धैर्य और शांति बनाए रखें : इंद्रेश जी उपाध्याय

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के टाटीसिलवे स्थित ईईएफ मैदान में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन कथा व्यास पूज्य इंद्रेश जी उपाध्याय ने कई दिव्य प्रसंगों का वर्णन किया। विशेष रूप से द्रौपदी की क्षमा, ठाकुर जी की कृपा और कुंती के भक्ति भाव पर विस्तृत चर्चा की गई। इंद्रेश जी ने बताया कि कैसे द्रौपदी ने अपने पांच पुत्रों के वध के बाद भी अश्वथामा को क्षमा कर दिया, जिससे ठाकुर जी प्रसन्न हुए और उन्हें ह्यकृष्णमह्न नाम दिया। जीवन की कठिन परिस्थितियों को समझाते हुए उन्होंने गहरे पानी में डूबने का उदाहरण दिया और कहा कि जीवन में संकट आने पर धैर्य और शांतिपूर्वक रहना चाहिए। भगवान हमेशा अपने भक्तों की देखरेख करते हैं। कथा के दौरान कुंती के भक्ति भाव का भी उल्लेख किया गया, जब ठाकुर जी ने उन्हें आश्वस्त किया कि वे जहां भी उनका स्मरण करेंगी तुरंत वहां पहुंच जाएंगे।

रांची और हटिया रेलवे स्टेशन पर अव्यवस्था को लेकर जाहिर की अपनी नाराजगी

हेल्थ मिनिस्टर डॉ. इरफान अंसारी ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का मांगा इस्तीफा

PHOTON NEWS RANCHI : दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ की घटना के एक दिन बाद ही झारखंड के रांची और हटिया रेलवे स्टेशन पर भारी अव्यवस्था देखने को मिल रही है। इस अव्यवस्था के कारण कई महिला यात्री बेहोश हो गईं और दर्जनों यात्रियों की ट्रेन छूट गई। यह घटना रेल मंत्रालय की कार्यप्रणाली की असफलता को उजागर करती है। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने इसे रेल मंत्रालय की पूरी विफलता माना है।

निर्लज्ज हो गई है वर्तमान केंद्र सरकार : इरफान ने इस मुद्दे को गंभीर बताते हुए कहा कि यदि रेल मंत्रालय सही तरीके से अपनी जिम्मेदारियों को निभाता, तो ऐसी घटनाएं नहीं होतीं। इसी संदर्भ में उन्होंने रेल मंत्री से इस्तीफा देने की मांग की हैं। उनका कहना है कि यदि लाल बहादुर शास्त्री जैसे नेताओं ने अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए रेल दुर्घटनाओं पर इस्तीफा दिया था, तो आज की सरकार में जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। वर्तमान सरकार निर्लज्ज हो गई है। मोदी सरकार में दर्जनों ट्रेन दुर्घटनाएं हुईं, लेकिन इन लोगों के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को भी इस मामले में हस्तक्षेप करने की जरूरत है।

24 फरवरी से हो रहा शुरू, 27 मार्च तक चलेगा, 23 को बनेगी रणनीति

झारखंड विधानसभा के बजट सत्र को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष कर रहे तैयारी, हंगामेदार रहने के आसार

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड विधानसभा का बजट सत्र हंगामेदार होने के आसार हैं। 24 फरवरी से शुरू हो रहे इस बजट सत्र को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष आमने सामने हैं। दोनों ही अपनी-अपनी रणनीति तैयार करने में जुटे हैं। 27 मार्च तक चलने वाले बजट सत्र को लेकर विपक्ष ने सरकार को घेरने की रणनीति बनाई है। जिसपर 23 फरवरी को होने वाली बैठक में मुहर लगेगी। इधर सत्तारूढ़ कांग्रेस ने भी अपने विधायक दल की बैठक 23 फरवरी को बुलाई है। इसके बाद सत्ताधारी दल जेएमएम, कांग्रेस और राजद की संयुक्त बैठक होगी। बीजेपी प्रवक्ता राफिया नाज कहती हैं कि सरकार से सदन में विपक्ष यह जानना चाहेगा कि चुनाव के वक्त जो वादे किये गये थे उनका क्या हुआ।

21 को स्पीकर ने बुलाई उच्चस्तरीय बैठक

27 मार्च तक चलने वाले विधानसभा के बजट सत्र को शांतिपूर्ण ढंग से संचालित करने के उद्देश्य से स्पीकर रवींद्र नाथ महतो ने 21 फरवरी को उच्च स्तरीय बैठक बुलाई है।

विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं : राकेश

विपक्ष की तैयारी का करारा जवाब देने के लिए सत्तारुढ दल भी तैयार है। कांग्रेस प्रवक्ता राकेश सिन्हा की मानें तो 23 फरवरी को रणनीति बनाई जाएगी। यदि विपक्ष सदन को नहीं चलने देगा तो इससे राज्य की जो मूलभूत समस्या है उसको हल करने में बाधा आएगी। विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है और वह जानबूझकर सरकार को बदनाम करने की साजिश रचती रहती है, ऐसे में इसका करारा जवाब देने के लिए भी हम तैयार हैं। 3 मार्च को वित्तीय वर्ष 2025 -26 का बजट वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर के द्वारा सदन में पेश किया जाएगा। इसके

बिरसा चौक से प्रोजेक्ट भवन के बीच बन चुकी है 4.5 किलोमीटर लंबी सड़क

राजधानी रांची के लोगों को जल्द मिलेंगी चार स्मार्ट सड़कें

PHOTON NEWS RANCHI : रांची वीडियो के लिए बड़ी खुशखबरी। बहुत जल्द उन्हें चार स्मार्ट सड़कें मिलेंगी। बिरसा चौक से प्रोजेक्ट भवन के बीच 4.5 किलोमीटर लंबा स्मार्ट सड़क तैयार हो चुकी है। इसके अलावा तीन और नए स्मार्ट रोड का प्रस्ताव पथ निर्माण विभाग ने तैयार करके मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पास स्वीकृति के लिए भेज दिया है। मुख्यमंत्री की सहमति के बाद इन सड़कों के निर्माण की दिशा में विभाग आगे बढ़ेगा। तीन नई स्मार्ट सड़कों में रेलवे स्टेशन के दूसरे प्रवेश द्वार से एयरपोर्ट तक, विवेकानंद स्कूल चौक से नया सराय (लिंक टू रिंग रोड) और जगन्नाथपुर मंदिर से विधानसभा के चारों पेरिफेरल रोड को लिंक करते हुए डीएवी पुंदाग तक बनेगी। रांची रेलवे स्टेशन के दूसरी ओर प्रवेश द्वार से एयरपोर्ट तक फोर लेन स्मार्ट रोड बनेगा। यह लगभग छह किलोमीटर लंबा होगा। इसे बनाने में करीब 300 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इस सड़क के बनने से रांची रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट के बीच एक नई फोरलेन कनेक्टिविटी राजधानी को मिलेगी। इस सड़क के बन जाने से स्टेशन और एयरपोर्ट के बीच की दूरी पांच मिनट में तय की जा सकेगी।

पथ निर्माण विभाग ने तीन नई सड़कों का प्रस्ताव तैयार कर स्वीकृति के लिए भेजा

सीएम हेमंत सोरेन की सहमति मिलने के बाद इन सड़कों का शुरू हो जाएगा निर्माण

रिंग रोड भी जुड़ेगा

रिंग रोड को राजधानी से जोड़ने के लिए रांची में एक स्मार्ट रोड बनेगी। धुर्वा में विवेकानंद स्कूल चौक से लेकर नयासराय में रिंग रोड के लिंक पथ तक बनने वाली इस 8.3 किलोमीटर छह लेन स्मार्ट रोड के निर्माण में अनुमानित 300 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसका मुख्य मार्ग छह लेन का होगा, जिस पर वीवीआईपी, वीआईपी सहित अन्य वाहनों का परिचालन होगा। वहीं, दोनों किनारे दो-दो लेन का सर्विस रोड होगा, जिस पर अलग-अलग इलाके से आने वाले वाहनों का प्रवेश होगा। प्रधान सचिव पथ निर्माण विभाग सुनील कुमार ने कहा कि सड़कों को आधुनिक और स्मार्ट बनाया जाएगा। इन परियोजनाओं को रांची के नागरिकों के लिए बेहतर यातायात और सुरक्षा सुविधाएं प्रदान करने के लिए डिजाइन की गईं हैं।

स्मार्ट रोड की खासियत

- स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम यातायात को नियंत्रित करने और ट्रैफिक जाम को कम करने के लिए लागू किया जाएगा।
- सीसीटीवी कैमरों से सड़क पर होने वाली गतिविधियों की निगरानी की जाएगी। यह अपराध को रोकने में भी सहायक होंगे।

जगन्नाथपुर मंदिर से डीएवी पुंदाग तक स्मार्ट रोड

जगन्नाथपुर मंदिर से विधानसभा के चारों पेरिफेरल रोड को लिंक करते हुए डीएवी पुंदाग तक स्मार्ट रोड का प्रस्ताव तैयार कर मुख्यमंत्री को भेजा गया है। इस मार्ग से हाईकोर्ट, विधानसभा और प्रस्तावित वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, पुलिस मुख्यालय को जोड़ा जाएगा। अरगोड़ा चौक से कटहल मोड़ वाया आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी से शुरू होकर नए विधानसभा के चारों पेरिफेरल मार्गों को संपर्क प्रदान करते हुए जगन्नाथ मंदिर तक फोर लेन सड़क बनाई जाएगी। यह स्मार्ट रोड जगन्नाथ मंदिर, नया विधानसभा, हाईकोर्ट, अमिटी यूनिवर्सिटी, पुराना विधानसभा को लिंक करेगा।

बिरसा मुंडा फन पार्क में एक दिवसीय योग ध्यान शिविर का आयोजन

RANCHI : सोमवार को जेल मोड़ स्थित बिरसा मुंडा फन पार्क में सोमवार को बिरसा मुंडा फन पार्क, स्कूल ऑफ योगा डिपार्टमेंट रांची यूनिवर्सिटी और रिलेशंस के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय योग ध्यान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कई विद्यार्थियों ने इस शिविर में भाग लिया। विद्यार्थियों ने योग क्रिया कपालभाति, अनुलोम विलोम, भ्रामरी, गोमुखासन, ताड़ासन और ध्यान समेत कई आसन किये और गहराई से समझा। मौके पर विद्यार्थियों ने योग के माध्यम से स्वस्थ शरीर और तनाव रहित रहने का भी संकल्प लिया। उल्लेरखनीय है कि आधुनिक समय में हमलोग अपने खानपान को संतुलित रखकर और व्यायाम तथा योग कर के अनेक बीमारियों से बच सकते हैं। योग के नियमित अभ्यास से हम अपने जीवन को स्वस्थ और रोगमुक्त बना सकते हैं। इस कार्यक्रम में रांची विश्वविद्यालय रांची के डीएसडब्ल्यू सुदेश कुमार साहू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

झारखंड की संघर्षशील विरासत से युवकों को कराया गया रूबरू

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को अबुआ अधिकार मंच, झारखंड के तत्वावधान में शहीदों का सपना, युवाओं की भागीदारी विषय पर एक विचारगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में समाज के प्रबुद्ध वर्ग, झारखंड आंदोलनकारी, शिक्षाविद्, चिकित्सा विशेषज्ञ एवं युवा वर्ग की सक्रिय भागीदारी रही। इस अवसर पर अनुज कुमार सिंह, प्रो. विनय भारत, झारखंड आंदोलनकारी सरजीत मिर्धा, नीरज सिन्हा, और डॉ. रामानुजम ने युवाओं को संबोधित किया।

- 'शहीदों का सपना, युवाओं की भागीदारी' विषय पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

वक्ताओं ने झारखंड की संघर्षशील विरासत और स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा देखे गए सपनों को साकार करने में युवाओं की जिम्मेदारी को रेखांकित किया। इस दौरान अनुज कुमार सिन्हा ने युवाओं को संबंधित करते हुए कहा कि शहीदों ने झारखंड को एक स्वाभिमानी और आत्मनिर्भर राज्य बनाने का सपना देखा था, जिसे साकार करने की जिम्मेदारी आज के युवाओं की है।

समाचार सार

कोल्हान कांग्रेस समागम की तैयारी तेज

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में सोमवार को जिला स्तरीय तैयारी समिति की बैठक हुई, जिसमें

जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के आह्वान पर 1 मार्च को चांडिल प्रखंड के बाडामटांड़, चावलीबासा में कोल्हान प्रमंडल स्तरीय कांग्रेस समागम होगा। इसमें सभी जिला, मंडल व प्रखंड स्तर के पदाधिकारी को एक-एक वाहन कार्यकर्ता के साथ पहुंचना है। सभी नेता सुबह 10 बजे बिष्टुपुर स्थित कांग्रेस कार्यालय (तिलक पुस्तकालय) में एकत्र होकर चांडिल प्रस्थान करेंगे।

सोराडाबर में मनी शहीद रघुनाथ सिंह की जयंती

GHATSILA : शहीद रघुनाथ सिंह की 230वीं जयंती बड़ाजुड़ी पंचायत

अंतर्गत सोराडाबर फुटबॉल मैदान में सोमवार को मनाई गई। इस मौके पर जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू ने प्रतिमा पर श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि रघुनाथ सिंह ने अंग्रेजों के अत्याचार के खिलाफ संघर्ष किया था। उनका संघर्ष और बलिदान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में महत्वपूर्ण है। उनका जीवन आज की पीढ़ी को सामाजिक न्याय और स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा देता है। इसी क्रम में वहां खेलकूद का भी आयोजन किया गया।

2.30 करोड़ की लागत से बनेगी पीसीसी सड़क

CHAIBASA : चाईबासा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सदर प्रखंड के

डोंकासाई से कांकुसी तक लघु सिंचाई प्रमंडल विभाग द्वारा क्रियान्वित डीएमएफटी मद से करीब 2 करोड़ 30 लाख रुपये की लागत से पीसीसी सड़क बनेगी। इसका शिलान्यास कैबिनेट मंत्री दीपक बिरुवा ने सोमवार को किया। इस मौके पर मंत्री ने कहा कि चाईबासा विधानसभा क्षेत्र को विकसित करना मेरी प्राथमिकता है। इस मौके पर काफी संख्या में ग्रामीण व झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सालाना उर्स पर लोगों ने की चादरपोशी

GHATSILA : मऊभंडार बांग्ला टाउन में सोमवार को ख्वाजा गरीब

नवाज का 47वां उर्स मनाया गया। दो दिवसीय कार्यक्रम में रविवार को कुरानखानी के साथ मजार पर चादरपोशी की गई। गरीबों के बीच लंगर वितरण किया गया। चादरपोशी करने बंगाल के खड़गपुर से भी काफी लोग आए थे। उर्स कमेटी के सचिव शेख युसूफ ने बताया कि जमशेदपुर, चाकुलिया, जादूगोड़ा, मुसाबनी, सुरदा, खड़गपुर से लोग आए थे। इस मौके पर शेख खादिम, शेख हिसाद, सिराज अली, मोहम्मद रजाक, शेख सादाम, शेख बशीर, अजीत बगती सहित कमेटी के कई सदस्य शामिल थे।

शहादत दिवस पर याद किए गए सोमाय गागराई

CHAIBASA : कांग्रेस भवन में सोमवार को कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष सोमाय गागराई का शहादत दिवस मनाया गया। उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद उनके द्वारा

पार्टी के लिए किए गए कार्यों के बारे में कांग्रेसियों ने कहा कि सोमाय गागराई सौम्य स्वभाव के थे और कांग्रेस का प्रचार प्रसार पूरी निष्ठा और समर्पित भाव से करते रहे। जिला कांग्रेस कमेटी, प. सिंहभूम के अध्यक्ष के रूप में उनके कार्यों को सदैव याद रखा जाएगा। इस मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर दास, जिला बीस सूत्री सदस्य त्रिशानु राय, जिला सचिव जानवी कुदादा, नगर अध्यक्ष मो. सलीम, पूर्व जिला कोषाध्यक्ष राधा मोहन बनर्जी, वरीय कांग्रेसी राजेंद्र कच्छप, चंद्रशेखर प्रसाद, सुभाष राम तुरी, कार्तिक बोस, देवेश चरण, जितेन महतो, बिरेंद्र हेम्ब्रम, सुशील दास, दुर्योधन पान आदि उपस्थित थे।

दो दिवसीय खेलकूद का हुआ समापन

GHAKRADHARPUR : नवयुवक संघ

मूंडियादल की ओर से आयोजित दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का सोमवार को समापन हुआ। इस मौके पर मुख्य अतिथि समाजसेवी डॉ. विजय सिंह गागराई ने विजेताओं-प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए। इसमें साईकिल रेस, दौड़, जूता रेस, बीड़ी-माचिस रेस, आटा रेस, जीके रेस, बैलून फोड़, चम्मच रेस, हांडी फोड़, सुई-धागा रेस, म्यूजिकल चेयर, लोटा रेस आदि प्रतियोगिता हुई।

कोल्हान के गुवा जंगल में 25 किलो के 2 आईईडी बरामद, किए गए नष्ट

शीर्ष नक्सलियों के सारंडा में सक्रिय होने की सूचना

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के लिए नक्सल प्रभावित क्षेत्र में सड़क खोद कर लगाए गए 25 किलो के 2 आईईडी बरामद किए गए। इसमें एक बम 20 व दूसरा 5 किलो का था। सुरक्षाबलों ने इसे जंगल में ही नष्ट कर दिया। जानकारी के अनुसार, पश्चिमी सिंहभूम जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में प्रतिबंधित नक्सली संगठनों के खिलाफ पुलिस को सूचना मिली थी कि नक्सली संगठन के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन अपने दस्ता सदस्यों के साथ सारंडा-कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधि के लिए भ्रमणशील हैं, जिसके आलोक में चाईबासा पुलिस, कोबरा, झारखंड जगुआर व सीआरपीएफ

विस्फोट के बाद क्षतिग्रस्त सड़क ● फोटोन न्यूज

की टीमों का एक संयुक्त अभियान दल गठित कर लगातार अभियान संचालित किया जा रहा है।अपने दस्ते के साथ सारंडा क्षेत्र में भ्रमणशील है। सूचना मिलते ही सुरक्षा बलों की अलग-अलग टीम सर्च ऑपरेशन में निकल गई। सोमवार को गुवा थाना अंतर्गत गुवा और रोवाम रोड के बीच गंगदा के समीप जंगली-पहाडी क्षेत्र में सुरक्षा बलों को लक्षित करने के उद्देश्य से नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी बरामद किए गए।

मानगो : नर कंकाल को भेजा जाएगा लैब

घटना का पता लगाने में जुटी पुलिस, फैला दिया गया है मुखबिरों का जाल

PHOTON NEWS JSR: मानगो के सहारा सुंदरवन फेज टू के पास सोमवार की शाम जो नर कंकाल मिला था, उसे फॉरेंसिक लैब भेजा जाएगा। इसकी तैयारी पुलिस कर रही है। फोरेंसिक लैब में पता चलेगा कि कंकाल किसका है। यह महिला का है या पुरुष का। जिसका यह कंकाल है, उसकी उम्र क्या थी। मानगो पुलिस का कहना है कि फॉरेंसिक लैब की रिपोर्ट आने के बाद ही इस मामले में आगे की कार्रवाई हो सकेगी। वैसे पुलिस अपने स्तर से इस मामले की जांच में जुट गई है। इलाके के मुखबिरों की मदद ली जा रही है।

पैंट से कैसे पता चलेगा कि विक्षिप्त का है कंकाल : कुछ लोग इस कंकाल को किसी

विक्षिप्त का बता रहे हैं। हो सकता है कि यह सही भी हो। मगर, कंकाल को विक्षिप्त का बताने वाले लोग जो तर्क दे रहे हैं, वह तार्किक नहीं है। इनका कहना है कि कंकाल के पास मिली हाफ पैंट बता रही है कि कंकाल किसी विक्षिप्त का है। जानकारों का कहना है कि हाफ पैंट से कैसे पता चल सकता है कि कंकाल किसी विक्षिप्त का है।

शव पड़ा होता तो उठती बदबू

पुलिस इस मामले की जांच में जुटी हुई है। कंकाल यहां कैसे आया इस बात की जांच की जा रही है। कहा जा रहा है कि अगर यहां किसी की लाश पड़ी होती, तो वह बदबू करती और लोग जान जाते कि यहां शव है। यही नहीं, अगर यहां शव होता तो पशु और पक्षी भी मंडरा रहे होते। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि हो सकता है कि शव कहीं और रहा हो और जब यह कंकाल बन गया तो लाकर यहां फेंक दिया गया। वैसे यह कंकाल एक मिस्ट्री बन गया है। इस मिस्ट्री को सुलझाने में पुलिस जुट गई है।

एनएच-75ई पर सवारी गाड़ी ने बाइक सवार को मारी टक्कर, युवक की मौत

PHOTON NEWS CHAIBASA : चाईबासा-चक्रधरपुर के एनएच-75ई पर सोमवार को सारदा पंचायत भवन के पास एक सवारी गाड़ी ने बाइक सवार रवि जामुदा को तेज रफ़्तार में टक्कर मार दी। इस हादसे में रवि जामुदा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। रवि जामुदा की मौत के बाद उसके घरवाले सहित सभी ग्रामीण आक्रोशित हो गए। ग्रामीणों ने शाम 4 बजे मुआवजे की मांग को लेकर एनएच जाम कर दिया। इसके कारण सड़क के दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गई और राहगीर परेशान रहे। शाम 5 बजे सड़क जाम की खबर पाकर चाईबासा सदर डीएसपी प्रशिक्षु आइपीएस मिथिलेश राय, सदर सीओ उपेन्द्र कुमार और

सड़क जाम के दौरान फंसे वाहन व लोग ● फोटोन न्यूज

मुफ्फसिल थाना के थाना प्रभारी रंजित उरांव घटनास्थल पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों को सड़क जाम हटाने की अपील की। इसके साथ ही उन्हें आश्वासन दिया कि उनकी सभी मांगों पर प्रशासन गंभीरतापूर्वक विचार कर नियमानुसार उचित मुआवजा देगी। अधिकारियों द्वारा समझाने और आश्वासन देने के बाद ग्रामीणों ने शाम करीब साढ़े 5 बजे सड़क जाम हटा लिया।

जानकारी के मुताबिक सोमवार दोपहर सारदा गाँव निवासी मोटाई जामुदा का बेटा रवि जामुदा बाइक से अपने घर जा रहा था।

टाटानगर स्टेशन पर बना पैसेंजर होल्डिंग एरिया

JAMSHEDPUR : महाकुंभ जाने वाले यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में रेलवे अपनी तैयारी को पुख्ता कर रहा है। इसी दिशा में टाटानगर रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ जाने वाले यात्रियों के लिए पैसेंजर होल्डिंग एरिया का निर्माण किया है। ट्रेन खुलने के समय यात्रियों की अत्यधिक भीड़ स्टेशन पर हो जाती है, ऐसे में प्रयागराज जाने वाले यात्रियों को पैसेंजर होल्डिंग एरिया में ही बैठाया जाएगा। ट्रेन खुलने के 30 मिनट पहले स्टेशन में प्रवेश दिया जाएगा। टाटानगर स्टेशन में स्टाफ पार्किंग के आधे हिस्से में पैसेंजर होल्डिंग एरिया बना दिया गया है। इस एरिया में सफाई के बाद 100 से अधिक कुर्सिया लगाई गई हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए पंखा लगाया गया है, वहीं पेयजल की व्यवस्था की गई है। यहां ट्रेन खुलने के एक-दो घंटे पहले स्टेशन पहुंचने वाले यात्रियों को बैठाया जाएगा, ताकि प्लेटफार्म पर होने वाली अत्यधिक भीड़ को रोका जा सके।

जुगसलाई में बदमाशों के दो गुटों के बीच हुई थी फायरिंग, घायल

JAMSHEDPUR : जुगसलाई में अपराध का ग्राफ कम होने का नाम नहीं ले रहा है। बताते हैं कि जुगसलाई में दो गुटों में फायरिंग हो गई है। इनमें कई राउंड फायरिंग होने की बात कही जा रही है। इस घटना में एक युवक को गोली लग गई है। इस घटना को अंजाम देने वाले मुख्य आरोपी की पुलिस निगरानी कर रही थी। सोमवार की देर रात गरीब नवाज कालोनी के रहने वाले इसरार नामक युवक पर फायरिंग कर दी गई थी। इस घटना से जुगसलाई में सनसनी फैल गई थी। घायल इसरार का इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस इस मामले में अब तक कुछ नहीं पता लगा पाई है। पुलिस का कहना है कि इस घटना को तीन अरोपियों ने मिल कर अंजाम दिया था। पुलिस अब तक किसी को गिरफ्तार नहीं कर पाई है।

● **अपराधी की निगरानी कर रही थी जुगसलाई पुलिस, फिर भी घटना को दे दिया अंजाम**

जुगसलाई थाना प्रभारी का कहना है कि इस मामले में जब कोई गिरफ्तारी होगी, तभी इस बारे में कुछ जानकारी मिलेगी। जुगसलाई में गोली चलने की घटनाएं आम हैं। पुलिस इन घटनाओं को रोक नहीं पा रही है।

सोमवार की रात भी मोहम्मद इसरार नामक युवक अपने घर के बाहर खड़ा था। तभी वहां तीन युवक पहुंचे और इसरार पर गोली चला दी। जबकि, सूत्रों की मानें तो दो गुटों में कई राउंड गोली चली है। कितने राउंड गोली चली है पुलिस को अब तक यह भी नहीं पता चल पाया है।

पेसा अधिनियम जल्द लागू कराए राज्य सरकार : भाजपा

उपायुक्त अनन्य मित्तल को ज्ञापन सौंपते भाजपा कार्यकर्ता ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष रमेश बास्के के नेतृत्व में सोमवार को राज्यपाल के नाम उपायुक्त को ज्ञापन दिया गया।

इसमें राज्यपाल से आग्रह किया गया है कि राज्य सरकार को निर्देश जारी कर जल्द से जल्द पेसा अधिनियम के मूल स्वरूप को ही अनुसूचित क्षेत्रों में लागू कराएं। ज्ञापन सौंपने में भाजपा नेता रमेश हांसदा, कुसुम पूर्ति, काजू शांडिल, रमेश नाग, संजय मुंडा, गणेश मुंडा, फिलिप तिर्की, दीपक सुंडी, ममता भूमिज, पर्वत किस्कू, प्रकाश सडिल, विजय सोय, विनोद ओमंग, सुशील हेसा, दुकु सोरेन, जेपी गौंड, गुलशन टुडू, विनोद मांझी आदि कार्यकर्ता शामिल थे।

गांधी घाट के अस्तित्व पर खतरा : शिवपूजन

JAMSHEDPUR : साकची स्थित गांधी घाट के अस्तित्व को खतरा उत्पन्न हो गया है। इसी को लेकर सिंहभूम केंद्रीय वरिष्ठ नागरिक समिति के अध्यक्ष शिवपूजन सिंह सोमवार को डीसी ऑफिस पहुंचे। उन्होंने उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होने तक फ्लाईओवर का काम रोकने का आग्रह किया है। सिंह ने कहा कि आज ही हमने जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय से भी संपर्क किया, तो उन्होंने भी प्रशासन और जुस्को से बात कर इसे बरकरार रखने का आश्वासन दिया है। वरिष्ठ नागरिक भी संकल्पित हैं कि जब तक वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होगी, वहां फ्लाईओवर नहीं बनने दिया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में रमेश कुंवर व दिनेश कुमार सिंह भी शामिल थे।

सीतारामडेरा चर्च में 21 से मनाया जाएगा शताब्दी इमैनुएल महोत्सव

PHOTON NEWS JSR: सीतारामडेरा में 1926 में इमैनुएल बैपटिस्ट चर्च की स्थापना की गई थी। इसी उपलक्ष्य में 21, 22 व 23 फरवरी को सुबह 9 से दोपहर 1 बजे तक महिला सम्मेलन होगा, जिसमें झारखंड, ओडिशा, बंगाल एवं बिहार की मसीही महिलाएं शामिल होंगी। इसके साथ ही प्रतिदिन संध्या 5.30 बजे से रात्रि 9 बजे तक जमशेदपुर के सभी विश्वासियों के लिए एक आत्मिक जागृति सभा इमैनुएल महोत्सव का मुख्य आयोजन किया जाएगा।

शताब्दी वर्ष इमैनुएल महोत्सव के लिए सोमवार को इमैनुएल बैप्टिस्ट चर्च के प्रांगण में आयोजन समिति की बैठक हुई। इसमें भिन्न-भिन्न कमेटी का गठन कर प्रत्येक सदस्यों को जिम्मेदारी सौंपी गई। इस बैठक में करीब 110 सदस्य

सीतारामडेरा चर्च के पास जुटे मसीही ● फोटोन न्यूज

उपस्थित थे। शताब्दी वर्ष महोत्सव आयोजन समिति में अध्यक्ष रौनक दास, मुख्य संयोजक समुएल महापात्र, उपाध्यक्ष माइकल दास, सह सचिव प्रतुष चौहान, खजांची थॉमसन बेहरा, डिकन कमलेश एंड्रयू, जेपी प्रधान, इसाक समुएल, हेरोध कुमार, समिति सदस्य काजल दास, शंकर पदिया, अशोक मुखी, जेम्स तिग्गा, डिकसन नाथ और भाई मुर्मू और अंकेक्षक शांतनु बीसोई व पंकज गिरी हैं। भिन्न-भिन्न कमेटियों में सिस्टर शर्मिला, सिस्टर वंदना, सिस्टर सुलेखा, सिस्टर सुनीता, सिस्टर निरुपा, सिस्टर मौलिन, भाई सोमेश, भाई अभिषेक, भाई निर्मित, रेव शिशिर, भाई मोनू, भाई राहुल आदि को रखा गया है। चर्च के मुख्य पुरोहित पास्टर रेव एलियार टोप्पो को प्रार्थना कमेटी का संयोजक बनाया गया है।

जमशेदपुर को-ऑपरेटिव लॉ कॉलेज को 13 दिन पहले ही मिल चुकी है मान्यता

लॉ कॉलेज में 9 महीने बाद भी शुरू नहीं हुई दाखिले की प्रक्रिया

PHOTON NEWS JSR : जमशेदपुर को-ऑपरेटिव लॉ कॉलेज में संचालित एलएलबी कोर्स में दाखिले के लिए छात्रों का इंतजार बढ़ता जा रहा है। पहले बार काउंसिल ऑफ इंडिया से मान्यता मिलने में देरी हुई और अब जब मान्यता मिल गई है तो कोल्हान विश्वविद्यालय एडमिशन प्रक्रिया शुरू करने में देरी कर रहा है। यह स्थिति तब है, जब पहले ही सत्र 9 महीने लेट हो चुका है। कॉलेज को बीसीआई से 4 फरवरी को ही मान्यता मिल गई थी। इसके बाद कॉलेज प्रशासन ने कोल्हान विश्वविद्यालय को पत्र लिख कर एडमिशन की प्रक्रिया जल्द से जल्द शुरू करने की मांग की थी। लेकिन, इसके 13 दिन से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी विवि प्रशासन एडमिशन प्रक्रिया

शुरू करना तो दूर उसकी तिथि तक घोषित नहीं कर सका है।

मालूम हो कि एलएलबी में एडमिशन प्रवेश परीक्षा के जरिए ली जाती है।

परीक्षा कोल्हान विवि लेता है। ऐसे में एडमिशन का नोटिफिकेशन भी विश्वविद्यालय की ओर से जारी किया जाता है। लेकिन, विवि के अधिकारी इस पर कोई फैसला ही नहीं ले रहे हैं। इसकी वजह से नामांकन की प्रक्रिया शुरू नहीं हो पा रही है और छात्रों का इंतजार बढ़ता जा रहा है।

तीन साल का कोर्स पूरा करने में लग जाते हैं पांच वर्ष

कोल्हान विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित एलएलबी कोर्स की बात करें तो पिछले तीन सत्र से इसके एडमिशन में 6 माह से अधिक की देरी हो रही है। इस बार यह 9 महीने से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी शुरू नहीं हो सका है। अगर विवि इस महीने प्रक्रिया शुरू करे भी तो एडमिशन पूरा होने में अप्रैल से मई तक का समय लग जाएगा। अगर समय पर सत्र रहता और समय पर दाखिला होता, तो एडमिशन जून जुलाई 2024 में पूरा हो जाना चाहिए था। इस प्रकार जो छात्र इस सत्र में एडमिशन लेगा उसके सत्र की शुरूआत ही एक साल की देरी से होगी। वहीं इसी प्रकार देरी होती रही तो तीन साल के एलएलबी सत्र को पूरा करने में छात्रों को 5 साल लग जाएंगे।

कोल्हान का एक मात्र सरकारी कॉलेज

को-ऑपरेटिव लॉ कॉलेज की बात करें तो यह कोल्हान का एकमात्र सरकारी कॉलेज है, जहां लॉ की पढ़ाई होती है। यहां एलएलबी की कुल 120 सीट है। इसकी फीस कम होने की वजह से हर साल सैकड़ों छात्र एडमिशन के लिए होने वाले प्रवेश परीक्षा के लिए अप्लाई करते हैं। लेकिन, एडमिशन प्रक्रिया में देरी की वजह से छात्र मायूस व नाराज हैं।

> लॉ कॉलेज में एडमिशन के लिए प्रवेश परीक्षा कोल्हान विवि की ओर से ही आयोजित की जाती है। ऐसे में एडमिशन का नोटिफिकेशन वहीं से जारी होगा। हमने विवि से जल्द से जल्द प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है। उम्मीद है इस महीने नोटिफिकेशन जारी हो जाएगा।
>
> – डॉ. जितेंद्र कुमार
> प्रिंसिपल, को-ऑपरेटिव लॉ कॉलेज

राशन कार्डधारकों ने किया एमओ का घेराव

GHATSILA : महुलिया पंचायत अंतर्गत बनियापाड़ा के कार्डधारकों ने सोमवार को राशन दुकान बदलने की मांग पर एमओ महेश प्रसाद सिंह का घेराव किया। कार्डधारकों ने बताया कि उनके द्वारा 4 जनवरी को दुकान बदलने के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था। इसमें उनके द्वारा वर्तमान विमल कुमार अग्रवाल के स्थान पर जगबंधु दत्ता की दुकान से अनाज देने की मांग की थी, लेकिन अब तक उनकी मांग पर कार्रवाई नहीं हुई है। इसके लिए कुल 50 कार्डधारकों ने आवेदन दिया था। एमओ ने बताया कि कार्डधारकों को समझाया गया कि प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी जिला से अनुमति मिलती है, जिसमें लगभग 3 माह लगता है। इस अवधि में उन्हें उसी दुकान से राशन लेना पड़ेगा, जिसे वे बदलना चाहते हैं। इसलिए इस अवधि तक उन्हे संबंधित राशन दुकान से ही राशन लेने की अपील की गई है, ताकि कार्डधारकों को राशन मिलने में कोई परेशानी नहीं हो।

सप्ताह भर में बेअसर हुआ अतिक्रमण मुक्त अभियान

घाटशिला मेन रोड के किनारे लगी सब्जी की दुकानें ● फोटोन न्यूज

GHATSILA : प्रशासनिक अधिकारियों के आदेश की अवहेलना करते हुए घाटशिला की मुख्य सड़कों पर फिर से अतिक्रमण होने लगा है। प्रशासन ने 25 जनवरी तक मुख्य सड़क सहित अन्य क्षेत्रों को अतिक्रमण मुक्त करने का निर्देश जारी किया था। इसके तहत माइक से अनाउंसमेंट कर दुकानदारों को सड़क छोड़ने को कहा गया। शुरूआती दो दिनों तक सड़कों पर इसका असर दिखा, लेकिन अब हालात फिर से पहले जैसे हो गए हैं।

दुकानदार नहीं छोड़ना चाहते सड़क किनारे की जगह

प्रशासन ने दुकानदारों के लिए डाक बंगला स्थित जिला परिषद के खाली मैदान को वैकल्पिक स्थान के रूप में उपलब्ध कराया था, लेकिन दुकानदार वहां जाने को तैयार नहीं हैं। उनका कहना है कि उस स्थान पर ग्राहकों की आवाजाही नहीं होती, जिससे उनकी बिक्री प्रभावित होगी। इसी कारण एक बार फिर से दुकानदारों ने फूलडुंगरी से गोपालपुर ओवरब्रिज तक और काशिदा हाईवे से रेलवे अंडरपास तक सड़क किनारे अपनी दुकानें लगानी शुरू कर दी हैं।

वेडिंग फंक्शन्स में आपको स्टाइलिश दिखाएंगे ये टिप्स

वेडिंग में कई फंक्शन्स होते हैं, जिनके लिए अलग-अलग ड्रेसेस पहनने का मजा ही कुछ और है। इनमें हल्दी फंक्शन का क्रेज लड़कियों के बीच खूब देखा जाता है। हल्दी के दौरान पीले कपड़े पहनने से न सिर्फ फैशन के नजरिए से कॉम्बिनेशन काफी अच्छा लगता है बल्कि पीले रंग के साथ ज्यादातर ज्वैलरी भी अच्छी लगती हैं। आप भी अगर अपनी हल्दी पर स्टाइलिश दिखना चाहती हैं, तो ये टिप्स आपके काम आएंगे।

हल्दी सेरेमनी पीले रंग के कपड़े क्यों पहनें

हल्दी छुड़ाना काफी मुश्किल हो सकता है, इसलिए क्यों न इस दिन पीली ड्रेस ही पहनी जाए। पीले के अलग-अलग शेड्स में से आप चुन सकती हैं। मस्टर्ड येलो, ऐंबर येलो, लेमन येलो में से आप चुन सकती हैं। यदि आपको येलो नहीं पहनना हो, तो आप क्रीम या कोई और लाइट कलर पहन सकती हैं।

हल्दी सेरेमनी के लिए टिप्स

- अगर आपकी हल्दी सेरेमनी है, तो ऐसे में आप स्लीव्स कट सिंपल और प्लेन लहंगा-चोली पहनें, जिसके किनारे पर गोल्डन या सिल्वर कलर का बॉर्डर हो।
- हल्दी सेरेमनी पर पटियाला सलवार के साथ शार्ट कॉटन कुर्ती भी बेहद स्टाइलिश लगेगी। पटियाला सूट के साथ आप अपनी पसंदानुसार एम्ब्रॉयडरी जैकेट या फिर कोई लाइट दुपट्टा कैरी करना अच्छा ऑप्शन रहेगा।
- आपको अगर साड़ी पहननी है, तो पीले रंग की सिम्पल साड़ी पहनें या फिर लाल, नारंगी रंग की साड़ी भी काफी अच्छी लगेगा। इसके साथ मैचिंग पर्ल ज्वैलरी या फूलों की ज्वैलरी भी काफी ट्रेंडिंग लगेगी।

हैवी दुपट्टा

हल्दी के मौके पर दुपट्टा आपके लिए आफत बन सकता है, इसलिए लाइट स्टोल या स्कॉर्फ तक ठीक है लेकिन हैवी दुपट्टा लेने से बचें।

स्टोन, हैवी ज्वैलरी

स्टोन या हैवी ज्वैलरी पर अगर हल्दी लग गई, तो आपके लिए खासी दिक्कत हो जाएगी।

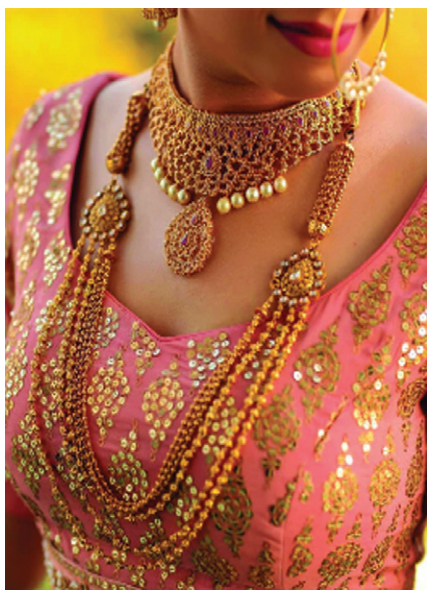

दमकती त्वचा का सपना पूरा करेंगे इन फलों के छिलके

आज तक आपने अच्छी सेहत बनाए रखने के लिए फलों को डाइट में शामिल करने की सलाह तो कई बार सुनी होगी पर क्या आप जानते हैं फल अगर आपको अच्छी सेहत पाने में मदद करते हैं तो फलों के छिलके आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम भी कर सकते हैं। आइए जानते हैं दमकती त्वचा पाने के लिए कैसे करें फलों के छिलकों का इस्तेमाल।

पपीते का छिलका

चेहरे का रूखापन दूर करके त्वचा का ग्लो बढ़ाने का काम करता है पपीते का छिलका। इसके लिए पपीते के छिलके को सुखाकर बारीक पीस कर इसका पाउडर बना लें। अब दो चम्मच पाउडर में एक चम्मच ग्लिसरीन मिलाकर उसका गाढ़ा पेस्ट बनाकर उसे अपने चेहरे पर फेस पैक की तरह लगा लें। पैक सूख जाने पर अपना चेहरा धों लें। चेहरे की टैनिंग हटाने के लिए पपीते के छिलके को पीसकर उसमें नींबू का रस मिला का इस्तेमाल करें।

संतरे का छिलका

चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बे, मुहांसों और टैनिंग से निजात पाने के लिए संतरे के छिलके को पीसकर उसका बारीक पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में 2 चम्मच कच्चा दूध और दो चुटकी हल्दी मिलाकर इस पेस्ट को फेस पैक की तरह चेहरे पर लगाएं। पैक सूखने पर चेहरे ठंडे पानी से धो लें।

नींबू का छिलका

टैनिंग दूर करने के लिए नींबू के छिलके को पीसकर उसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर फेस पैक की तरह इस्तेमाल करें।

केले का छिलका

टैनिंग से छुटकारा पाने के लिए आप केले के छिलके के अंदरूनी सफेद भाग को चेहरे पर हल्के हाथों से बीस मिनट तक रगड़ें। इसके बाद चेहरा धो लें। ऐसा करने से चेहरे की चमक बढ़ती है।

आम का छिलका

चेहरे की झुर्रियों को कम करने के लिए आम के छिलके को पीसकर इसका पेस्ट चेहरे पर लगाने से मुहांसों और झुर्रियों को कम करने में मदद मिलती है। इसके लिए आम के छिलके को सुखाकर इसका पाउडर बना कर गुलाब जल के साथ, गेहूं के आटे में मिलाकर चेहरे पर उबटन की तरह इस्तेमाल करें।

कई लोग अपनी हाइट से नाखुश रहते है, उन्हें लगता हैं कि वे थोड़े और लंबे होते तो अच्छा होता। लेकिन अगर कम व अवरेज हाइट होने पर भी सही ड्रस व कपड़ों का चयन करें तो छोटी हाइट को भी लंबा दिखा सकते हैं। आइए, हम आपको कपड़ों के चयन से जुड़ी कुछ ऐसी बातें बताते हैं जो छोटी हाइट को लंबा दिखाने में कारगर साबित होंगी -

छोटी हाइट होने पर कैसे करें कपड़ों का चयन

- ऐसी ड्रेस पहनें जिसमें पैर दिखें तो आप लंबी नजर आएंगी जैसे ऐसी कोई शॉर्ट ड्रेस, जो घुटने तक या उससे ऊपर हो। इस तरह की ड्रेस पहनकर छोटे कद को लंबा दिखाया जा सकता है।
- अगर आपका कद छोटा है तो आप हाई वेस्ट की जींस पहन सकती हैं। इस जींस में आपके पैर लंबे नजर आएंगे जिससे देखने वालों को आपकी लंबाई अधिक होने का एहसास होगा।
- छोटे कद को लंबा दिखाने के लिए ऐसे कपड़ों का चयन करें जो वी नेक के हो, जैसे वी-नेक वाली शर्ट, टी-शर्ट, कुर्ती व ड्रेस आदि। गोल गले के कपड़े पहनने से आपको बचना चाहिए।
- कद को लंबा दिखाने के लिए सर से पैर तक एक ही रंग के कपड़ें पहनें, जैसे टॉप और बॉटम दोनों का एक ही रंग होने पर आपका कद लंबा नजर आएगा। वैसे छोटे कद पर गहरे रंग के कपड़ें भी देखने वालों को लंबा होने का एहसास देते है।
- गाउन पहनकर भी आप लंबी नजर आ सकती हैं।
- कपड़ों के अलावा हाई हील्स पहनकर भी आप हाइट को बढ़ा हुआ दिखा सकती हैं।

ट्रेंडी हैं को-ऑर्ड्स इस समर शॉपिंग लिस्ट में करें शामिल

गर्मियों में कम्फर्टेबल आउटफिट्स खरीदना चाहती हैं तो को-ऑर्ड्स ट्राई करें। ये आउटफिट गर्मियों के लिए फिट होने के साथ बेहद स्टाइलिश भी है। गर्मी के मौसम में को-ऑर्ड्स फैशन जबरदस्त ट्रेंड में है। इसको पहनने के कई फायदे हैं। इन्हें पहनने में झंझट नहीं होता, गर्मियों के हिसाब से कम्फर्टेबल है वहीं स्टाइल के मामले में भी नंबर वन। इन टू-पीस सेट्स के साथ आपको ज्यादा अक्सेसरीज भी कैरी करने की जरूरत नहीं। अगर आप अभी भी इस फैशन को ट्राई करने में झिझक रहे हैं तो बॉलिवुड सिलेब्स से आइडिया ले सकते हैं।

बच्चों की मजबूत इम्युनिटी के लिए जन्म के पांच साल के अंदर जरूरी है ये वैक्सीनेशन

कहते हैं हेल्थ एक प्रोसेस है। आप एक दिन में हेल्दी नहीं होते। कई छोटी-छोटी चीजें आपको मजबूत बनाती हैं। यही बात इम्युनिटी पर भी लागू होती है। मजबूत इम्युनिटी हमारे बचपन के खान-पान पर भी निर्भर करती है। वहीं, बचपन में कुछ ऐसे टीके होते हैं, जिनके लगने से गंभीर बीमारियों से बचाव होता है। आज हम आपको ऐसे टीके बता रहे हैं, जिन्हें पांच साल के अंदर बच्चों को लगवाना बहुत जरूरी है।

ये टीके हैं बेहद जरूरी

- गर्भवती महिला एंव गर्भ मे पल रहे शिशु को टिटेनस की बीमारी से बचाने के लियेटिटेनसटाक्साइड 1 / बूस्टर टीका और दूसरा टीका एक महिने के अंतर में लगवाएं। अगर पिछले तीन वर्ष मे दो टीके लगे हों तो केवल एक टीका लगवा लेना ही काफी होता है।
- हेपेटाइटिस बी वायरस के संक्रमण से लीवर की सूजन आ जाती है, पीलिया हो जाता है और लंबे समय तक संक्रमण के बाद लीवर कैंसर का भी खतरा हो सकता है। यह टीका बेहद जरूरी है जो हिपेटाइटिस बी के संक्रमण से बचाव करता है।
- डीपीटी टीकों की एक श्रेणी होती है, जो इंसानो को होने वाले तीन संक्रामक बीमारियों डिफ्थीरिया, पर्टुसिस (काली खांसी) और टिटनेस से बचाव के लिए दिए जाते हैं।
- पोलियो का टीका पोलियो नामक बीमारी जिसमें बच्चे अपंग हो जाते हैं, से सुरक्षा प्रदान करता है। यह टीका भी बच्चों को जरूर लगवाना चाहिए।
- बच्चे को टीबी से बचाने के लिए अनिवार्य रूप से बी सी जी का टीका लगवा दें। बीसीजी का टीका लग जाने पर शिशु को टीबी की बीमारी से बचाया जा सकता है।
- हिब वेक्सीन का टीका बच्चों को डिफ्थीरिया, काली खांसी, टेटनस, हेपेटाइटिस-बी और एच इन्फलांजी-बी से सुरक्षित रखता है। हिब बेक्टीरिया के संक्रमण से न्यूमोनिया एवं मष्तिष्क ज्वर (मेनिनजाइटिस) जैसी गंभीर बीमारी हो सकती हैं।

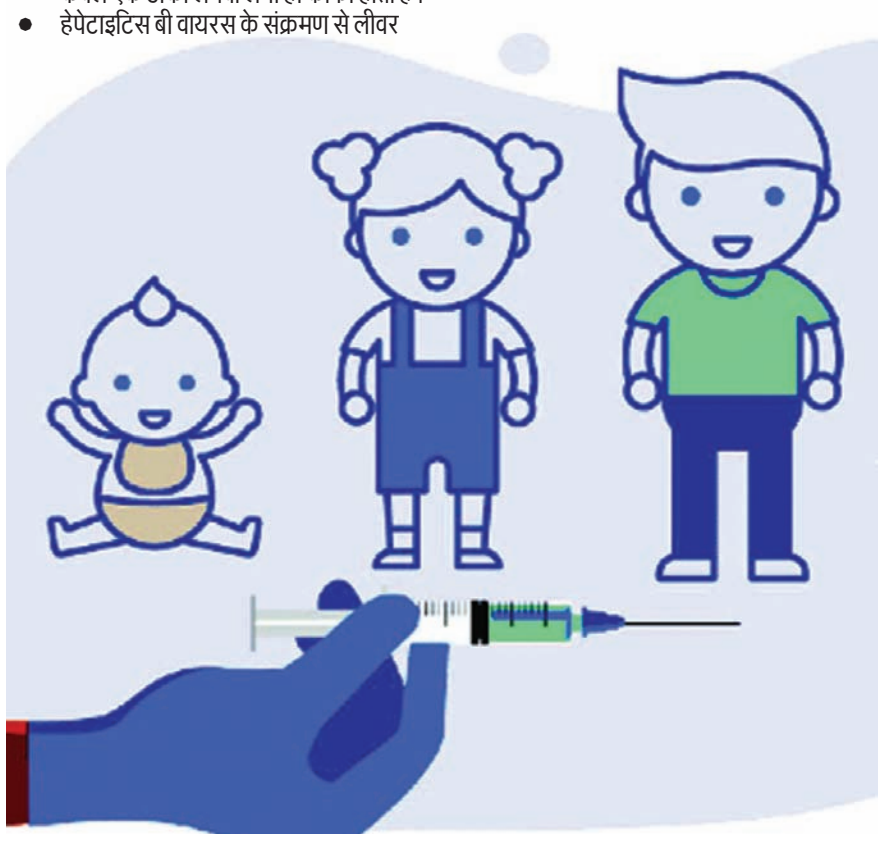

बच्चों से लालच देकर कोई काम न कराएं

'आप अगर खाना नहीं खाओगे, तो रात में भूत आ जाएगा।' क्या आपने भी अपने बच्चे को खाना खिलाने के लिए ऐसा ही कोई बहाना बनाया है? आपका जवाब अगर हां है, तो आपको यह बात समझने की जरूरत है कि कभी-कभी हम बच्चों को अच्छी बातें सिखाने के लिए कुछ ऐसा बोल जाते हैं, जिससे कि उनके मन में कई डर घर कर जाते हैं। इसके अलावा बच्चे अनजाने में ही कई गलत आदतें सीख जाते हैं। इस कारण आपको कुछ बातें याद रखनी चाहिए-

आमतौर अपनी बात मनवाने के लिए माता-पिता बच्चे को कोई लालच देते हैं। जैसे होमवर्क पूरा करने या बाहर न जाने के बदले उसे आइसक्रीम या खिलौने का लालच। ऐसा करना बेहद गलत है क्योंकि इसके बाद भी बच्ची सही बर्ताव करने के बदले आपसे अपनी डिमांड को पूरा करवाने की कोशिश करेगा।

किसी के सामने कोई एक्टिंग करने के लिए कहना

आमतौर पर माता-पिता बच्चों को कोई डांस या एक्टिंग करने के लिए कहते हैं। ऐसा करना शायद एंटरटेनिंग लगे, लेकिन इससे बच्चों के दिमाग पर गलत असर पड़ता है। बार-बार ऐसा कहने पर बच्चे को लगने लगता है कि अगर वह ये सब नहीं करेगा, तो उसके मम्मी-पापा उसे प्यार नहीं करेंगे या फिर मारेंगे।

किसी के सामने बच्चों पर न चिल्लाएं

अधिकतर माता-पिता बच्चों को किसी मॉल में, पब्लिक प्लेस में या फिर किसी पार्क में ही डांटना शुरू कर देते हैं।

इस दौरान बच्चा आपकी बातें न सुनकर वो इस बात पर ध्यान देने लगता है कि आसपास के लोग सुन रहे हैं इसलिए हमेशा बच्चे को एकांत में उसके व्यवहार के बारे में बताएं ताकि वे अपने बुरे व्यवहार को छोड़ सके।

दूसरे बच्चों से तुलना

अपना बच्चा सभी को प्यारा लगता है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप अपने बच्चे को फील गुड कराने के लिए उसकी तुलना दूसरों बच्चों से करेंगे। कई बार ऐसा होता है कि बच्चे को मोटिवेट करने के लिए माता-पिता किसी बच्चे को बुरा बताते हुए अपने बच्चे की तुलना करते हैं। ऐसा करने से आपका बच्चा उस दूसरे बच्चे के लिए मन में नेगेटिव इमेज बना लेगा। आगे चलकर यह नेगेटिव चीज उसकी पर्सनैलिटी का हिस्सा भी बन सकती है।

गलती करने पर गुस्सा करना

कभी-कभी मां-बाप अपने ऑफिस का गुस्सा या किसी और बात का गुस्सा अपने बच्चों पर निकाल देते हैं। साथ ही माता-पिता गुस्से में अपने बच्चे को उस गलती की सजा दे देते हैं, जिसे नजरअंदाज किया जा सकता था। बच्चे को अनुशासन सिखाते वक्त अपनी दूसरी समस्याओं और गुस्से को अलग रखें।

भारत-अमेरिका मैत्री से विकास के नये रास्ते खुलेंगे

ललित गर्ग

भारतीय प्रधानमंत्री की अमेरिकी राष्ट्रपति से मुलाकात पर देश ही नहीं, दुनिया की भी निगाहें थीं। एक तो इसलिए कि मोदी उन चुनिंदा शासनाध्यक्षों में से एक हैं, जिनसे डोनाल्ड ट्रंप ने प्रारंभिक दौर में ही मुलाकात करना बेहतर समझा और दूसरे इसलिए कि भारत अब एक बड़ी ताकत बन चुका है और वैश्विक मामलों में उसका रुख-रवैया एवं नीतियां मायने रखती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हाल में सम्पन्न हुई अमेरिका की दो दिवसीय यात्रा अनेक दृष्टियों से ऐतिहासिक, अविस्मरणीय एवं मील का पत्थर बनकर प्रस्तुत हुई है। यह निश्चित है कि मोदी के नेतृत्व में एक नई सभ्यता और एक नई संस्कृति गढ़ी जा रही है। व्हाइट हाउस में संपन्न प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बातचीत कई मायनों में सकारात्मक एवं परिणामकारी रही। उसमें किसी तरह की तल्खी नजर नहीं आई, बल्कि मोदी-ट्रंप की दोस्ती ही नये विश्वास एवं संकल्प के साथ उभर कर सामने आयी है। यह निर्विवाद सत्य है कि अमेरिका हमेशा अपने कारोबारी हितों को ही प्राथमिकता देता है। इस मुलाकात में यही नजर आया कि ट्रंप दोनों देशों के व्यापार संतुलन का पलड़ा अमेरिका के पक्ष में करने को कटिबद्ध है। लेकिन मोदी ट्रंप की चतुराई को भी अपनी सादगी एवं सरलता से मात देते हुए भारत के हित में अनेक समझौते कर लिये हैं। यह तथ्य सर्वविदित है कि अमेरिका की नीतियां 'अमेरिका से शुरू होकर अमेरिका' पर ही समाप्त हो जाती हैं। दूसरी बार सत्ता में आए ट्रंप ने जिस आक्रामक तरीके से कनाडा, मैक्सिको व चीन आदि पर टैरिफ लगाए हैं, वैसी आक्रामकता उन्होंने भारत के प्रति नहीं दिखायी। यह अमेरिका की भारत के प्रति एक विशेष दृष्टि मोदी के प्रभाव का ही परिणाम है।

ट्रंप ने मोदी को अपनी तुलना में बेहतर सख्त वातार्कार बताया। दोनों नेताओं ने वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दुगुना करने तथा लाभप्रद व्यापार समझौते के लिये बातचीत करने का संकल्प भी जताया। भविष्य में व्यापार समझौता अमेरिका के पक्ष में न झुके, इसके लिये प्रधानमंत्री मोदी ने कूटनीतिक कौशल का इस्तेमाल किया। भारत को नया बनने के लिए, स्वर्णिम बनाने के लिए, अनूठा बनाने के लिए और उसे विश्व की एक बड़ी ताकत के रूप में उभारने के लिये मोदी के प्रयास अनूठे भी हैं और विलक्षण भी हैं। यहां उल्लेखनीय है कि मोदी-ट्रंप मुलाकात में रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में बातचीत सकारात्मक रही। दोनों देशों ने एक दस वर्षीय रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। जिसमें प्रमुख हथियारों और प्लेटफार्मों के सह-उत्पादन को आगे बढ़ाने की महत्वाकांक्षी योजना का मार्ग प्रशस्त किया गया। वहीं दूसरी ओर यदि भारत को अमेरिकी एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू विमानों की प्रस्तावित आपूर्ति परवान चढ़ती है तो पड़ोसी देशों की बेचैनी और बढ़ जाएगी और भारत की ओर देखने की उनकी हिम्मत नहीं होगी। मोदीजी का जादू एक बार फिर सिर चढ़कर बोला है। मोदी की इस यात्रा के पीछे इरादा केवल भावनात्मक रिश्तों की बुनियाद को मजबूत करना नहीं रहा है, बल्कि भारत के हक में अमेरिकी नीतियों को प्रभावित करने के लिए उनका सहयोग पाने की मंशा भी रहा है, जो सफल हुआ। संभव है इससे भारत और अमेरिका दोनों ही देशों में विकास के नये रास्तें खुलेंगे।

इस यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण घोषणा यह भी रही है कि 26/11 के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी गई है। यह पाकिस्तान को चेतावनी भी है कि वह अपनी जमीन से आतंकवादियों को सीमापार आतंकी हमलों को अंजाम देने में मदद बंद करे। अब इस्लामाबाद पर मुंबई और पठानकोट के आतंक हमलों के साजिशकताओं को सजा देने का दबाव भी बढ़ जाएगा। निस्संदेह, ट्रंप का 'टैरिफ आतंकवाद' निगलने वाली कड़वी गोली हो सकती है, लेकिन भारत की रक्षा तैयारियों में अमेरिका की बड़ी भूमिका एक आकर्षक प्रस्ताव होगा, जिससे भारत सैन्य मोर्चे पर सशक्त होकर उभरेगा। ट्रंप के साथ मुलाकात में भारत ने अवैध रूप से आए भारतीयों को वापस लेने की बात भी कही। पत्रकार वार्ता में मोदी ने कहा कि इस मुद्दे पर हमारे विचार एक जैसे हैं। यदि अमेरिका में अवैध भारतीय प्रवासियों की पुष्टि होती है तो हम उन्हें वापस लेने के लिये तैयार हैं। उन्होंने इसे मानव तस्करों की करतूत बताया।

मोदी की यह यात्रा दो बहुत अच्छे दोस्तों की बहुत ही नाजूक समझौतेवादी भूमिका को देखने का एक दिलचस्प एवं रोमांचक मौका बनी, प्रतिकूल लगते हालात को अनुकूल नतीजों की ओर मोड़ने का कौशल भी इस यात्रा में बेहतरीन अंदाज में नजर आया। दोनों नेता न केवल पहले से एक-दूसरे को अच्छी तरह से जानते रहे हैं बल्कि उनके बीच की व्यक्तिगत मित्रता एवं आत्मीयता भी चर्चित रही है। यह सुखद संयोग है कि दोनों नेता दुनिया के सबसे बड़े पुराने और सबसे विशाल लोकतंत्र के राष्ट्राध्यक्ष हैं। अमेरिका को पहले से ही दुनिया ग्लोबल लीडर मानती रही है। अब भारत नया और उभरता हुआ विश्वनेता बना है। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप की जोड़ी से दुनिया पर नये तरीके से आधिपत्य बदलता दिख रहा है। दोनों देशों के लगातार बेहतर होते रिश्तों की पृष्ठभूमि इस तथ्य को और महत्वपूर्ण बना रही थी। फिर भी यात्रा से पहले के घटनाक्रम ने इसकी कामयाबी पर भले ही संदेह की परतें चढ़ा रखी थी, लेकिन मोदी की कुशलता एवं कूटनीति से सभी वाताएं सौहार्दपूर्ण होकर सकारात्मक बनी। जिससे भारत एक बार फिर दुनिया के सामने सशक्त एवं ताकतवर बनकर ही प्रस्तुत हुआ है।

ट्रंप के कतिपय सख्ती से बने तनाव को मोदी ने हावी नहीं होने दिया। प्रधानमंत्री मोदी पूरी तरह से अपने अजेंडे पर केंद्रित रहे। उन्होंने न केवल ट्रंप की तारीफ की बल्कि राष्ट्रपति ट्रंप के प्रिय नारे 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' (एमएजीए) की तर्ज पर अपना नारा पेश किया- 'मेक इंडिया ग्रेट अगेन' (एमआईजीए), और यह भी कहा कि जब एमएजीए और एमआईजीए साथ आते हैं तो बन जाता है एमईजीए जो दोनों देशों की शानदार साझेदारी की कहानी कहता है। इस तरह दोनों देश ने दुनिया के बॉस होते हुए अपने वर्चस्वी होने को व्यक्त किया। अमेरिका तो इस भूमिका में रहा है, लेकिन अमेरिका भारत को भी इस भूमिका में मानता है तो निश्चित ही यह भारत की दुनिया में मजबूत होती स्थिति को ही बयां कर रहा है। अब दुनिया के हर विवादों को सुलझाने में भारत-अमेरिका की संयुक्त एवं भूमिका महत्वपूर्ण होने से भारत की ताकत को समझा जा सकता है। निश्चित रूप से दोनों देशों के बीच के कई समीकरण आने वाले दिनों में नया आकार लेंगे, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा ने इस उम्मीद को ठोस आधार दे दिया है कि सहयोग के स्वरूप में जो भी बदलाव हो, रिश्ता बेहतर ही होता जाएगा। मोदी की इस अमेरिका यात्रा की अहमियत जाहिर है और इसे संभावनाभरा भी माना जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद यह अमेरिका का उनका पहला सफर है। ट्रंप के साथ वाइट हाउस में मोदी की मुलाकात ने यही जताया कि दोनों नेताओं एवं देशों के संबंधों को और प्रगाढ़ करने की ललक दोनों तरफ है।

भारतीय प्रधानमंत्री की अमेरिकी राष्ट्रपति से मुलाकात पर देश ही नहीं, दुनिया की भी निगाहें थीं। एक तो इसलिए कि मोदी उन चुनिंदा शासनाध्यक्षों में से एक हैं, जिनसे डोनाल्ड ट्रंप ने प्रारंभिक दौर में ही मुलाकात करना बेहतर समझा और दूसरे इसलिए कि भारत अब एक बड़ी ताकत बन चुका है और वैश्विक मामलों में उसका रुख-रवैया एवं नीतियां मायने रखती है। इस मुलाकात को लेकर जिज्ञासा का एक कारण यह भी था कि बाइडन प्रशासन के समय अमेरिका और भारत के संबंधों में एक खिंचाव आ गया था। एक अर्से से यह महसूस किया जा रहा था कि बाइडन प्रशासन भारतीय हितों की वैसी चिंता नहीं कर रहा है, जैसी करनी चाहिए। मोदी और ट्रंप की मुलाकात ने यह तो रेखांकित किया कि दोनों देशों के संबंधों में गर्मजोशी लौट आई है, लेकिन अभी यह नहीं कहा जा सकता कि अमेरिका भारत की समस्त चिंताओं का समाधान करने जा रहा है, लेकिन इसे नकारा भी नहीं जा रहा है। ट्रंप ने बांग्लादेश के मामले में भारत के मन मुताबिक बात कहकर, सीमा पार यानी पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से मिलकर लड़ने का वादा किया। कुल मिलाकर विकसित भारत के लक्ष्य में सहायक बनने वाले विभिन्न क्षेत्रों में अमेरिका से सहयोग की राह प्रशस्त होना भारत के लिये एक नये सूरज का उदय ही कहा जायेगा।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

नाकामी का नतीजा

दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़. में अठारह लोगों की मौत हो गई जबकि अनेक घायल हुए हैं। प्रयागराज और मगध एक्सप्रेस के अतिरिक्त विशेष ट्रेनों से महाकुंभ जाने वालों की भीड़.स्टेशन पर बढ़ती जा रही थी। रेलवे प्रशासन अत्यधिक भीड़.बढ़ने की वजह से यह घटना घटी बता रहा है। चश्मदीदों और यात्रियों का कहना कि पैदल पुल पर बेतहाशा बढक्ष्स्त्री भीड़.के कारण भगदड़.हुई। रेलवे पर कुछ ट्रेनों के अचानक रद्द करने का आरोप है। हैरत की बात है, रेलवे स्टेशन के प्रवेश द्वार पर कोई ऐसी व्यवस्था नहीं की गई जिससे भीड़.को बाहर ही रोका जा सके। लोगों ने ज्यादा टिकट बुक कराई तब भी रेल-प्रशासन नहीं चेता। कुचल कर मरने की ऐसी घटनाएं प्रशासनिक/व्यवस्थागत असफलता हैं। इनकी लगातार पुनरावृत्ति बताती है, हम अभी भी उन्नीसवीं सदी में जी रहे हैं। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी और पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने का दंभ भरने वालों को इस भीषण भगदड़.में मारे जाने वालों के प्रति तनिक क्षोभ नहीं होता। महाकुंभ में डुब्रकी लगाने वाले श्रद्धालुओं का भारी जमावड़ा अयोध्या और वाराणसी में भी प्रसिद्ध मंदिरों में दर्शन करने के दौरान भी हो रहा है। मगर वहां की अव्यवस्था को लेकर भी खबरें न के बराबर आ रही हैं। निःसंदेह इतनी भारी भीड़.को संभालने में मुट्ठी भर पुलिसकर्मी कभी सफल नहीं हो सकते। कुंभ के दरम्यान मची भगदड़.के बाद की तरह इस बार भी विपक्ष द्वारा सरकार पर मृतकों और घायलों की संख्या छिपाने का आरोप लगाया जा रहा है। अपनी नाकामी छिपाने तथा सच्चाई पर परदा ड़ालने की बजाय सरकार को इन मौतों से सबक लेने के प्रयास करने चाहिए। भीड़.को नियंत्रित करने और सटीक अंदाजा लगाने वालों को प्रथम पंक्ति में लाना होगा। अक्षम अधिकारियों पर सख्ती करनी होगी, उन्हें सिर्फ घुड़की देने की रवायत के बाद हाथ झाड़.कर नहीं बैठना चाहिए। इस तरह के किसी भी बड़े.आयोजन के लिए विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों को स्पष्ट दायित्व दिए जाने चाहिए। जनता की जान की कीमत कम कर आंकने की आदत पर सरकार को पश्चाताप करना चाहिए। श्रद्धालुओं को आमंत्रित करने और जबरदस्त प्रचार करने वालों को भारी संख्या में आने वालों को संभालने का तरीका भी खोजना होगा। अपनी पीठ खुद थपथपाने वालों को संवेदनशीलता से विचार करना ही होगा ताकि इस तरह की किसी भी दुर्घटना की पुनरावृत्ति से बचा जा सके। खासकर पर्व आयोजन जैसे अवसरों पर पूरी तैयारी जरूरी है।

चिंतन-मनन

प्रभु भक्ति में बीते समय

यह भौतिक जगत प्रकृति के गुणों के चमत्कार के अन्तर्गत कार्य कर रहा है। मनुष्य को चाहिए कि वह अपनी चेतना कृष्ण कार्य में लगाए। कृष्णकार्य भक्तियोग के नाम से विख्यात हैं। इसमें न केवल कृष्ण अपितु उनके विभिन्न पूर्णाश भी सम्मिलित हैं- यथा राम तथा नारायण। कृष्ण के असंख्य अंश हैं, जो उनके किसी भी रूप या पूर्णाश की सेवा में प्रवृत्त होता है, उसे दिव्य पद पर स्थित समझना चाहिए। कृष्ण के सारे रूप पूर्णतया दिव्य और सच्चिदानन्द स्वरूप हैं। ईश्वर के ऐसे रूप सर्वशक्तिमान तथा सर्वज्ञ होते हैं और उनमें समस्त दिव्यगुण पाये जाते हैं। अतः यदि कोई कृष्ण या उनके पूणार्शों की सेवा में दृढ़संकल्प के साथ प्रवृत्त हो तो (यद्यपि प्रकृति के गुण जीत पाना कठिन है) वह उन्हें सरलता से जीत सकता है।

कृष्ण की शरण ग्रहण करने पर प्रकृति के गुणों का प्रभाव लांघा जा सकता है। कृष्णभावनामृत या कृष्ण-भक्ति में होने का अर्थ है, कृष्ण के साथ समानता प्राप्त करना। भगवान कहते हैं कि उनकी प्रकृति सच्चिदानन्द स्वरूप है और सारे जीव परम के अंश हैं। जीव अपनी आध्यात्मिक स्थिति में स्वर्ण के समान या कृष्ण के समान गुण वाला होता है। किन्तु व्यष्टित्व का अन्तर बना रहता है अन्यथा भक्तियोग का प्रश्न ही नहीं उठता।

भक्तियोग का अर्थ है कि भगवान और भक्त के बीच प्रेम का आदान-प्रदान चलता रहता है। अतएव भगवान में और भक्त में दो व्यक्तियों का व्यष्टित्व वर्तमान रहता है, अन्यथा भक्तियोग का कोई अर्थ नहीं है। यदि कोई भगवान जैसे दिव्य स्तर पर स्थित नहीं है, तो वह भगवान की सेवा नहीं कर सकता है। उदाहरणार्थ, राजा का निजी सहायक बनने के लिए कुछ योग्यताएं आवश्यक हैं। इस तरह भगवत्सेवा के लिए योग्यता है कि ब्रह्म बन भौतिक कल्मष से मुक्त हुआ जाय। कहा गया है ब्रह्मैव सन्ब्रह्माप्येति। अर्थात मनुष्य को ब्रह्म से एकाकार हो जाना चाहिए। लेकिन ब्रह्मत्व पाने पर मनुष्य व्यष्टि आत्मा के रूप में अपने शात ब्रह्म-स्वरूप को खोता नहीं है।

फिल्म संगीत से गायब होती मधुरता

भारतीय फिल्में सारी दुनिया में उत्साह और उमंग के साथ देखी जाती हैं। एक दौर ऐसा भी था जब फिल्मों से ज्यादा उनका संगीत पसंद किया जाता था। भारतीय फिल्मों की पहचान ही उनका कर्णप्रिय और सुमधुर संगीत हुआ करता था लेकिन समय के साथ अब यह पहचान धूमिल होती जा रही है। फिल्मी संगीत अब अपनी मधुरता खोता जा रहा है। कहा जाता है कि जीवन का प्रत्येक क्षण संगीत से जुड़ा होता है। हमारी सांसे भी संगीत की ताल और लय के अनुसार चलती हैं। मधुर संगीत मनुष्य को तनावमुक्त करता है। शास्त्रीय संगीत के हर राग का अपना विशेष महत्व है। अब तो यहां तक कहा जाने लगा है कि मनुष्य के रोगोपचार में भी शास्त्रीय संगीत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे समय में जब विज्ञान एवं चिकित्सा जगत शास्त्रीय संगीत की महत्ता को स्वीकार कर रहे हैं, तब फिल्मों से गायब होता शास्त्रीय संगीत सबको चौंका देता है। आधुनिक समय में क्षणिक आनंद के लिए फिल्मों में हुल्लड़बाजी और शोर-शराबे से भरे गीत डाल दिए जाते हैं जो कुछ ही समय बाद गुमनामी की गर्त में समा जाते हैं। इसके विपरीत शास्त्रीय संगीत पर आधारित गीत लोग वर्षों बाद भी याद रखते हैं। वैसे गीत-संगीत भारतीय फिल्मों की आत्मा है और यहां वही गीत अमर हो पाते हैं जो शास्त्रीय संगीत पर आधारित होते हैं। भारत की पहली बोलती फिल्म 'आलम आरा' में कुल ग्यारह गीत थे, जो इस बात के प्रमाण हैं फिल्मों में आरंभ से ही गीत-संगीत को आवश्यक तत्व माना जाता रहा है। इस फिल्म के सभी गीत शास्त्रीय रागों पर आधारित थे। आरंभिक दौर की फिल्मों में अधिकांश गीत शास्त्रीय रागों पर ही आधारित हुआ करते थे। उसी समय बनी एक फिल्म इन्द्रसभा में तो 71 गाने थे। राग आधारित गीत चाहे वे सुख के हों या दुःख के, मिलन के गीत हों या विरह के या फिर नृत्य गीत ही क्यों न हों सभी को सुनने का एक अलौकिक आनंद होता था। इस तरह के सैकड़ों गीत वर्षों बीत जाने के बाद आज भी लोगों की जुबान पर हैं। सुप्रसिद्ध फिल्म 'बैजूबावरा' का गीत-मोहे भूल गये सांवरिया, तू गंगा की मौज में जमना का धारा, 'संत ज्ञानेश्वर' फिल्म का गीत 'जोत से जोत जलाते चलो'या फिर मनोज कुमार की सुपरहिट फिल्म "उपकार₹ का गीत 'मेरे देश की धरती सोना उगले, उगले हीरे-मोती' क्या कोई कभी भी भुला सकता है? ये सभी गीत राग भैरवी पर आधारित हैं। झूमती चली हवा (फिल्म-तानसेन, राग सोहनी) मधुबन में राधिका नाचेगी (फिल्म-कोहिनूर, राह हमीर) नैनों में बदरा छाए (मेरा साया, राग हमीर) के अलावा राग हमीर के ही गीत ऐ री मैं तो प्रेम दीवानी, मेघा छाए आधी रात गीत आज भी अविस्मरणीय हैं। राग मियां मल्हार के गीत बोले रे पपीहरा (गुड्डी), राग वागेश्वरी के राधा न बोले (आजाद) बसंत बहार के जा जा रे बालमा, राग कल्याण का मन रे तू काहे न धीरे धरे (चित्रलेखा), यमन कल्याण के मितवा (परिचय), तुम गगन के चंद्रमा में धरा की धूल हूं (सावित्री), लगता नहीं है मेरा दिल (लाल पत्थर), अहिर भैरव का पूछो न कैसे मैंने रैन बिताई, राग तिलंग का पिया तोसे नैना लागे (गाइड), राग जयजयवंती का मनमोहना बड़े झूठे, राग देशकार का ज्योति कलश छलके, राग केदार का दरशन दो घनश्याम, पल दो पल का साथ हमारा (द बर्निंग ट्रेन), राग तोड़ी का रैना बीती जाए (अमर प्रेम), राग शिवरंजनी का जरा सामने तो आओ छलिये जैसे गीत आज वर्षों बीत जाने के बाद भी लोकप्रिय बने हुए हैं। आज के इस दौर में जहां केवल तेज संगीत को ही सफलता का सूत्र माना जाता है, वहां आजकल के संगीतकार भूल जाते हैं कि तेज संगीत में भी यदि कलात्मकता हो तो उसे सर्वकालीन और सर्वप्रिय बनने से कोई नहीं रोक सकता। फूहड़ और शोर-शराबे से भरपूर गीतों को क्षणिक लोकप्रियता भले ही मिल जाए लेकिन सदाबहार गीत वही हुआ करते हैं जो सरल, मधुर और कर्णप्रिय होते हैं। क्या आज के दौर के संगीतकार शंकर-जयकिशन, कल्याणजी आनंदजी, लक्ष्मीकांत प्यारेलाल, फिरोज शाह, पंकज मलिक, गुलाम हैदर, खेमचंद, नौशाद, सचिन देव बर्मन, सी. रामचंद्र, रोशन, सलिल चौधरी, ओ.पी. नैय्यर, चित्रगुप्त या फिर आर.डी. बर्मन जैसे संगीत निर्देशकों की तरह सुरीले गीत दे पाएंगे? रीमिक्स को सफलता का पैमाने मानने वाले शायद यह भूल जाते हैं कि आजकल के गाने पानी में उठे उस बुलबुले के समान हैं जो क्षण भर का मेहमान होता है जबकि पुराने संगीतकारों के शास्त्रीय संगीत युक्त गीत गगन में चमकते उस सूरज के समान हैं, जिसकी आभा कभी मद्धिम नहीं होती। इस दौर में भी प्रतिभाशाली संगीतकारों की कमी नहीं है। अब अच्छे संगीतकारों की प्रतिभा भी अपना करिश्मा नहीं दिखा पा रही है। संगीत किसी भी राष्ट्र की सभ्यता संस्कृति व संस्कारों का दर्पण होता है। हमारे देश में संगीत को इतना सम्मान दिया जाता है कि देवी सरस्वती (जिन्हें संगीत की देवी भी कहते हैं) घर-घर में पूजी जाती हैं। आज भी सारी दुनिया में लता मंगेशकर और जगजीत सिंह के गीत बड़े ध्यान से सुने जाते हैं। भारतीय संगीत से सारे विश्व को गुंजायमान करने के लिए फिल्मकारों को आगे आना होगा और एक बार फिर से शास्त्रीय संगीत पर आधारित सुरीले गीतों की रचना करनी होगी तभी वे 'ज्योति कलश छलके' जैसी कालजयी रचनाओं का निर्माण कर सकेंगे।

-अंजनी सक्सेना

जयन्ती पर विशेष : धर्म अध्यात्मः महान साधक थे रामकृष्ण परमहंस

रमेश सर्राफ धमोरा

रामकृष्ण परमहंस भारत के एक महान संत, आध्यात्मिक गुरु एवं विचारक थे। इन्होंने सभी धर्मों की एकता पर जोर दिया। उन्हें बचपन से ही विश्वास था कि ईश्वर के दर्शन हो सकते हैं। अतः ईश्वर की प्राप्ति के लिए उन्होंने कठोर साधना और भक्ति का जीवन बिताया। स्वामी रामकृष्ण मानवता के पुजारी थे। साधना के फलस्वरूप वह इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि संसार के सभी धर्म सच्चे हैं और उनमें कोई भिन्नता नहीं। वे ईश्वर तक पहुँचने के भिन्न-भिन्न साधन मात्र हैं। 19 वीं शताब्दी में श्री रामकृष्ण परमहंस एक रहस्यमयी और महान योगी पुरुष थे। जिन्होंने काफी सरल शब्दों में अध्यात्मिक बातो को सामान्य लोगो के सामने रखा। जिस समय हिन्दू धर्म बड़े संकट में फंसा हुआ था उस समय श्री रामकृष्ण परमहंस ने हिन्दू धर्म में एक नयी उम्मीद जगाई।

रामकृष्ण के जीवन में अनेक गुरु आये पर अन्तिम गुरुओं का उनके जीवन पर बहुत प्रभाव पड़ा। एक थी भैरवी जिन्होने उन्हे अपने कापालिक तंत्र की साधना करायी और दूसरे थे श्री तोतापुरी उनके अन्तिम गुरु। गंगा के तट पर दक्षिणेश्वर के प्रसिद्व मंदिर में रहकर रामकृष्ण मां काली की पूजा किया करते थे। गंगा नदी के दूसरे किनारे रहने वाली भैरवी को अनुभुति हुई कि एक महान संस्कारी व्यक्ति रामकृष्ण को उसकी दीक्षा की आवश्यकता हैं। गंगा पार कर वो रामकृष्ण के पास आयी तथा उन्हे कापालिक दीक्षा लेने को कहा। रामकृष्ण ने भैरवी द्वारा बतायी पद्धति से लगातार साधना कर मात्र तीन दिनों में ही सम्पूर्ण क्रिया में निपुण हो गये। रामकृष्ण के अन्तिम गुरु तोतापुरी थे जो सिद्ध तांत्रिक तथा हठ योगी थे। उन्होने रामकृष्ण को दीक्षा दी। रामकृष्ण को दीक्षा दी गई परमशिव के निराकार रुप के साथ पूर्ण संयोग की। पर आजीवन तो उन्होने मां काली की आराधना की थी। वे जब भी ध्यान करते तो मां काली उनके ध्यान में आ जाती और वे भावविभोर हो जाते। जिससे निराकार का ध्यान उनसे नहीं हो पाता था। तोतापुरी ध्यान सिद्ध योगी थे। उनको अनुभव हुआ कि रामकृष्ण के ध्यान में मां काली प्रतिष्ठित हैं। उन्होने शक्ति सम्पात के द्वारा रामकृष्ण को निराकार ध्यान में प्रतिष्ठित करने के लिये बगल में पड़े एक शीशे के टुकड़े को उठाया और उसका रामकृष्ण के आज्ञाचक्र पर आघात किया जिससे रामकृष्ण को अनुभव हुआ कि उनके ध्यान की मां काली चूर्ण-विचूर्ण हो गई हैं और वे निराकार परमशिव में पूरी तरह समाहित हो चुके हैं। वे समाधिस्थ हो गये। ये उनकी पहली समाधी थी जो तीन दिन चली। तोतापुरी ने रामकृष्ण की समाधी टूटने पर कहा। मैं पिछले 40 वर्षो से समाधि पर बैठा हूं पर इतनी लम्बी समाधी मुझे कभी नही लगी। श्री रामकृष्ण परमहंस का जन्म पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में कामारपुकुर नामक गांव में 18 फरवरी 1836 को एक निर्धन निष्ठावान ब्राहमण परिवार में हुआ था। इनके जन्म पर ही ज्योतिषियों ने रामकृष्ण के महान भविष्य की घोषणा कर दी थी। ज्योतिषियों की भविष्यवाणी सुन इनकी माता चन्द्रा देवी तथा पिता खुदिराम अत्यन्त प्रसन्न हुए। इनको बचपन में गदाधर नाम से पुकारा जाता था। पांच वर्ष की उम्र में ही वो अदभुत प्रतिभा और स्मरणशक्ति का परिचय देने लगे। अपने पूर्वजों के नाम व देवी-देवताओं की स्तुतियां, रामायण, महाभारत की कथायें इन्हे कंठस्थ याद हो गई थी। 1843 में इनके पिता का देहांत हो गया तो परिवार का पूरा भार इनके बड़े भाई रामकुमार पर आ पड़ा था। रामकृष्ण जब नौ वर्ष के हुए इनके यज्ञोपवीत संस्कार का समय निकट आया। उस समय एक विचित्र घटना हुई। ब्राह्मण परिवार की परम्परा थी कि नवदिक्षित को इस संस्कार के पश्चात अपने किसी सम्बंधी या किसी ब्राह्मण से पहली शिक्षा प्राप्त करनी होती थी। एक लुहारिन जिसने रामकृष्ण की जन्म से ही परिचर्या की थी। बहुत पहले ही उनसे प्रार्थना कर रखी थी कि वह अपनी पहली भिक्षा उसके पास से प्राप्त करे। लुहारिन के सच्चे प्रेम से प्रेरित हो बालक रामकृष्ण ने वचन दे दिया था।

अतः यज्ञोपवीत के पश्चात घर वालों के लगातार विरोध के बावजूद इन्होने ब्राह्मण परिवार में प्रचलित प्रथा का उल्लंघन कर अपना वचन पूरा किया और अपनी पहली भिक्षा उस लुहारिन से प्राप्त की। यह घटना सामान्य नही थी। सत्य के प्रति प्रेम तथा इतनी कम उम्र में सामाजिक प्रथा के इस प्रकार उपर उठ जाना रामकृष्ण की आध्यात्मिक क्षमता और दूरदर्शिता को ही प्रकट करता है। रामकृष्ण का मन पढ़ाई में न लगता देख इनके बड़े भाई इन्हे अपने साथ कलकत्ता ले आये और अपने पास दक्षिणेश्वर में रख लिया। यहां का शांत एवं सुरम्य वातावरण रामकृष्ण को अपने अनुकूल लगा। 1858 में इनका विवाह शारदा देवी नामक पांच वर्षीय कन्या के साथ सम्पन्न हुआ। जब शारदा देवी ने अपने अठारहवें वर्ष मे पदार्पण किया तब श्री रामकृष्ण ने दक्षिणेश्वर के अपने कमरे में उनकी षोड़शी देवी के रुप में आराधना की। यही शारदा देवी रामकृष्ण संघ में माताजी के नाम से परिचित हैं। रामकृष्ण परमहंस के पास जो कोई भी जाता वह उनकी सरलता, निश्चलता, भोलेपन और त्याग से इतना अभिभूत हो जाता कि अपना सारा पांडित्य भूलकर उनके पैरों पर गिर पड़ता था। गहन से गहन दार्शनिक सवालों के जवाब भी वे अपनी सरल भाषा में इस तरह देते कि सुनने वाला तत्काल ही उनका मुरीद हो जाता। इसलिए दुनियाभर की तमाम आधुनिक विद्या, विज्ञान और दर्शनशास्त्र पढ़े महान लोग भी जब दक्षिणेश्वर के इस निरक्षर परमहंस के पास आते तो अपनी सारी विद्वता भूलकर उसे अपना गुरु मान लेते थे।

इनके प्रमुख शिष्यों में स्वामी विवेकानन्द, दुर्गाचरण नाग, स्वामी अद्भुतानंद, स्वामी ब्रह्मानंदन, स्वामी अद्यतानन्द, स्वामी शिवानन्द, स्वामी प्रेमानन्द, स्वामी योगानन्द थे। श्री रामकृष्ण के जीवन के अन्तिम वर्ष कारुण रस से भरे थे। 15 अगस्त 1886 को अपने भक्तों और स्नेहितों को दुख के सागर में डुबाकर वे इस लोक में महाप्रयाण कर गये।

रामकृष्ण परमहंस महान योगी, उच्चकोटि के साधक व विचारक थे। सेवा पथ को ईश्वरीय, प्रशस्त मानकर अनेकता में एकता का दर्शन करते थे। सेवा से समाज

की सुरक्षा चाहते थे। रामकृष्ण का सारा जीवन अध्यात्म-साधना के प्रयोगों में बीता। वे लगातार कई घंटों तक समाधि में लीन हो जाते थे। चैबीस घंटे में बीस-बीस घंटों तक वे उनसे मिलनेवाले लोगों का दुख-दर्द सुनते और उसका समाधान भी बताते।

स्वामी रामकृष्ण परमहंस के भोले प्रयोगवाद में वेदांत, इस्लाम और ईसाइयत सब एक रूप हो गए थे। निरक्षर और पागल तक कहे जाने वाले रामकृष्ण परमहंस ने अपने जीवन से दिखाया था कि धर्म किसी मंदिर, गिरजाघर, विचारधारा, ग्रंथ या पंथ का बंधक नहीं है। रामकृष्ण परमहंस मुख्यतः आध्यात्मिक आंदोलन के प्रणेता थे। जिन्होंने देश में राष्ट्रवाद की भावना को आगे बढ़ाया। उनकी शिक्षा जातिवाद एवं धार्मिक पक्षपात को नकारती हैं।

विभिन्न धर्मों के माध्यम से रामकृष्ण के रहस्यमय अनुभवों ने उन्हें यह सिखाने के लिए प्रेरित किया कि विभिन्न धर्म पूर्ण ज्ञान और आनंद तक पहुँचने के अलग-अलग साधन हैं और विभिन्न धर्म पूर्ण सत्य की समग्रता को व्यक्त नहीं कर सकते हैं लेकिन इसके पहलुओं को व्यक्त कर सकते हैं। स्वामी रामकृष्ण परमहंस के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिये उनके परम-शिष्य स्वामी विवेकानन्द ने एक मई 1897 को बेलुड़ में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की। इस मिशन की स्थापना के केंद्र में वेदान्त दर्शन का प्रचार-प्रसार है। रामकृष्ण मिशन के उद्देश्य मानवता के सर्वांगीण कल्याण के लिए काम करना, विशेष रूप से गरीबों और दलितों के उत्थान के लिए।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Being a soldier's wife

Last weekend was my birthday, February 8. It also happens to be the month of love, the Valentine's month. It seemed to be the perfect day to offer this tribute of true love to my husband, the late Brig LS Lidder, who lost his life in the CDS chopper crash in December 2021. The tribute was in the form of a book, straight from my heart.

The book is titled 'I Am a Soldier's Wife'. Well, we got married in 1996 and I have been a soldier's wife since that glorious day… but these words were spoken right after the last rites of my husband, when I was asked by the media, and I said, "I am a soldier's wife, I must give him a smiling sendoff." Never ever have I felt this more profoundly that I need to be the soldier's wife than at that time, when the soldier was gone.This has started on a serious note, so does the book. It starts with the day when we lost him along with the others in the crash. However, like the subtitle of the book — 'The life and love of Toni Lidder' — the book is merely that.An eternal romantic at heart, I love love stories. My own is my favourite. The book is a simple story of true love — a life well lived with precious memories and moments. I always believed that Toni was special. It was after he went that I realised that he was so special to so many people… and that gave me reason to recall and record my life with him. It is a simple, no-fuss book. In fact, you will find yourself in any of the chapters. It is like the Jane and John next door. They are all relatable to any couple, especially the Army ones, for it has glimpses of life as it passes us by, station to station, box to box.Remember, I said the life and love of Toni Lidder, nowhere did I say loss. Yes, we lost him in the physical form, but three years after that day, I can say that he is always with me.These years have taught me that love may not mean togetherness. How else can you explain Radha-Krishna, or Meera-Krishna… true love is faith and devotion, something I can never be short of where Toni was concerned. True love is in the form of Nandi, who has patience, complete surrender and faith as he waits at the door of the Shiv temple, unquestioning about the appearance of the lord. True love is in the form of Hanuman, who is pleased only by the mere mention of Ramji… do you know how many times you say Ram when you chant the Hanuman Chalisa? So, love is independent of physical presence. These analogies are only to justify my faith in the universe and the plan it has for everyone.

We barely ever had an argument and I would tease him — "I love you and you love you!" When we were courting, his coursemates used to say: "Geetika talks like Lakhy. In fact, she says something and looks towards him for validation." When we got married, I was told by many elders of the paltan — "Humara sabse honhaar beta hai", until one day, our CO's wife told one of them: "Woh jaisa hai, yeh bilkul vaisi hai…." That was music to my ears.

Within 12 hours of his passing, I told myself, if I break down and shatter into pieces, it'll be pieces of him all around, so I have to collect him within me now and reflect him within me — heaven knows it that I have tried my best to live with that spirit of the soldier within me. He and his memories have ensured that I continue to live in the way that would make him proud, befitting of the Lidder way! He taught Aashna and me to grab moments, make them memories and live a life of meaning, purpose and gratitude. We continue to do that as well as we can.Yes, I have to reset my mind to think of a tomorrow without him in it, but the love we had will keep me warm forever. That love comes to Aashna and me in the form of all our friends who envelop us with their love. The purpose to each day comes from the institution where I serve — Shri Ram School gives me identity and relevance and impacting the children each day in my own small way is a humbling feeling which I am eternally grateful for. AWWA and its outreach and dependability is something that never ceases to amaze me. AWWA president Sunita Dwivedi and all other members make me feel so loved, respected and held.

A gaur-gantuan encounter in the Sahyadri reserve

We had a narrow escape when forest giant gaur attacked us in the Sahyadri Tiger Reserve

It happened on October 13, 2020, that unnerving encounter with one of those forest giants who I thought I had become quite familiar with. It happened in the Sahyadri Tiger Reserve, a little-known reserve in the northernmost frontiers of the Western Ghats.As part of my work with the Wildlife Conservation Trust (WCT), I have spent thousands of hours trekking through this beautiful landscape over the years. That morning was no different. It would be another usual survey for us. Or so we thought.We were staying at the Chandel Protection camp — five of us, a motley mix of forest staff and researchers. The morning started with the usual routine. There was a slight nip in the air that morning. Our team broke off into two. Along with forest guard Dynaneshwar Kale and forest watcher Krushna Wadan, I decided to survey an area reaching up to another camp called Siddheswar. It would be an hour's trek, up a slope, from the spot where we would park our vehicle in the forest.

The walk commenced as planned, and there onwards it was, as I said earlier, 'the usual' fare i.e. collecting data on animal signs as we came across fresh signs of gaur, wild pigs, multiple old droppings of dholes, and fresh scrape marks and scat of a leopard! Exciting, yes, but nothing out of the ordinary for me by then. We reached Siddheswar as planned, without event.

Then, once at Siddheswar, on a whim, we decided to continue our trek a bit further to a place called Siddhtek, a small grassy knoll at the crest-line of the mountain from where one can get a bird's-eye view Oh, and another thing — when you emerge frothe Konkan region.

You can imagine the view. I always have thought of such views in the Sahyadri Tiger Reserve as my reward at the end of many an arduous trek.m the thick forests on to Siddhtek knoll, your phone buzzes incessantly! Yes, network coverage — that elusive elixir for all us researchers who spend most of our field stays completely cut off from mobile connectivity. When living in such remote camps inside the forests, the buzz of phone messages gives a long-lasting dopamine high, quite unlike the incessant and instant gratification we're used to in cities.

So, we walked. About 20 minutes into our ascent to Siddhtek, everyone's phones started buzzing with messages, an indication that we were nearing the crest-line. However, since we were still on the survey, everyone desisted from viewing their phones. As we would soon find out, this proved to be a very sensible decision. We noted fresh hoof-marks of a gaur leading up along the trail. Since I was leading the walk, I momentarily stopped to look back and whisper to my teammates that we should tread carefully to the hilltop.

And then, it happened! No sooner had I whispered those words and turned back to look forward towards the trail, a huge gaur metamorphosed in front of us, barely 15m away, peering from the dense Karvi bush! In a matter of seconds, even before I could fully register what was happening, this bull charged at us at full throttle. His aim was clear — knock these intruders down! Involuntarily, I screamed to my teammates to jump to the side of the trail. We leaped immediately, almost mindlessly, even as the ground thundered under this gaur's hooves, almost as if a train engine was hurtling towards us. They say when accidents happen, in that critical moment, time slows down almost like it does in those movies. In that moment, I realised what that felt. Time slowed down, and all I saw was this startled gaur speed past me with its massive horns, barely a few centimetres away from tearing through my flesh. And then, suddenly, that slow motion reel ended and there were sounds of great commotion and crash as the gaur, having missed his target, thankfully, sped away on the trail through the bushes.

My heart was almost bursting through my chest. I remember sitting on my knees to calm myself. The others were in a similar state. We had literally just dodged death, or severe injury, at the very least. No one said a word for a few minutes. Then, and some of you may find this to be strange, we burst into laughter. We were certain the gaur was as spooked as we were. We gathered our wits, took a breather and then forged ahead — after all, the stunning view and the scores of unread messages awaited us!

Sajjan guilty

40 years after 1984 riots, it feels like injustice

The conviction of former Congress MP Sajjan Kumar for his role in the 1984 anti-Sikh riots is a grim reminder of the excruciatingly slow pace of justice in India. Over four decades after the horrific violence that claimed the lives of thousands of Sikhs, legal proceedings continue to stagger forward, offering little solace to the victims' families. A Delhi court has found Kumar guilty of murder in connection with the killings of Jaswant Singh and his son Tarundeep Singh in Delhi's Saraswati Vihar. He has also been convicted of rioting, dacoity and other crimes. Yet, this verdict, while significant, does little to erase the anguish of those who have spent a lifetime fighting for accountability. Kumar is already serving a life sentence for another 1984 case and has managed to evade justice for decades. His political influence, coupled with institutional apathy, ensured that the victims' cries were drowned in legal complexities and adjournments.

The 1984 riots were not spontaneous acts of violence but a well-orchestrated pogrom enabled by political and police complicity. The involvement of prominent Congress leaders in inciting mobs was widely alleged, yet accountability was scarce. Investigative commissions were formed, cases were reopened, but convictions remained elusive. While Kumar's sentencing may appear as a step forward, it also underscores the systemic failures that allowed perpetrators to roam free for so long.

For survivors and their families, justice delayed is justice denied. Many have passed away waiting for closure, while others live with the trauma of reliving their loss every time a long-overdue conviction makes headlines. The judiciary's role in delivering justice is crucial, but without political will and institutional reform, such delayed verdicts serve as bitter reminders of how the system protects the powerful while failing the victims.

Universe: True essence of Buddhist practice

The true heart of Buddhism lies in transformation of the mind

In my many years of sharing Buddhist teachings, I have often observed that people are drawn to the external practices of our tradition — the colourful ceremonies, the peaceful monasteries, and the rhythmic chants. While these aspects hold their own beauty and significance, I must emphasise that the true heart of Buddhism lies in something far more subtle: the transformation of the mind.Let me share with you why this is so essential. In their unique ways, all religions aim to help humans become better, more refined, and more creative. Some traditions emphasise prayer, others physical devotion. In Buddhism, we focus on the mind itself — that ever-flowing stream of thoughts, emotions and consciousness that shapes our entire life experience.

Think of it this way: these actions are relatively straightforward when you move your hand or speak a word. You can see them, measure them, and correct them quickly. But the mind? Indeed, the mind can be challenging to control. It is subtle, quick, and often seems to have a will of its own. This is why mental transformation is both the most challenging and crucial aspect of spiritual practice.I am deeply heartened to see a growing interest in Buddhism worldwide. However, what matters most is not the spread of Buddhism as a religion, but the genuine understanding of its essential teachings. Without this understanding, even the most elaborate temples or the most dedicated recitation of scriptures may miss the true purpose of Buddhist practice.Let me offer an example from everyday life. Imagine someone walking around a temple, performing the traditional circumambulation. From the outside, it appears to be a perfect act of devotion. But what is happening in their mind? Perhaps they are chatting with a friend about mundane matters, simply passing time on a long day. Or, more troublingly, they might be harbouring thoughts of revenge, planning deception, or nurturing anger. In such cases, though the body moves in circles around the sacred space, the mind moves in circles around negativity.Similarly, one may recite the holiest of mantras, but harmful thoughts may consume their mind. The mouth speaks of compassion while the heart holds onto hatred. This is why I often say that actual Dharma practice — true spiritual practice — takes place not in the monastery, but in the mind.

So, how do we train the mind? Let us consider a common human experience: anger. Anger can feel overwhelming, akin to a fire that requires nourishment. In these moments, the practice of mind transformation begins. Instead of letting anger dictate your actions, pause. Reflect rationally on the situation. Consider that the person who has sparked your anger, just like you, wishes to be happy and free from suffering. They too have known pain, confusion, and the struggle to find peace.

Ask yourself, "If I claim to follow the path of Buddhism, if I begin each day with prayers for the welfare of all beings, how can I now harbour thoughts of harm? How can I face the teachings of compassion while nursing grudges and plotting revenge?" This self-reflection is not about guilt or self-condemnation but gentle, honest awareness.Through such contemplation, you can gradually dissolve harsh attitudes and angry feelings. Like ice melting in warm water, negativity naturally subsides when exposed to the warmth of compassionate understanding. In its place, gentleness and kindness can arise naturally, born from the wisdom that sees the fundamental interconnectedness of all beings.

This is the true meaning of Dharma practice — not the external actions, but the internal transformation. When the mind is filled with virtuous thoughts, there is no room for negativity. It is like turning on a light in a dark room — the darkness cannot persist in the presence of light.

Remember, even seemingly negative situations can yield positive results when approached with a mind of kindness and wisdom. This is the profound potential of mind transformation. It is not about suppressing our thoughts or forcing ourselves to be 'good'. Instead, it is about cultivating a more profound understanding that naturally leads to compassionate action.

As you practice this transformation, be patient with yourself. The mind's habits are deep and formed over many years, but they can be changed through consistent, gentle effort. This is the journey of Buddhist practice — not a destination to reach, but a continuous awakening to our true nature of wisdom and compassion

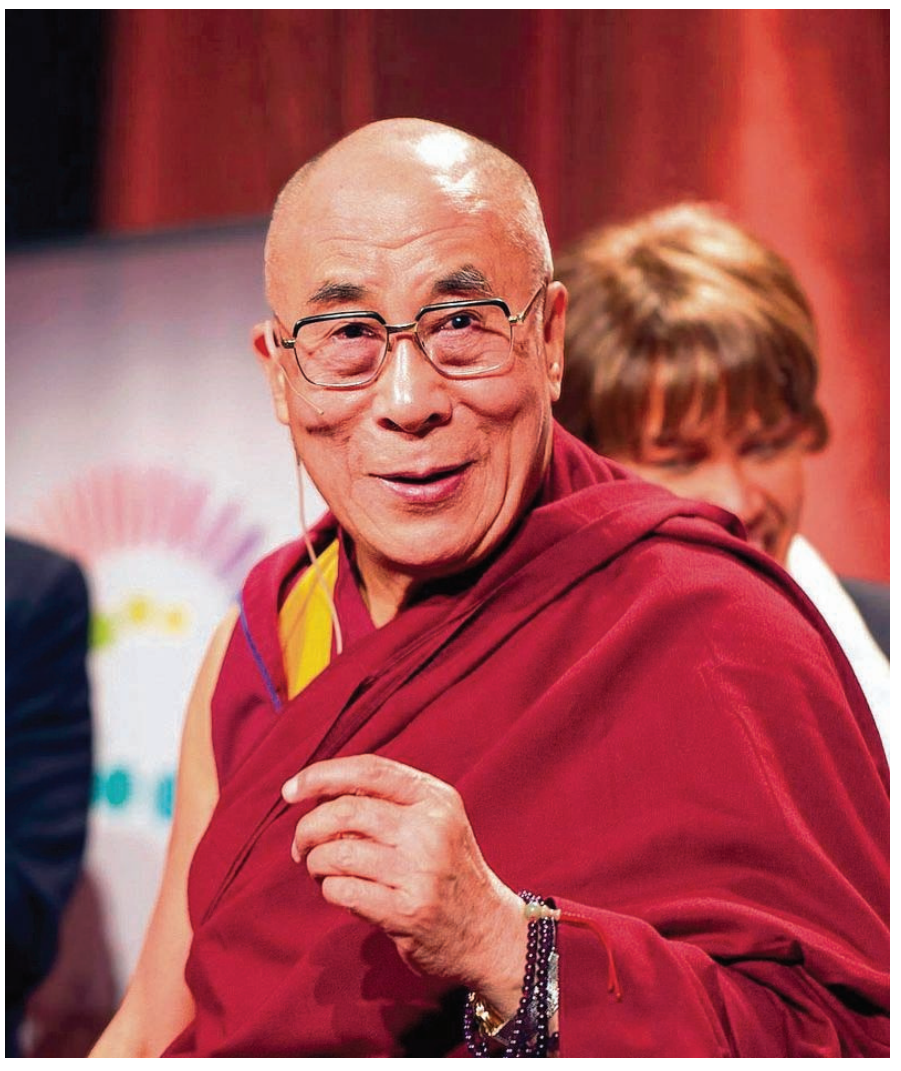

Radhika Gupta on market volatility: Bad times don't last. Good investors do

New Delhi. Radhika Gupta, MD & CEO Edelweiss Mutual Fund advised that in times of market volatility, staying calm is important. She urged investors that tough phases are temporary but good investors last.

Gupta wrote on X, "Dear Investor, Sometimes the best way to get through hell, is well, just to get through. If it feels like hell right now, remember it did in 2008 also. And 2020. And we all survived, as we always do. Bad times don't last." Her advice comes as stock markets continue to witness a downward trend, with the sell-off in smallcap and midcap stocks intensifying.

Another factor which has contributed to a dip in the equity market is the protectionist policy adopted by US President Donald Trump. His announcement to levy reciprocal tariff policies is expected to impact trade relationships with India, which relies on the US as a big market for exports. Moreover, the decline has been aggravated by foreign institutional investors withdrawing investments and lower than expected Q3 earnings.

Radhika Gupta supported systematic investment plans (SIP) and compared them to a marathon. She stated that in a marathon it's not the speed but the consistency which matters that leads to success. She said that let the SIP compound and grow over time, and urged investors not to give up midway.

As market volatility continues, the Nifty Smallcap 250 index has fallen to nearly 20% this year, with about 10% of those losses happening in the last week. The Nifty Midcap 150 has also struggled, dipping by about 15% in 2025, including a 7% decline in the previous week.

Markets down, volatility up: 3 factors making Dalal Street investors nervous

New Delhi. The hustle and bustle of Dalal Street has taken on a more sombre tone lately. India's stock market, the darling of global investors for much of the past decade, seems to be facing its most serious test in recent memory. Domestic equities were riding high on a wave of optimism just a few months ago. Retail investors flocked to the market in unprecedented numbers, mutual fund inflows hit record levels, and foreign investors couldn't get enough of India's growth story.

The NSE Nifty50 has stumbled, dropping 3.2% in just eight trading sessions and slipping below the psychologically important 23,000 mark. The Sensex tells a similar tale of woe, falling over 3% to fall below 76,000.

While the benchmark indices have managed to rebound after sinking nearly 1% in early trade, volatility has kept market investors on the edge, with deep cuts in broader market indices.

SMALLCAP AND MIDCAP STOCKS SINK

The once-soaring smallcap stocks have now officially entered bear market territory. Midcap stocks aren't faring much better at the moment.

The downturn in the broader market has been likened to a sobering reality check on valuations. For years, smallcap and midcap stocks commanded premium prices based on the promise of explosive growth. However, experts indicate that there is not enough growth to justify such lofty valuations. Shridatta Bhandwaldar of Canara Robeco Mutual Fund, said, "Large-cap valuations have corrected to fair levels, currently trading at around 18.5 times FY27 earnings. However, midcaps and smallcaps remain 15-20% above historical averages." He noted that the broader market may go through a time correction over the next few quarters.

TCS to issue hike letters soon; salary raise likely between 4-8%: Report

New Delhi. Tata Consultancy Services (TCS), India's largest IT services company, is set to roll out its annual salary hikes for FY25 in March, with the revised pay expected to be credited from April onwards, according to a report by The Economic Times (ET).

The salary increments are expected to be between 4-8%, as per the report. TCS is not the only IT giant implementing salary hikes. Infosys, the second-largest IT company in India, has informed employees that it will issue compensation revision letters before the end of March.

The company is currently finalising salary increases based on recommendations received from delivery units. Reports suggest that Infosys employees may get hikes in the range of 5-8%.

The annual salary hikes at leading IT firms have gradually reduced over the years. During the Covid-19 period, when IT firms experienced a boom in business, hikes were often in double digits. However, in the last two years, increment percentages have dropped to single digits.

In FY24, TCS employees received an average hike of 7-9%, while in FY22, the hikes were around 10.5%. The slower growth of the IT industry and global economic concerns have affected salary increments across major firms.

Apart from company performance, TCS has also linked salary hikes and variable payouts to employees' compliance with its return-to-office (RTO) mandate. The company made it mandatory for employees to return to the office in early 2024, and those who complied are more likely to receive higher increments.

A TCS employee said, "We have been informed that the hikes will be around 4-8%. Business units that performed well typically get better hikes, but overall, the increments have not been very high."

The company has not issued an official statement regarding salary hikes.

PM SVANidhi scheme: Know about eligibility and Rs 30,000 credit cards

PM SVANidhi scheme eligibility: Finance Minister Nirmala Sitharaman in her Budget 2025 speech announced providing credit cards under the PM SVANidhi scheme.

New Delhi. PM SVANidhi scheme, launched in 2020 during the COVID-19 pandemic, is a micro-credit scheme. It aimed to help street vendors and small shop owners who suffered financial setbacks during the COVID-19 lockdown to restart their businesses and improve their lives. The scheme was introduced by the Ministry of Housing and Urban Affairs and offers collateral-free and affordable loans. Under this scheme, the loans are provided in three cycles. In the first cycle, the maximum loan which can be extended is Rs 10,000, followed by Rs 20,000 and then Rs 50,000 in the third cycle. The time of repayment of these loans is different.

It is pointed out that timely repayment of loans under this scheme helps in getting higher loans in the next cycle. Also, Rs 1200 cash back is rewarded annually for timely loan repayment. Additionally, a 7% annual interest subsidy is provided to the borrower for timely repayment of the loan. Any street vendor, selling fruits, vegetables, and ready-to-eat street food, or providing services like barbershops and laundry and who is working in urban areas on or up to March 24, 2020 is eligible for the scheme. In fact, Finance Minister Nirmala Sitharaman in her Budget 2025 speech announced providing credit cards under the PM SVANidhi scheme.

She said, "PM SVANidhi scheme has benefitted more than 68 lakh street vendors, giving them respite from high-interest informal sector loans. Building on this success, the scheme will be revamped with enhanced loans from banks, UPI linked credit cards with 30,000 limit, and capacity building support."The required KYC documents for availing the benefit under this scheme are an Aadhaar card and voter ID card. Other acceptable documents are PAN card, a driving licence or MGNREGA card.

Is your money safe in co-operative banks safe? RBI's latest curbs raise concern

New Delhi. Mumbai-based New India Co-operative Bank Ltd. was recently subject to stringent regulations from the Reserve Bank of India (RBI) that prevented depositors from taking their money out.

Concerns over the lender's financial stability and a potential Rs 122 crore scam prompted the central bank's action. This incident has added to the growing list of cooperative banks facing regulatory action.

Similar action was taken by the RBI against Punjab and Maharashtra Co-operative (PMC) Bank in 2019 following the discovery of a loan fraud that abruptly prevented over 17 lakh depositors from accessing their savings.

The repeated troubles in co-operative banks raise a pressing question: Are depositors' funds truly safe

Chartered accountant Chirag Chauhan believes the risks far outweigh any benefits, clearly saying that money in co-operative banks is not safe and secure.

"Only individuals with limited knowledge tend to park their funds in co-operative banks, sometimes in exchange for a slightly higher interest rate of 0.50%. However, this small benefit is not worth the risk," Chauhan said on social media platform X.

"Your money is safe only in public sector banks (PSUs), even during crises. For example, Punjab National Bank (PNB) did not default on deposits during tough times, as PSU banks are backed by the government," he added. Chauhan also urged the RBI to implement stricter regulations for co-operative banks "to protect depositors from suffering losses".

NEW INDIA CO-OPERATIVE BANK CASE

Citing worries over liquidity and financial health, the RBI barred the Mumbai-based bank from making new loans, taking in new deposits, or permitting withdrawals for six months.

The RBI clarified that the bank is no longer able to make new investments, borrow money or take on new deposits, issue or renew loans and advances, pay out payments to settle debts or obligations, sell, transfer, or otherwise get rid of any of its assets.

Additionally, current and savings customers of the bank will not be permitted to take money out of their accounts. Just a couple of days after the RBI announced restrictions against the bank, the Mumbai Police accused the former general manager of New India Co-operative Bank Limited of taking out Rs 122 crore from the bank while he was employed there.

India Inc sees worst quarter in 5 years: What it means for stock market?

New Delhi. The stock market has been volatile and has seen a downward trend, correcting nearly 12% from its all-time highs. Dalal Street continued to struggle on Monday, with the Sensex falling close to 700 points while the Nifty dropped nearly 200 points. Although the benchmark indices recovered later in the day, the Sensex was still down 200 points at the time of writing.

One of the key reasons behind this stock market decline is the poor Q3 earnings of India Inc, which have affected investor sentiment.

INDIA INC REPORTS WEAKEST EARNINGS IN YEARS

The recently concluded Q3 earnings season has been the weakest for India Inc since the first quarter of FY21, according to a report by domestic brokerage firm Motilal Oswal.

The quarter saw the Nifty reporting a 5% year-on-year (YoY) growth in profit after tax (PAT) for the third straight quarter, marking a slowdown in earnings growth.

Motilal Oswal's report said, "The Q3 FY25 corporate earnings scorecard was modest, driven mainly by the banking, financial services, and insurance (BFSI) sector, with positive contributions from technology, telecom, healthcare, capital goods, and real estate."

The growth was led by the BFSI sector, which saw an 11% YoY increase in earnings, with public sector banks performing even better at 24% YoY growth. Other sectors such as technology (9% YoY), telecom (a profit of Rs 900 crore compared to a loss of Rs 3,500 crore), healthcare (25% YoY), capital goods (20% YoY), and real estate (60% YoY) also contributed to overall earnings growth.

SEVERAL SECTORS SEE A SHARP DECLINE

However, some sectors reported a decline in earnings, affecting overall growth. The oil and gas sector saw profits drop by 11% YoY, mainly due to a fall in earnings of oil marketing companies (OMCs), which recorded an 18% decline in profit. Other struggling sectors included cement, where earnings dropped by 55% YoY, chemicals, which saw a 12% fall, and consumer goods, which declined by 5%.

The report also noted that within the companies it covers, 44% failed to meet earnings expectations, while only 28% reported better-than-expected profits. "For our universe of companies, the ratio of earnings upgrades to downgrades has weakened for FY26 estimates. While 37 companies saw their earnings estimates raised by more than 3%, a significant 137 companies saw downgrades of more than 3%," the report said.

Senco Gold share price tumbles 32% in 2 sessions. Here's what brokerages say

New Delhi. Shares of Senco Gold continued to decline on Monday, crashing 14.8% to Rs 304.50 on the Bombay Stock Exchange (BSE) after its weak third-quarter performance made investors nervous. The jewellery retailer's shares have declined as much as 32% in just two sessions.The sell-off started on February 14 after the company reported its quarterly numbers showing profits plunged 69.3% to Rs 33.48 crore compared to Rs 109.32 crore a year ago. Even on an adjusted basis, profits halved to Rs 53.74 crore despite healthy revenue growth.While sales grew 27.3% to Rs 2,102.55 crore, profitability took a hit from multiple factors. The company cited hefty customs duty-related inventory losses of Rs 276 crore and gold price hedging costs exceeding Rs 500 crore for the margin erosion.

Gross margins contracted sharply by 740 basis points to 11.3%. "We remain confident in achieving a 7%-8% EBITDA margin annually, excluding any one-off events," said CFO Sanjay Banka, attributing the weak margins to customs duties while projecting improvement ahead.

Several brokerages have downgraded the company's stock after poor Q3 results. Motilal Oswal has downgraded the stock to 'neutral' from 'buy', though it sees a 31% upside potential with a Rs 400 target price.

The brokerage has slashed earnings estimates by 25-30% for FY25-27, flagging concerns over margin volatility and slower same-store sales growth versus peers. Emkay Global has cut its target price by 23% to Rs 600, but maintained a more balanced stance.

"Senco's reported Q3 EBITDA missed our estimate by about 500bps. However, most of the miss was led by hedging loss in the current quarter and hedging gain in the base quarter," the brokerage noted.

It is worth mentioning that the stock has now corrected nearly 50% from its 52-week high, which Emkay believes might be a bit excessive.

"An assuring explanation for the margin volatility should be the key catalyst for a re-rating," the brokerage added. The sharp correction has also dented Senco's longer-term returns. The stock has dropped over 43% in six months and over 19% over the past year.

Government may set up reserve fund for stable EPFO interest rates: Report

The labour and employment ministry is conducting an internal study to explore the creation of an interest stabilisation reserve fund under the EPFO, sources said familiar with the matter.

- **Government plans EPFO reserve fund to ensure stable interest rates**
- **Move aims to shield 65 million subscribers from market fluctuations**
- **EPFO interest rate history shows gradual declines and fluctuations**

New Delhi. The government is exploring ways that will offer Employees Provident Fund Organisation (EPFO) members with consistent interest rates, thereby shielding them from market volatility, reported The Economic Times.

The move aims to benefit over 65 million subscribers, who rely on EPFO for their retirement security, said the officials quoted in the report. The labour and employment ministry is conducting an internal study to explore the creation of an interest stabilisation reserve fund under the EPFO, they added.

One of the officials mentioned that the EPFO aims to safeguard its subscribers from fluctuations in the returns on its investments across multiple instruments, including exchange traded funds.

He added that with the establishment of the interest stabilisation reserve fund, EPFO subscribers can expect a stable interest payout on their provident fund deposits.

Another official quoted in the ET report said the plan is to set aside surplus interest every year to create a reserve fund. This would ensure that subscribers would get steady interest rates, even when EPFO's interest income declines. The move will help negate any sharp fluctuation in interest rates owing to market fluctuations, he added.

The initiative, though in its nascent stage, could be finalised later this year. Upon the approval by the central board of trustees of the EPFO, it may be implemented from 2026-27.

New crowd control plan after Delhi stampede: Focus on 60 stations, use of AI

NEW DELHI. The central government will build permanent holding zones to handle the extra rush of passengers at 60 high-traffic railway stations and use Artificial Intelligence (AI) for crowd and crisis management, sources told India Today TV. This comes after 18 people died in a stampede at the New Delhi railway station that was triggered due to a sudden rush of Maha Kumbh devotees catching trains towards Prayagraj.Local officials will receive training in situational awareness and crisis management, sources said. For directional assistance, arrows and separators will be created to guide passengers towards the designated holding areas, they added.

Sources said the use of technology, including AI, will be used to monitor crowd movement, especially during train delays. As many as 35 stations connected to Prayagraj will be monitored by the central war room, they said.

Cameras will monitor people sitting on foot over bridges and staircase landing areas as part of crowd control measures, sources said, adding that 200 CCTVs have been installed at the New Delhi railway station alone.As many as 90 per cent of devotees heading for the Maha Kumbh travel from a 300 km radius across four states, leading to specific monitoring efforts at busy stations, according to sources.

The Railways will run a special campaign to identify the problems related to overcrowding and will take feedback from passengers, coolies and shopkeepers, they said.

NEW DELHI STATION STAMPEDE

The stampede occurred around 10 pm on Saturday night when a sea of passengers, confused by a mix-up in train announcements, rushed towards platform 16 via a narrow stairway at the New Delhi railway station.

Trapped between those trying to move up and others trying to descend, the crowd turned into a human bottleneck. Within minutes, panic spread, and people began falling, leading to a horrifying crush.

Some sources said delays in train departures and the sale of over 1,500 general tickets every hour at the railway station may have created a chaotic situation.A high-level committee has been formed by the Railway Ministry to investigate the stampede. The committee, including two high administrative group officials, has begun examining CCTV footage and other documents, while others are conducting enquiries. The report is expected to be submitted soon.The Railways has announced compensation of Rs 10 lakh for the families of those killed, Rs 2.5 lakh for those seriously injured and Rs 1 lakh for those with minor injuries.

In the wake of the stampede, no counter sale of platform tickets won't be available at the New Delhi station till February 26, the day when the Maha Kumbh ends. However, platform tickets are being sold at automatic vending machines installed at the station.The Northern Railways said all special trains towards Prayagraj will be run from platform number 16. All passengers wanting to go to Prayagraj will come and go from the Ajmeri Gate side of the station.

Fear, sorrow dampen Kumbh spirit at Platform No. 16

NEW DELHI. The evening air at New Delhi Railway Station was thick with poignancy, as if it bore the weight of scores of dreams crushed beneath thousands of merciless feet.The crowd on Platform number 16 was restless, and a thick rope was stretched to control the flow of people. Police officers stood at regular intervals, closely monitoring the passengers, while paramilitary personnel moved between platforms, determined to prevent another tragedy. The atmosphere was laden with fear and sorrow.Announcements echoed throughout the station, repeatedly informing passengers bound for Prayagraj that their trains would depart from Platform number 16. Other trains continued to run as scheduled to avoid overcrowding, but unease lingered.

At the entrance, security was strict. Ticket checkers examined every ticket, allowing only those with Prayagraj bookings. Others were redirected to separate entrances. RPF officers inspected every bag, their eyes scanning for anything that might signal trouble. The intensity of the security checks reflected the desperate attempt to avoid another disaster.

On Platforms 14 and 15, the ghosts of chaos lingered.Parents kept a firm grip on their little ones, scolding them at the slightest movement. People clutched railings, their expressions filled with anxiety. The trauma of the night still hung in the air.

Just last night, panic had erupted there. A massive crowd of Maha Kumbh pilgrims surged forward, colliding into each other in confusion and fear. And 18 people lost their lives.Media crews swarmed the platforms, their cameras capturing every tense face. They sought reactions from stall owners and shopkeepers, hoping to piece together the moments leading to the tragedy.

Nearby, a water stall owner wiped bottles briskly, avoiding eye contact. "I have been on TV all afternoon. Don't ask me anything," he snapped, mistaking a customer for a reporter.

Goa man sent to life in jail for 2017 rape-murder of Irish-British tourist

New Delhi. A Goa court on Monday sentenced 31-year-old Vikat Bhagat to life in prison in connection with the rape-murder of an Irish-British tourist in 2017.After a lengthy trial of eight years, the Margao Principal District and Sessions Court held Bhagat guilty of the rape-murder of the 28-year-old Irish-British tourist. He was charged with murder, rape, robbery and destruction of evidence.The body of an Irish-British tourist was discovered in a secluded field in Goa's Canacona. As per the prosecution, the convict lured the unsuspecting

tourist to the isolated spot between 10 pm and 7 am.

According to the autopsy, the victim suffered severe brain damage and neck constriction, leading to her death. The autopsy report further revealed significant injuries to the face and the head.

The prosecution also found key physical evidence tying Bhagat to the crime scene -- injury marks on the thigh and groin of the accused and blood of the victim found on the accused's shirt and two-wheeler.The additional discovery of a backpack with bloodstained clothes recovered near the accused's Cancona residence strengthened the prosecution's case further.

Tight security, barricaded gates at Lok Nayak hospital after New Delhi railway station stampede

NEW DELHI. On Sunday, the emergency ward of Lok Nayak Hospital (LNJP) was transformed into a high-security zone as the aftermath of the tragic stampede at New Delhi Railway Station reached its doors, bringing a flood of patients, wailing families and an unprecedented police presence.

The Delhi government's largest trauma centre turned into the epicentre of the unfortunate tragedy that led to a loss of 18 lives, many among them were children. At the hospital's emergency, security personnel stood at every corner, their alert eyes scanning everyone who approached. Entry was strictly regulated and every attendant and patient faced intense scrutiny, papers checked before they could step inside.Even within the emergency unit, uniformed officers were stationed every few metres, monitoring the chaos unfolding before them.

Journalists were kept at bay, their access restricted as authorities attempted to manage the chaos. A separate gate was allocated exclusively for the stampede victims.

As ambulances pulled in one after another, stretchers rushed past in a flurry of medical urgency. Most of the hospital's medical staff was redirected to prioritise these critical patients, leaving others in distress. Sunita, a mother who had travelled from Hindu Rao Hospital with her seven-year-old child, stood anxiously in a corner, her voice laced with frustration and helplessness."We've been here for three hours. Hardly any attention has been given to my child," she said, her eyes darting around, searching for someone who could help. Inside the ward, doctors and nurses worked tirelessly with exhaustion apparent in their worried faces and hurried movements.

PM adviser calls USAID 'biggest scam' as DOGE cuts India's 'voter turnout' funds

New Delhi. Economist Sanjeev Sanyal, a member of the Prime Minister's Economic Advisory Council, has commented on the Elon Musk-led Department of Government Efficiency's (DOGE) announcement to slash US funding worth $21 million for India to increase "voter turnout". In response, Sanyal called USAID the "biggest scam in human history".

In its announcement on Sunday, DOGE, established under the Donald Trump administration to oversee and cut government spending, said it decided to slash $723 million in foreign aid

funding as part of its broader budget overhaul plans. The funding included the $21 million grant for India and also a $29 million programme to strengthen Bangladesh's political landscape.

Taking to X, Sanyal said, "Would love to find out who received the US$21mn spent to improve 'voter turnout in India' and the US$29mn to 'strengthening political landscape in Bangladesh'; not to mention the US$29mn spend to improve 'fiscal federalism' in Nepal. USAID is the biggest scam in human history."Founded in 1961, USAID has an annual budget of more than $40 billion, used to support development, health and humanitarian programmes around the world, especially in poor countries. Shortly after he returned to office, President Donald Trump ordered a near-total freeze on all foreign aid, with Musk also announcing DOGE's intention of shutting down USAID.

Gaffe machine Sam Pitroda says China issue 'blown out of proportion', blames US

New Delhi. Indian Overseas Congress chief Sam Pitroda said the India-China border dispute has been "blown out of proportion" because the US "has the habit of defining an enemy". His comments came in response to US President Donald Trump's offer to mediate in the issue during Prime Minister Narendra Modi's visit to Washington last week.

"I don't understand the threat from China. I think this issue is often blown out of proportion because the US has the habit of defining an enemy. I believe the time has come for all nations to collaborate, not confront," the veteran Congress leader said while speaking to a news agency.Trump's offer to mediate was, however, rejected, with Foreign Secretary Vikram Misri saying that India would adopt a bilateral approach when it comes to dealing with the neighbouring Asian giant.

Pitroda also decried India's approach to the border issue, saying that "it has been confrontational from the beginning", adding that this sort of "attitude creates enemies"."We need to change this pattern. To assume that China is the enemy is not fair. Not just to China, but to everyone. It is time for us to learn to increase communication. Collaborate, cooperate and co-create and not just command and control," he added.During his joint press conference with Prime Minister Modi

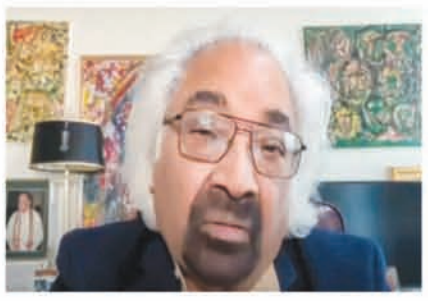

on February 13 at the White House, President Trump was asked about how the ties between India and the US would counter China.

In response, he said, "I think we are going to have a very good relationship with China. China is a very important player in the world. I think they can help us get this war over with Ukraine and Russia.""And I look at India, I do see the skirmishes on the border, which are quite vicious, and I guess they will continue to go on. If I could be of help, I'd love to help, because that should be stopped. That's been going on for a long time, and it's quite violent. But I hope that China and India and Russia and the US and all of us can get along. It's very important," Trump stressed.Reacting to Trump's offer, Foreign Secretary Misri reiterated that India has maintained a bilateral approach in handling its disputes, including those with China."Whatever issues we have with any of our neighbours, we have always adopted a bilateral approach to dealing with these issues. It's no different between India and China. We have been discussing any issues that we have with them on a bilateral plan, and we will continue to do so," he added.Since the 2020 Galwan Valley clashes, ties between India and China have remained tense.Last year, after a series of extensive dialogue between the two sides, the neighbouring nations agreed on a breakthrough disengagement process along the Line of Actual Control in Eastern Ladakh.

Ex-poll body chief Quraishi denies US funding claim for voter turnout in India

New Delhi. Former Chief Election Commissioner (CEC) of India SY Quraishi refuted reports that the United States provides funding for boosting voter turnout in India and termed the reports "completely false and malicious". His reaction came after Elon Musk-led Department Of Government Efficiency (DOGE) announced on Sunday that it is cancelling $21 million grant to India for "voter turnout".“The report in a section of Media about an MoU by ECI in 2012 when I was CEC, for funding of a certain million dollars by a US agency for raising voter turnout in India does not have an iota of fact," the former CEC said in a post on X.

SY Quraishi served as 17th Chief Election Commissioner of India from 30 July 2010 to 10 June 2012.

He added that there was a MOU with IFES in 2012 when he was CEC like they had with many other agencies and Election Management Bodies "to facilitate training for desirous countries at ECI ‘s training and resource centre, IIIDEM, which was very new at that stage."Quraishi clarified that there was no financing or even promise of finance involved in MoU, and it was made clear in the MoU that there would be no financial and legal obligations."There was no financing or even promise of finance involved in MoU, forget X or Y amount. The MoU in fact made it clear in black and white that there would be no financial and legal obligation of any kind on either side. This stipulation was made at two different places to leave no scope for any ambiguity. Any mention of any funds in connection with this MoU is completely false and malicious," he said.

BJP ASKS 'WHO GAINS?'

Soon after DOGE shared the post with the announcement of fund cuts amid the budget overall under Donald Trump's administration, the Bharatiya Janata Party (BJP) reacted to it questioning "who gains" from this "external interference in India's electoral process".BJP IT Cell head Amit Malviya wrote, “$486M to the “Consortium for Elections and Political Process Strengthening,” including $22M for "inclusive and participatory political process" in Moldova and $21M for voter turnout in India. $21M for voter turnout? This definitely is external interference in India's electoral process. Who gains from this? Not the ruling party for sure!"

'Never experienced such tremors before,' residents say as 4.0 magnitude earthquake hits Delhi

Hours after the tremors were felt in Delhi, an earthquake of 4.0 magnitude hit Bihar, the National Centre of Seismology informed.

NEW DELHI. An earthquake of 4.0 magnitude rocked parts of Delhi-NCR early on Monday, causing widespread panic among residents.The epicentre was located near Dhaula Kuan, a bustling area in the city, sending vibrations through buildings and rattling nerves. The shaking produced sounds reminiscent of a high-speed vehicle passing underneath, alarming those still asleep.

There were no immediate reports of any damage or injuries. The earthquake, with its epicentre in New Delhi, struck at a depth of five kilometres at 5:36 am, it said in a post on X.

Hours later, an earthquake of 4.0 magnitude was reported in Bihar at around 8.27 am.According to the National Centre of Seismology, the epicentre of the quake which originated from just 10 km under the earth's surface, was in Bihar's Siwan district.No damage or casualties have been reported from Bihar so far.In Delhi, the tremors caused people to rush out of their homes in fear.

"It felt like the ground was moving beneath me," said Devendra Singh, a resident of central Delhi."I couldn't believe it was an earthquake," he added.

The tremor was also felt across various parts of the city, including South Delhi, East Delhi, and parts of Noida.Mohan Kumar, a doctor residing in Mayur Vihar Phase 1, shared his terrifying experience: "My wife and I were so scared that she began shivering in fear. We both rushed outside immediately."

The epicentre of the tremor was near Durgabai Deshmukh College of Special Education in Dhaula Kuan, an official told PTI.That region, which has a lake nearby, has been experiencing smaller, low-magnitude quakes once every two to three years.

It recorded an earthquake of 3.3 magnitude in 2015, he said.A loud sound was also heard when the earthquake hit, the official added.Prime Minister Narendra Modi said in a post on X, "Tremors were felt in Delhi and nearby areas. Urging everyone to stay calm and follow safety precautions, staying alert for possible aftershocks. Authorities are keeping a close watch on the situation."Visuals from PTI Videos showed people waiting outside their homes across Delhi-NCR, fearful of any aftershock.Anil Kumar, a resident of Sita Ram Bazar, said he never experienced such tremors before.

"When I woke up, I felt a strong vibration and got scared. My wife and I immediately woke up our child and rushed outside," Kumar said."I am a heart patient, so I panicked even more," he added.Ratanlal Sharma, who was waiting at New Delhi railway station for a train to Prayagraj, said he was at the platform when he felt a sudden jolt.

"It felt like a train suddenly came to a screeching halt," he said.A resident of a high-rise in Ghaziabad said the tremors were so strong that everyone rushed downstairs in panic.

In a post on X, The Delhi Police said, "We hope you all are safe, Delhi!" It also urged citizens to call on the emergency 112 helpline for emergencies.AAP leader Atishi said on X, "A strong earthquake just hit Delhi. I pray to God that everyone is safe."

NEWS BOX

Over 40 people killed in Mali mine collapse

World Forty-two people, mostly women, were killed and many injured after an artisanal gold mine collapsed in western Mali on Saturday, the head of an industry union said.

The accident took place near the town of Kenieba in Mali's gold-rich Kayes region. It is the second major accident this year in the French-speaking West African country, which is one of Africa's top three gold producers.The prefect of Kéniéba, who represents the government in the locality, confirmed the incident. "The death toll of 42 should be definitive, It was a landslide at a site run by Chinese nationals," Mohamed Dicko told The Associated Press on Sunday.

This is the second time in less than a month that such an accident has occurred in Mali. On January 29, a landslide killed several gold miners, mostly women, in the Koulikoro region in the south of the country.

In January last year, an unregulated gold mine collapsed near the capital, Bamako, killing more than 70 people.

In recent years, there have been concerns that profits from unregulated mining in northern Mali could benefit extremists active in that part of the country."Gold is by far Mali's most important export, comprising more than 80% of total exports in 2021," according to the International Trade Administration of the U.S. Department of Commerce. It says more than 2 million people, or more than 10% of Mali's population, depend on the mining sector for income.Artisanal gold mining is estimated to produce around 30 tons of gold a year and represents 6% of Mali's annual gold production.

Seals Can Act As 'Smart Sensors' For Monitoring Fish Population: Study

California.A new study by marine biologists reports that seals can essentially act as 'smart sensors' for monitoring fish populations in the ocean's eerily dim 'twilight zone.' Over the past 60 years, marine biologists at UC Santa Cruz have monitored the behaviour of northern elephant seals that journey to nearby Ano Nuevo Natural Reserve.

With the seals gathering on the beach by the thousands to breed and moult, generations of researchers have been able to amass more than 350,000 observations on over 50,000 seals.Roxanne Beltran is next in line to lead the project, and her new study being published on February 14 as the cover story for Science reports that seals can essentially act as "smart sensors" for monitoring fish populations in the ocean's eerily dim "twilight zone."This is the layer of water between 200 and 1,000 meters below sea level, where sunlight penetration all but stops, and which today's ocean monitoring tools cannot easily reach.

Ships and floating buoys only allow measurements of a tiny fraction of the ocean, while satellites can't measure below the surface where fish occur.

Importantly, this zone holds the majority of the planet's fish biomass. Because this is also where the seals feed, seals whose foraging success is tracked can provide a previously impossible way to measure the availability of fish populations across a vast ocean.

This, Beltran said, represents a significant discovery because humans are considering harvesting these fish populations to satisfy humanity's ever-increasing need for protein-rich foods.

1 Accused, 299 Victims: French Surgeon On Trial For Sexual Assault

Rennes, France. A former surgeon goes on trial later this month charged with raping or sexually assaulting almost 300 former patients, most of them children and many of them unconscious at the time, over quarter of a century across western France. The sheer scale and horror of the allegations against Joel Le Scouarnec, 74, means his four-month trial, due to start on February 24, is likely to have an immense impact at home and abroad.And it will have added resonance coming two months after Frenchman Dominique Pelicot was convicted of enlisting dozens of strangers to rape his heavily sedated then-wife Gisele Pelicot, a case that made her a feminist hero worldwide.

In this case, Le Scouarnec is the sole defendant accused of crimes against hundreds of victims.The trial in the city of Vannes in Brittany will be held in public but seven days of testimony from victims who were targeted while minors will be behind closed doors.

"Mr Le Scouarnec has generally acknowledged his involvement in many of the events in question" as well as his "concealment strategies", said regional prosecutor Stephane Kellenberger.The average age of the victims is 11 but the former surgeon is also accused of raping a one-year-old and sexual assaulting a 70-year-old.He allegedly committed the sexual violence between 1989 and 2014 when he worked at a dozen medical institutions in western France.Le Scouarnec is being tried for 111 rapes and 189 sexual assaults, aggravated by the fact that he abused his position as a doctor and mostly targeted children.In total, 256 victims out of the 299 were younger than 15.If convicted, Le Scouarnec faces a maximum sentence of 20 years in prison -- French law does not allow sentences to be added together even when there are multiple victims.The former doctor is already in prison after being sentenced in December 2020 to 15 years for raping and sexually assaulting four children, including two of his nieces.Many victims were traumatised when they learnt of the events, sometimes decades later. Not all of them will take part in the trial but many say they expect the proceedings to provide explanations.The authorities began investigating Le Scouarnec in 2017 after a six-year-old girl who lived in the same neighbourhood in the southwestern town of Jonzac alleged he had raped her.The initial inquiry uncovered the assaults on his nieces and a four-year-old patient all committed in the 1990s and he was handed 15 years in prison for these crimes in December 2020.

European leaders regroup in Paris for strategy huddle after Trump diplomatic blitz on Ukraine

PARIS. French President Emmanuel Macron called leaders from key European Union nations and the United Kingdom to his ornate Elysee Palace on Monday for an emergency meeting on how to deal with the U.S., a once rock-solid partner.The move follows a weeklong diplomatic blitz on Ukraine by the Trump administration that seemed to embrace the Kremlin while it cold-shouldered many of its age-old European allies.Despite belligerent warnings for months ahead of Donald Trump's reelection as U.S. president, EU leaders publicly ignored the ominous forebodings and somehow hoped Trump would stand side by side with Europe, as it would finally start to act on beefing up its defences and become less reliant on the firepower of Washington.But a flurry of speeches by Vice President JD Vance and Defense Secretary Pete Hegseth during their initial visits to Europe last week questioned both Europe's security commitments and its fundamental democratic principles. Macron said their stinging rebukes and threats of non-cooperation in the face of military danger felt like a shock to the system.

The tipping point came when Trump decided to upend years of U.S. policy by holding talks with Russian President Vladimir Putin in hopes of ending the Russia-Ukraine war. Then, Trump's special envoy for Ukraine and Russia on Saturday all but ruled out the inclusion of other Europeans in any Ukraine peace talks.Annalena Baerbock, Germany's foreign minister, called the week "an existential moment. It's a moment where Europe has to stand up." It is where Macron hopes to step in with Monday's meeting. Even if Jean-Noël Barrot, Macron's foreign minister, sought to play down the significance of the emergency huddle of Europe's main leaders, the weekend scramble to set up the meeting underscored something much more fundamental.Ever since World War II, the United States and Western European

nations have basically walked in lockstep as they confronted the Soviet Union during the Cold War right up to the increasingly aggressive actions of current-day Russia close to its borders. Even if there had long been U.S. complaints about the reluctance of many European NATO nations to step up their defense efforts, they never boiled up to the political surface as they have over the past few days.On Monday, Macron will have afternoon talks with the leaders of Germany, the United Kingdom, Italy, Poland, Spain, the Netherlands, Denmark and the European Union on how to deal with Europe's security quandary. NATO Secretary General Mark Rutte will also attend.French officials said no firm decisions are expected to emerge beyond a show of unity of European leaders."There is a wind of unity blowing over Europe, as we perhaps have not felt since the COVID period," said Barrot, referring to the pandemic in 2020 when the 27 EU nations had to stand side by side to stave off a health catastrophe.European nations are bent on boosting Ukraine where they can, and EU nations see eye to eye when it comes to upping defence spending. However, even if there is a consensus to move beyond the goal of spending 2% of gross domestic product on defence, it is hardly clear how to get to 3%.Some EU nations are insisting on an agreement on joint borrowing for massive defense projects, while others are insisting it is the task of the nations that lag in spending to get to the 2% threshold first.

DeepSeek removed from South Korea app stores pending privacy review

JOHANNESBURG. Chinese AI app DeepSeek will not be available to download in South Korea pending a review of its handling of user data, Seoul authorities said Monday.DeepSeek's R1 chatbot stunned investors and industry insiders with its ability to match the functions of its Western competitors at a fraction of the cost.But a number of countries have questioned DeepSeek's storage of user data, which the firm says is collected in "secure servers located in the People's Republic of China".Seoul's Personal Information Protection Commission said DeepSeek would no longer be available for download until a review of its personal data collection practices was carried out.The Chinese AI firm has "acknowledged that considerations for domestic privacy laws were somewhat lacking", the data protection agency said.It assessed that bringing the app into line with local privacy laws "would inevitably take a significant amount of time", the agency added.

"To prevent further concerns from spreading, the commission recommended that DeepSeek temporarily suspend its service while making the necessary improvements," it said.DeepSeek has "accepted" that proposal, it added.Use with caution

The app was removed from local app stores on Saturday.

The AI chatbot is stil in use for those who have already downloaded the app.

Seoul's data protection agency said it "strongly advised" people to "use the service with caution until the final results are announced".That included "refraining from entering personal information into the DeepSeek input field", it said.Analyst Youm Heung-youl told AFP that the firm was yet to lay out a privacy policy "specifically tailored" for users in South Korea.

"It has on the other hand disclosed a privacy policy for the EU and certain other countries, stating that it complies with the domestic laws of those nations," Youm, a data security professor at Soonchunhyang University, said.Deepseek needs to establish a privacy policy specific to Korea," he said.Asked about the app's removal, Beijing said on Monday that it asked Chinese firms to operate "overseas operations on the basis of strict abidance by local laws and regulations".Chinese foreign ministry spokesman Guo Jiakun also urged "relevant countries" to "avoid taking measures that overstretch the concept of security or politicise trade and technology issues".

Autopsy confirms OpenAI whistleblower Suchir Balaji's death as suicide, police close investigation

World The San Francisco Police have confirmed that the OpenAI whistleblower Suchir Balaji's death was a suicide. The autopsy report established initial findings of the authorities which contended that there is no evidence of homicide, according to a report by Fortune.Balaji, a 26-year-old Indian-American and former OpenAI researcher was found dead in his San Francisco home on November 26, 2024. His death raised suspicions, with his parents repeatedly claiming he had been murdered.

On Friday, the San Francisco Police and medical examiners announced that the investigation into Balaji's death was officially closed, according to a 13-page report from the Office of the Chief Medical Examiner (OCME) and a four-page response to the lawsuit. They confirmed their original conclusion that he died by suicide."The OCME found no evidence or information to establish a cause and manner of death for Mr Balaji other than a suicide by self-inflicted gunshot wound to the head," read the medical examiner's report.

"SFPD conducted an independent investigation and based on the information SFPD reviewed, there is insufficient evidence to find Mr. Balaji's death was the result of a homicide."However, Balaji's parents have disputed the findings. They claim the autopsy was flawed and point out that the police did not obtain CCTV footage from the building where he lived while pointing out that no suicide note was found.Poornima Rao, Balaji's mother, criticised the SFPD for what she called inaccuracies in the autopsy and police reports."They have never retrieved CCTV footage from the leasing office. We need a report from the police. We are only requesting a transparent investigation," she wrote on X.In an interview with American commentator Tucker Carlson, Balaji's mother accused OpenAI of having a hand in her son's death, alleging they covered it up as a suicide. She argued that her son had been killed because he exposed the company's practices, and some of the documents which he had against them were missing after his death.In the interview, Rao also accused OpenAI of failing to recognise and acknowledge her son's contribution to their flagship product, ChatGPT and he had received no recognition for his work.

In an earlier post on X, Rao mentioned that Balaji's apartment had been "ransacked" and bloodstains had been found. "Someone hit him in the bathroom. There were blood spots. It was cold-blooded murder declared by authorities as suicide," she claimed.

Balaji's parents also appeared in a video with investigative journalist George Webb, detailing what they saw in their son's apartment, including a pool of blood and evidence of a struggle.According to his mother, dissatisfaction with OpenAI's policies and for-profit model led Balaji to become a whistleblower.

Balaji had left OpenAI after discovering that the company was using copyrighted material from the internet to train its chatbot.

'I don't care about Palestine': Jerry Seinfeld's blunt response to Instagrammer

American comedian and actor Jerry Seinfeld tells anti-Israel activist 'I don't care about Palestine' during awkward selfie encounter outside SNL's 50th-anniversary event in New

UPDATED: American comedian and actor Jerry Seinfeld lambasted the man behind the Instagram account 'Subway DJ,' who ambushed him about Palestine. In a clip posted online, the Instagrammer reached out to Seinfeld and asked if he could get a selfie with the veteran actor and comedian.

He was actually recording video at the same time. Seinfeld couldn't deny the request made outside an event celebrating the 50th anniversary of "Saturday Night Live" in New York.Once he agreed, the Instagrammer flashed a peace sign in the selfie and said, "Free Palestine." Seinfeld has been an outspoken supporter of Israel since Hamas attacked Israel on October 7. He stared at the camera and briefly stood there after being asked to repeat what he said.

Seinfeld walked away with wife Jessica after saying, "I don't care about Palestine." In response, the Instagrammer said, "That's sad."The clip was uploaded on Sunday. Reports claimed that the short video

was taken outside Radio City Music Hall, where celebs met for SNL's special anniversary show.Jerry Seinfeld's Bold Stance On Israel

Seinfeld provided a written clarification. According to The Hills, in a written response, he said, "I lived and worked on a Kibbutz in Israel when I was 16 and I have loved our Jewish homeland ever since. My heart is breaking from these attacks and atrocities."Furthermore, it added, "But we are also a very strong people in our hearts and minds. We believe in justice, freedom, and equality. We survive and flourish no matter what. I will stand with Israel and the Jewish people."Anti-Israel protesters have kept targeting him. This isn't the only incident where Jerry Seinfeld has openly supported the Jewish nation.

On Bari Weiss' podcast 'Honestly,' he opened up about his May 2024 trip to Israel after the October 7 attack. He stated it was the most powerful experience of life.He also lashed out at the troublemakers who all attended his shows after the attack on Israel. Earlier in 2024, he delivered a speech at Duke University where dozens of college students walked out in protest. He called the move 'dumb.'

'SNL' celebrates its 50-year journey with an epic event featuring legendary hosts memorable sketches and musical icons

World Paul Simon and Sabrina Carpenter duetted on Simon's song "Homeward Bound" and five-decade "Saturday Night Live" luminary Steve Martin delivered the monologue to open the a 50th anniversary special celebrating the sketch institution that was overflowing with famous former cast members, superstar hosts and other A-list guests.The 83-year-old Simon has been essential to "SNL" since its earliest episodes in 1975, and performed on the first show after the 9/11 attacks. He was joined by the 25-year-old pop sensation of the moment. He told her he sang it with on the show in 1976."I was not born then," Carpenter said, getting a laugh. "And neither were my parents," she added, getting a bigger laugh.Lil Wayne and Miley Cyrus were among the night's other musical guests, though the show's musical legacy also had its own night with a Radio City Music Hall concert on Friday."SNL50: The Anniversary Celebration" aired live from New York, of course, on NBC and Peacock. The pop culture juggernaut has launched the careers of generations of comedians including Eddie Murphy, Kristen Wiig and Will Ferrell, who all appeared in early sketches.

And the evening included epic cameos that included Meryl Streep, Jack Nicholson and Keith Richards.Steve Martin's opening sets tone for 'SNL50,' 'Update' keeps it rollingMartin, one of the shows most prolific hosts and guests since the first season in 1975, tried to keep it current in the monologue even on a backward-looking night.Martin said when the show's creator Lorne Michaels only told him he'd be doing the monologue, "I was actually vacationing on a friend's boat down on the Gulf of Steve Martin."He was joined by former "SNL" luminaries and frequent hosts Martin Short and John Mulaney, who looked at the star-studded crowd full of former hosts in the same Studio 8H at 30 Rockefeller Plaza that has been the show's longtime home."As I look around, I see some of the most difficult people I have ever met in my entire life," Mulaney said. "Over the course of 50 years, 894 people have hosted 'Saturday Night Live,' and it amazes me that only two of them have committed murder."Later, on the night's

"Weekend Update," anchor Colin Jost said there are so many former hosts and musical guests that wanted to see the show that many had to be seated in a neighboring studio and some had to watch "from the Metropolitan Detention Center in Brooklyn" as a photo of Sean "Diddy" Combs appeared.Martin took a jab at the always-difficult-to-wrangle Bill Murray in his monologue."We wanted to make sure that Bill would be here tonight," Martin said, "so we didn't invite him."Murray appeared on "Weekend Update" to rank the show's anchors since they began with Chevy Chase in 1975. He poked at the whiteness of the group by first ranking its Black anchors, a list of just one, current co-anchor Michael Che.The extravaganza came after months of celebrations of "Saturday Night Live," which premiered Oct. 11, 1975, with an original cast that included John Belushi, Chase and Gilda Radner.It's become appointment television over the years as the show has skewered presidents, politics and pop culture and been a platform for the biggest musical stars of the moment."It is a honor and a thrill to be hosting weekend update for the 50th and if it was up to our president final season of SNL," Jost said.

Cameos and memorialsAlec Baldwin, the show's most frequent host with 17 stints, appeared to introduce an evening of commercial parodies, seven months after his trial was halted and an involuntary manslaughter charge was dropped in the shooting of cinematographer Halyna Hutchins.Aubrey Plaza made one of her first public appearances since the January death of her husband when she introduced Cyrus and Howard's performance.

NEWS BOX

Pandya bros ate just Maggi, Bumrah spoke to the ball: Nita Ambani on MI scouting

New Delhi. Mumbai Indians owner Nita Ambani revealed the story behind how the franchise was able to land the Pandya brothers and Jasprit Bumrah. Hardik and Krunal alongside Bumrah formed the core of the MI team that has won multiple IPL titles in the past and all three men went on to make their debuts for the Indian team as well.

While Krunal has moved on from the team, Bumrah has remained with MI throughout his IPL career, while Hardik returned to the franchise as captain during the IPL 2024 season. Speaking at an event in Boston, as quoted by ANI, Nita Ambani revealed how she used to go to every Ranji Trophy match in a bid to unearth new talent for the franchise. She remembered talking to the Pandya brothers at the MI camp and how they revealed that the duo had been eating just Maggi noodles for close to 3 years as they didn't have money.The MI owner said

that she saw passion and hunger in the brothers to make it big in cricket and decided to bring them to the team."In IPL, we all have a fixed budget, so every team can spend x amount of money, so we had to think about new ways of getting talent... So I remember scouting for talent, and I used to go to every Ranji Trophy match and my scouts and I would go to all these domestic cricket matches. And one day, our scouts took two young, lanky, thin boys to the camp. I was talking to them, and they said that for three years, they've eaten nothing but Maggi, Noodles because they've had no money. But in them, I saw the spirit, the passion and the hunger that they wanted to make it big. Those two brothers were Hardik Pandya and Krunal Pandya. In 2015, I bought Hardik Pandya at 10 thousand US dollars in the auction, and today, he's the proud captain of Mumbai Indians," said Nita Ambani.

'Bumrah could speak to the ball'

Nita Ambani went on to reveal how the scouts told her about Bumrah, and she felt that the pacer had the ability to speak to the ball. The MI owner also spoke about Tilak Varma, who is now a vital player in India's T20I team.

India to win Champions Trophy, Rohit Sharma

New Delhi. Former Australia captain Michael Clarke has predicted that India will win the upcoming Champions Trophy 2025 and tipped Rohit Sharma to be the highest run-getter in the tournament. India go into the tournament on the back of a 3-0 win in the ODI series against England. Rohit came back to form during the series, scoring a brilliant 119 off 90 balls in the Cuttack ODI.

After having faced a lot of struggles in the past few months, the India captain was able to score 122 runs across the 3 matches. Speaking on Beyond23 Cricket podcast, Clarke said it was good to see Rohit make some runs again and felt the opener would be key to India's chances in the Champions Trophy.Well, I am saying India is going to win (Champions Trophy). I am going to go with their captain, who's back in form. I am going to say Rohit Sharma—leading run

scorer in the tournament," Clarke mentioned in the Beyond23 Cricket Podcast. He added, "It's good to see him making runs again. I think India need him for sure."

Rohit has a sensational record when it comes to the Champions Trophy. In 10 matches, the Indian captain has scored 481 runs at an average of 53.44 and has a hundred and 4 fifties to his name. He is also the 4th highest run-getter for India in the tournament's history.Champions Trophy 2025: Full coverage

Michael Clarke's other predictions for Champions Trophy

Clarke gave his picks for the highest wicket-taker and Player Of The Tournament for the Champions Trophy. For the highest wicket-taker, Clarke decided to go with Jofra Archer and feels that the England pacer is a superstar."I want to go with Jofra Archer—leading wicket-taker. I know England; I am not expecting them to do that well, but I think he's a superstar," said Clarke.The former Aussie skipper tipped Travis Head to be the Player Of The Tournament as he feels the southpaw is in fine form.

Champions Trophy Classics: When the tail wagged to help West Indies script history

The final of the ICC Champions Trophy 2004 played between the West Indies and England at the Oval is still counted amongst the greatest final of an ICC event, thanks to a game-changing batting heroics of Ian Bradshaw and Courtney Browne. Relive the classic game in our special feature ahead of the upcoming edition of the tournament.

New Delhi. The Champions Trophy 2025 is just a few days away as Pakistan and New Zealand are set to take on each other in the opening clash on February 19. While the upcoming tournament promises to be a mouth-watering affair featuring several big stars of the cricketing fraternity, there have been numerous moments from the past editions which are still fresh in the minds of the fanatics of the game.One such incident dates back to the 2004 edition of the Champions Trophy when West Indies snatched victory from the jaws of defeat courtesy of a miraculous ninth-wicket partnership from their tailenders Courtney Browne and Ian Bradshaw.

IPL 2025: Full Schedule

West Indies had romped over their opponents on their way to the final and were up against the hosts England, who were riding high on confidence having beaten world champions Australia in the semi-final. Hence, the final was expected to be a neck-and-neck battle between the two best teams of the tournament, and it lived up to all the hype.Having won a crucial toss in the final played on September 25, 2004 at the Oval in London, West Indies captain Brian Lara had no hesitation to bowl first under the overcast conditions. As expected, England had to weather a tough passage of play while the West Indies bowlers made the ball dance to their tunes.

Marcus Trescothick's century helps England post 217

The hosts kept on losing wickets at regular intervals and were reduced to 148/6 in 38.2 overs. England's hopes were pinned on their opener, Marcus Trescothick, who stood like a rock at the crease and kept the scoreboard ticking. He got involved in a crucial 63-run partnership for the seventh wicket with Ashley Giles (31 off 37) which helped England cross the 200-run mark.Champions Trophy Classics: India's miraculous turnaround vs South Africa in 2002 semisTrescothick brought up his century off

122 deliveries and was finally run out for 104 (124) as he emerged as Messiah, who bailed England out of their misery. His innings helped post a fighting score of 217, and it was up to England's bowlers to make a game out of it.West Indies' innings had a similar fate as England's, as they lost their first three wickets with 49 runs on the board within the first ten overs. England managed to claw their way back into the game but still couldn't breathe easy with Brian Lara and Shivnarine Chanderpaul's presence at the crease.owever, Andrew Flintoff was determined to guide England to their maiden ICC title as he got rid of Lara and Bravo in quick succession to leave West Indies reeling at 80/5. While wickets continued to tumble, Chanderpaul had calmly occupied the crease at the other end and was gradually taking his team closer to the coveted trophy run-by-run.Ian Bradshaw and Courtney Browne do the impossibleTragedy struck the West Indies camp, when Paul Collingwood turned out to be the golden arm and got the massive scalp of Chanderpaul (47 off 66) to leave them staring down the barrel on 147/8 as England smelled victory.

What happened next, would put the best of movie scripts to shame, as West Indies found their unlikely heroes in Ian Bradshaw and Courtney Browne. The duo batted and exhibited great maturity at the crease as they respected the good balls and pounced on every opportunity to score.A partnership which didn't seem threatening at first, was gradually crushing England's dream to lift the trophy in front of their home crowd. Bradshaw and Browne combined both of their batting talents to forge the greatest partnership between tailenders in the history of ICC events.

Champions Trophy Classics: When Shakib, Mahmudullah's heroics shocked New Zealand

New Delhi. In one of the greatest comebacks in the history of the Champions Trophy, Bangladesh had beaten New Zealand by five wickets to qualify for the semi-final of the 2017 edition. Veterans Shakib Al Hasan and Mahmudullah were the architects of the triumph as the Tigers came back from behind to register a stupendous five-wicket victory at the Sophia Gardens in Cardiff.

Shakib and Mahmudullah not only scored twin centuries, but put on a huge partnership of 224 runs, the second-highest in the history of the competition after Ricky Ponting and Shane Watson's unbeaten 252-run stand against England back in 2009 in Centurion. The duo scripted the comeback after the Tigers were reduced to 33/4 while chasing 266.

Champions Trophy Full Coverage

After opting to bat first, the Black Caps put up a decent score of 265 for the loss of eight wickets. Ross Taylor top-scored for them with 63 while Kane Williamson scored 57. The duo also stitched together a partnership of 83 runs for the third wicket. Martin Guptill (33), Neil Broom (36) and James Neesham (23) also made valuable contributions.In comes Shakib, Mahmudullah

In the run-chase, Bangladesh found themselves in all sorts of trouble, losing their first three wickets for 13 runs in 4.4

overs. Tamim Iqbal, Soumya Sarkar and Sabbir Rahman failed to enter single digits. Mushfiqur Rahim tried to steady the ship before Adam Milne rattled his woodwork. From there on, Mahmudullah and Shakib took charge, after which Bangladesh didn't look back.Shakib was the first of the two to get to his hundred off 111 balls. The left-hander went on to score 114 off 115 with 11 fours and a six. Mahmudullah, on the other hand, stayed not out on 102 off 107, laced with eight fours and two sixes.

When Trent Boult removed Shakib in the 47th over, the Tigers were on the brink of victory, needing only nine runs off 21 balls. Mosaddek Hossain Saikat smashed Milne for a boundary through the off side to score the winning runs as Bangladesh romped home with 16 balls to spare.

'Out of the world'

After the match, Mashrafe Mortaza, the then Tigers' skipper, was over the moon and recalled Bangladesh's heroic win over Australia in Cardiff where Mohammad Ashraful scored a century.

"It is a great feeling. Both times I have been here. I still remember 2005 against Australia and now against New Zealand. The way Shakib and Mahmudullah batted was out of the world for me," Mortaza said.

Bangladesh, however, failed to make their way through to the final after Virat Kohli's India beat them by nine wickets in the semi-final at the Edgbaston in Birmingham.

Eight years later, Bangladesh have returned to playing in the Champions Trophy and will first be up against India on February 20 at the Dubai International Cricket Stadium.

Not dissimilar to Jasprit Bumrah: Ex-captain defends Aussie spinner's bowling action

New Delhi. Former Australia captain Tim Paine has jumped to the defence of Matt Kuhnemann, claiming that the spinner's action is more or less similar to that of India's Jasprit Bumrah. Kuhnemann, who finished with 16 wickets in the 2 Tests against Sri Lanka, was reported for his bowling action right after the completion of the series. While the spinner has been allowed to bowl in domestic cricket, but the 28-year-old has been asked to prove his action is legal to play in ICC events.The spinner, much like Bumrah, tends to hyperextend his arm, rather than bending it. This was pointed out by Paine on SEN Radio, who said that being accused of throwing is not something nice to have against your name. The former Aussie skipper feels that the social media scrutiny would have been tough for Kuhnemann to deal with after being called up for suspect bowling action.

"I think there's a bit of flexion, not dissimilar to a Jasprit Bumrah," Paine said. "I think he'd be flat as a tack I'd imagine. In cricket, being

accused of throwing is not a great mark to have against your name. You're being accused in a way, of cheating.I imagine in such a public forum, that would be very hard for him to deal with that. He's probably walked off that day on top of the world, and by the time he's back in the hotel room he's at absolute rock bottom because he's fighting, if you like, to save his career."

'Kuhnemann targeted in token move'

Paine feels that Kuhnemann has been targeted in a token move by the officials and claimed that the Aussie spinner was an easy target for them.I just don't get it," he added. "Go back through the history of cricket and we've had guys who have played hundreds of Test matches combined who have (much worse actions) than Matthew Kuhnemann. I feel like it's a bit of a token 'we'll look like we're policing this, even though we have never before,' and Kuhnemann has been the unlucky one."Kuhnemann will now have to undergo biomechanical testing in the next few weeks to clear his name and play in international cricket again. "

Cheeky Deandra Dottin gives Chris Gayle vibes: I was the missing piece of the WPL

New Delhi. Deandra Dottin was at her very best when Gujarat Giants (GG) opened their account in the Women's Premier League (WPL) 2025 after beating Deepti Sharma's UP Warriorz (UPW) by six wickets on Sunday, February 16 at the Kotambi Stadium in Vadodara.

Although it was skipper Ash Gardner who won the Player of the Match award, Dottin played an equally important role. She gave the Giants their first breakthrough by dismissing Kiran Navgire, after which she finished with figures of 4-0-34-2.Thereafter, Dottin played a blazing knock of 33 off 18, helping the Giants chase down the target of 144 with two overs to spare. Dottin, in the meantime, made a cheeky remark, which depicted her incredible level of confidence.WPL 2025: GG vs UPW Highlights

After the match, Dottin was asked about whether the Giants benefitted by her inclusion. "Were you the missing piece of the Gujarat Giants?" asked the presenter

Replying to the question, Dottin said, "I was actually a missing piece for the WPL as a whole."

WPL 2025 Full Coverage

Last year, in December, the West Indies all-rounder became the first player to be sold in the auction when the Giants roped her in at a price of Rs 1.70 crore.

'Greatest player in the world'

Dottin's aura was reminiscent of a certain Chris Gayle, who's popularly known as the Universe Boss. Dottin, on the other hand, is known as the World Boss on the women's cricket circuit.Gayle was someone who preferred wearing his heart on his sleeves. Back in 2019, Gayle called himself the greatest player in the world while speaking to the reporters at the Kensington Oval in Bridgetown, Barbados."You're looking at a great man. I'm the greatest player in the world. Of course, I'm still the Universe Boss. That will never change. I'll take that to the grave," Gayle had said. The left-hander holds the record for the most runs (14562) and most sixes (1056) in T20s.

My PR is my cricket: Ajinkya Rahane targets return to Indian Test team

New Delhi. Ajinkya Rahane is targeting a return to the Indian Test team and claimed that he wants his bat to do the talking for him. Rahane last played for India during the tour of the West Indies in 2023 after playing in the World Test Championship final that year against Australia. Despite a good performance against the Aussies, the Mumbai batter was snubbed from the Test team as India decided to bank on younger stars.Rahane returned to the domestic circuit and has been in fine form since then. In the ongoing Ranji Trophy 2024-25 season, the 36-year-old scored 437 runs in 12 innings, including a hundred in the quarterfinal against Haryana. This follows a spectacular Syed Mushtaq Ali Trophy campaign, where he was the highest run-getter with 469 runs in nine matches at an average of 58.62 and a strike rate of 164.56. Speaking to Indian Express, Rahane said that people has advised he to speak up and be in the news.

"I was always shy, now I have opened up. My focus has been to play cricket and go home. Nobody told me that going ahead, certain things will be needed. Today also, sometimes I feel ki bas cricket khelo, ghar jao. Now I am told I need to speak up, talk about my hard work. People say you need to be in the news ... I don't have a PR team, my only PR is my cricket. I have now realised that staying in the news is important. Otherwise, people think that I'm out of the circle," said Rahane.The Mumbai batter said that Test cricket is his motivation at the moment for making a return to the Indian team.

"Test cricket. There is still fire and passion in me. I'm playing Ranji Trophy at the moment,

trying to give my all to the Mumbai team. The goal is clear to make another comeback. When I was dropped a few years ago, I made runs and was picked for the World Test Championship final and then was dropped again. But what is in my control? To play," said Rahane.

'Was tough to watch Border-Gavaskar Trophy sitting at home'

Rahane was one of the stars for India during the 2020-21 Border-Gavaskar Trophy in Australia as he also captained the side after the 1st Test following Virat Kohli's absence. This time around, he was forced to watch the action from the sidelines, something the Mumbai batter found tough.Rahane said that he still feels he can serve the Indian team going forward."Yes (it was tough to watch BGT sitting at home). Previously, I was dropped despite doing well. So, somewhere I feel I can still serve the Indian team. Cricket is still left in me," said Rahane.Rahane is captaining the Mumbai team in their semi-final against Vidarbha in the Ranji Trophy on Monday, February 17.

Shweta Basu Prasad

Was Bullied On Telugu Film Set, Says Hero Would Mess Up Scenes: 'Something I Have No Control Over'

Actress Shweta Basu Prasad shared her experience of being bullied on a Telugu film set due to her height, despite her successful career in Telugu, Hindi, and Tamil cinema.

Actress Shweta Basu Prasad recently shared her experience of being bullied on a Telugu film set due to her height. In an interview with Bollywood Bubble, she revealed that during the filming of a particular Telugu movie, the crew frequently commented on her stature, as her co-actor was significantly taller.

She said, "There was this one Telugu film I was doing and that entire crew every day would remind me of my height. Because my hero was quite tall, I'm 5'2, and my actor was 5'11 or almost 6 feet tall."

She went on to explain, "He would mess up every scene, give retakes, him being Telugu can't speak the language. Even I couldn't but I was managing. And I'm like, you're telling me about something that I have no control over. It's something that genetically aya hain (it's genetic), you manage no. It's the only set where I was really bullied, very bad."

Actress Shweta Basu Prasad began her career in Telugu cinema with the 2008 film Kotha Bangaru Lokam. Over the years, she has appeared in several Telugu films, including Ride (2009), Kasko (2009), Kalavar King (2010), Priyudu (2011), and Genius (2012). Her most recent Telugu film was Vijetha (2016). In addition to her work in Telugu cinema, Shweta has also acted in Hindi and Tamil films.

She began her acting career at the age of 11, debuting in the film Makdee (2002), where she portrayed a dual role and earned the National Film Award for Best Child Artist. Following her success in Makdee, Shweta appeared in the television series Kahaani Ghar Ghar Kii and Karishma Kaa Karishma. In 2005, she starred in the critically acclaimed film Iqbal, portraying the character of Khadija, which garnered her the Best Supporting Actress Award at the 5th Karachi International Film Festival.

Shakira

Hospitalised, Cancels Peru Event Last Minute Due To Abdominal Pain

Colombian singer-songwriter Shakira recently embarked on her Las Mujeres Ya No Lloran world tour. However, it took an unfortunate turn when she ended up being hospitalised due to an abdominal issue. Due to this, Shakira was forced to postpone her concert in Peru. Later, the 48-year-old singer took to social media to inform everyone about the same, saying that she had to visit the emergency room suddenly and was still under medical care.

In a message posted on X (formerly known as Twitter), Shakira expressed regret over the cancellation. "I am sorry to inform you all that last night I had to go to the ER for an abdominal issue and am currently hospitalised," she wrote. Doctors advised her to avoid performing, as she wasn't in the right condition to take the stage. Shakira expressed her deep disappointment over the postponement, saying she had been eagerly looking forward to performing for her fans in Peru. She reassured them that her team and the concert promoters were already working on a new date. "I love you all, and I appreciate your understanding," she said. Despite the setback, the Hips Don't Lie singer remains hopeful about returning to the stage soon. She expressed optimism about being discharged by Monday and resuming her tour. If all goes well, she is set to perform in Peru that same evening before heading to Colombia for a series of shows.

Shakira kicked off her tour in Rio de Janeiro just days after winning a Grammy for Best Latin Pop Album, which she dedicated to migrants in the U.S. facing deportation under President Donald Trump. She also took the stage at the Grammys earlier this month. One of the most celebrated Latin artists of all time, Shakira is set to perform nearly 50 shows across Latin America by the end of June, with more dates scheduled in the U.S. and Canada.

Karan Johar Says 'If There's Conviction, Logic Won't Matter' In Films, Cites Gadar: 'Ek Hand Pump Se Agar...'

Karan Johar, a prominent figure in Bollywood, has directed and produced many successful films. Known for his romantic comedies and family dramas, he recently discussed the importance of conviction in filmmaking. He spoke of how unwavering belief in one's story and characters can make audiences accept even the most improbable scenarios. KJo cited directors like SS Rajamouli, Sandeep Reddy Vanga, and Anil Sharma as examples of filmmakers whose strong conviction has led to successful films.

During a conversation with Komal Nahta, Johar was asked, "When logic takes a backseat, what takes the front?" Without hesitation, he replied, "Conviction." He elaborated, "It is very important. If you look at the best filmmakers and try to understand their journey, their greatest or most successful films are a result of conviction. If there's conviction, logic won't matter."

Karan explained that films like SS Rajamouli's RRR and Anil Sharma's Gadar 2 succeeded not because they adhered to logic, but because of the directors' strong belief in their stories. He said, "Take Rajamouli sir's movies, for instance. Where can you spot logic? You can only see conviction in his films. When that conviction comes to the forefront, even the audience will believe you."

He went on to add, "This holds true for all major blockbusters, including Animal, RRR and Gadar. They were all driven by conviction. If a person is shown beating up 1,000 people with just a handpump, it's because of conviction. Anil Sharma believes Sunny Deol can do that, and as a result, the audience believes it too. And in Gadar 2, the moment he touches someone, they run away. That's pure faith."

Karan Johar said that filmmakers should embrace their vision without self-doubt or overthinking audience expectations. "More often than not, you end up doubting yourself, second-guessing the audience and thinking too much about logic. That won't help you in any way," he said.

Prateik Babbar's Wife Priya On Not Inviting Raj Babbar And Family To Their Wedding: 'His Aunts Who Raised Him...'

Congratulations are in order as Prateik Babbar has tied the knot with Priya Banerjee. After dating each other for a long time, they got married in an intimate wedding ceremony held at Prateik's late mother Smita Patil's house in Bandra, Mumbai. Surrounded by their closest family and friends, the wedding was a heartfelt celebration of love, culture, and togetherness. The newlywed couple shared some dreamy pictures from the traditional wedding ceremony, that left fans mesmerized.

In a chat with HT, Priya expressed that being married to Prateik doesn't feel different, as they've been together for almost five years. She said, "Honestly, being married to Prateik and being married doesn't feel any different. We have been together for a very long time. It has been almost five years, we have lived under the same roof. More than that I feel like I have known him forever. It feels the same." Prateik went on to add, "It feels like I am doing this for the thousandth time. This is like another lifetime, another universe. I feel like I marry her in every lifetime and every universe and this is another one and there are many more to go."

Prateik Babbar and Priya Banerjee's intimate wedding on February 14 led to speculation about the absence of Prateik's father, Raj Babbar, and his half-siblings, Aarya and Juhi Babbar. Priya clarified that all important family members were present. She said, "There was absolutely no family member who was missing from the wedding or our celebrations. I don't know why there are rumours that "family members" were absent. Our families where there including my parents, his aunts who raised him, his nana-nani and everyone who mattered and is family was with us. And there was absolutely nobody who is family was missing."